www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, सोमवार, 29 जनवरी, 2024 | वर्ष-16 | अंक -294 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

विश्वासघात का बना नया कीर्तिमान : अखिलेश 02

■ सचिव ने फहराया जीडीए में तिरंगा... 04
■ एनटीपीसी ने आईसीडीएस व सलाम नमस्ते के...

■ अमेरिका ने तुर्किए को एफ-16 लड़ाकू विमान... 07
■ राहत फतेह के हमले के वीडियो की शीघ्र होगी जांच ...

अपने पहले लाइव परफॉर्मेंस के लिए तैयार हैं अभिनेत्री 10

सार संक्षेप

संयुक्त किसान मोर्चा का धरना 26वें दिन पहुंचा

हिसार। हरियाणा के हिसार में लघु सचिवालय के सामने संयुक्त किसान मोर्चा का चल रहा अनिश्चितकालीन धरना रविवार को 26वें दिन में प्रवेश कर गया। धरने की अध्यक्षता जिला प्रधान शमशेर सिंह नंबरदार ने की एवं संचालन जसवीर डाया ने किया। जिला प्रधान शमशेर सिंह नंबरदार ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि हिसार में संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर जोरदार ट्रैक्टर रैली निकाली गई। हजारों किसानों ने अपने ट्रैक्टर व अन्य साधनों के साथ रैली में भाग लिया।

सीटों के बंटवरों पर कांग्रेस-डीएमके की बैठक हुई

चेन्नई। सीट बंटवारे पर चल रही खींचतान के बीच तमिलनाडु में रविवार को कांग्रेस और सत्ताधारी डीएमके की पहली मीटिंग हुई। चेन्नई स्थित डीएमके मुख्यालय अन्ना अरिवलय में यह बैठक हुई। इसमें कांग्रेस की ओर से सलमान खुर्शीद और मुकुल वासनिक शामिल हुए। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस ने राज्य की 21 सीटों की मांग डीएमके से की है।

टीडीपी सांसद गल्ला जयदेव ने छोड़ी राजनीति

विजयवाड़ा। तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) संसदीय दल के नेता और उद्योगपति गल्ला जयदेव ने रविवार को घोषणा की कि वह राजनीति छोड़ रहे हैं और व्यवसाय पर ध्यान केंद्रित करेंगे। गुंटूर से लोकसभा सदस्य ने घोषणा की कि वह आगामी चुनाव नहीं लड़ेंगे। जयदेव, जो अमारा राजा बैटरीज के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हैं, ने कहा कि वह अंशकालिक राजनेता के रूप में नहीं रहना चाहते थे।

कालकाजी मंदिर में मंच गिरने से एक की मौत, 17 घायल

नई दिल्ली। दक्षिणपूर्वी दिल्ली के कालकाजी मंदिर में 'कीर्तन' मंच गिरने से 45 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई, जबकि 17 अन्य घायल हो गए। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। घटना शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात की है और मृतका की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है।

ग्वालियर में एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने की आत्महत्या

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में एक परिवार के तीन सदस्यों के शव फांसी के फंदे से लटके मिले हैं। पुलिस मामले की जांच में लगी हुई है। हत्या और उसके बाद आत्महत्या के एंगल से जांच की जा रही है। बीते दो दिनों से उनके मकान के दरवाजे बंद थे और मकान से दुर्गंध आने पर ही स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

नीतीश 9वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बने

सम्राट चौधरी व विजय सिन्हा व श्रवण सहित आठ मंत्री बनाए गए

■ मुकुंद कुमार सिंह

पटना, 28 जनवरी (देशबन्धु)। नीतीश कुमार ने रविवार को बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उन्होंने नौवीं बार बतौर मुख्यमंत्री पद की शपथ ली.। जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने रविवार को ही महागठबंधन से

■ सम्राट, विजय ने ली उपमुख्यमंत्री पद की शपथ
■ राबड़ी सरकार में भी मंत्री रह चुके हैं सम्राट चौधरी
■ शपथ के बाद जय श्री राम के नारों से गूंजा राजभवन
■ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी रहे मौजूद

अलग होने और एनडीए में शामिल होने का ऐलान किया था। नीतीश कुमार के साथ आठ और मंत्रियों ने शपथ ली है। इसमें सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी हैं जिन्हें बतौर उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने से पहले सम्राट चौधरी को बीजेपी ने विधायक दल का नेता और विजय सिन्हा को उपनेता चुना था। इन दोनों के अलावा बीजेपी की तरफ से डॉ. प्रेम कुमार, जेडीयू से विजय कुमार चौधरी, श्रवण कुमार, विजेंद्र यादव, हम से संतोष कुमार सुमन और निर्दलीय सुमित कुमार सिंह ने भी मंत्री पद की शपथ ली। राजभवन के राजेंद्र मंडप में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया।

राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने नीतीश सहित सभी मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। नीतीश के मुख्यमंत्री के शपथ लेते ही एनडीए की सरकार बिहार में एक बार फिर सत्तारूढ़ हो गई। नीतीश के शपथ लेते ही जय श्री राम के नारों से राजभवन गूंज गया। इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद

जातिगत समीकरण का रखा ध्यान

दो कुर्मी (नीतीश कुमार, श्रवण कुमार) - जदयू
दो भूमिहार (विजय चौधरी- जदयू), (विजय सिन्हा-भाजपा)
एक राजपूत (सुमित कुमार सिंह- निर्दलीय)
एक यादव (विजेन्द्र प्रसाद यादव- जदयू)
एक दलित (संतोष कुमार सुमन - हम)
एक अति पिछड़ा (डॉ प्रेम कुमार- भाजपा)
एक कुशवाहा (सम्राट चौधरी- भाजपा)

थे। बिहार के मुंगेर से ताल्लुक रखने वाले सम्राट चौधरी पहले भी बिहार सरकार में मंत्री रह चुके हैं। सम्राट राबड़ी देवी सरकार में मंत्री रहे हैं। वह राजनीतिक परिवार से आते हैं। उनके पिता शकुनी चौधरी सात बार के विधायक रहे हैं जबकि मां पार्वती देवी भी विधायक रही हैं।

सम्राट चौधरी बीजेपी के अभी बिहार अध्यक्ष हैं। नीतीश के महागठबंधन में जाने के बाद बीजेपी ने उन्हें प्रदेश की कमान सौंपी थी। पिछले एक साल में वे लगातार नीतीश कुमार के खिलाफ मुखर होकर राजनीति कर रहे थे। वहीं, नेता प्रतिपक्ष और पूर्व में स्पीकर रह चुके विजय सिन्हा भी नीतीश के खिलाफ सड़क से लेकर संसद तक मुखर रहे थे। अब वे मुख्यमंत्री के साथ मिलकर काम करेंगे। नीतीश के खास माने जाने वाले जेडीयू नेता विजय चौधरी ने मंत्री पद की शपथ ली।

महागठबंधन सरकार में उनके पास वित्त विभाग की जिम्मेदारी थी। बिहार सरकार में वह जेडीयू से नंबर दो के नेता माने जाते हैं।

नीतीश ने बनाया नया रिकॉर्ड

बिहार में एनडीए सरकार का गठन हो गया है। नीतीश कुमार ने 9वीं बार शपथ लेने के साथ नया रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। नीतीश कुमार ने 9वींबार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर यह रिकॉर्ड बनाया है। आज तक कोई भी नेता 9वीं बार मुख्यमंत्री नहीं बना हैं। 2000 में नीतीश पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री बने थे।

बिहार के घटनाक्रम पर बोले कांग्रेस प्रवक्ता

गिरगिटों को टक्कर देने वालों को माफ नहीं करेगी जनता

नई दिल्ली। कांग्रेस ने जनता दल (यू) के नेता एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम लिए बिना उन पर तीखा हमला करते हुए रविवार को कहा कि रंग बदलने में गिरगिटों को टक्कर देने और विश्वासघात करने वालों को पूरा देश देख रहा है और बिहार की जनता उन्हें माफ नहीं करेगी। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने कहा, बार-बार राजनीतिक साझेदार बदलने वाले नीतीश कुमार रंग बदलने में गिरगिटों को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। इस विश्वासघात के विशेषज्ञ और उन्हें इशारों पर नचाने वालों को बिहार की जनता माफ नहीं करेगी। बिलकुल साफ़्फ़ है कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा से प्रधानमंत्री और भाजपा घबराए हुए हैं और उससे ध्यान हटाने के लिए यह राजनीतिक ड्रामा रचा गया है।

लिखकर ले लीजिए जेडीयू 2024 में ही खत्म हो जाएगी

■ पलटी मारने से खेल खत्म नहीं हुआ, खेला अभी बाकी है

पटना। सरकार से हटने के बाद तेजस्वी यादव की पहली प्रतिक्रिया आई है। तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश कुमार के पलटी मारने से खेल खत्म नहीं हुआ। खेला अभी बाकी है। इंतजार करिए, आगे क्या होगा। राजद नेता ने कहा-हमने एक थके हुए बिना विजन के सीएम को धक्का देकर काम करवाया था। हमने 17 महिने में जो काम किया वह नीतीश कुमार 17 साल में नहीं कर पाए थे। अब आगे आगे देखिए क्या होता है। तेजस्वी बोले-लिखकर ले लीजिये जनता दल यूनाइटेड नाम की पार्टी 2024 में ही खत्म हो जाएगी। तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश कुमार के पाला बदलने से हम निराश और नाराज नहीं हैं। हम संयम बरतेंगे। हम जनता के पास जाएंगे। जनता हमारे साथ है। हमने बड़े संयम से नीतीश कुमार के साथ गठबंधन धर्म का पालन किया था। हम कुछ उद्देश्य को लेकर नीतीश कुमार के साथ गए थे। मैंने उसे पूरा करने की पूरी कोशिश की। लेकिन नीतीश कुमार ने उसकी हत्या कर दी।

सुप्रीम कोर्ट के हीरक जयंती समारोह में बोले डीवाई चंद्रचूड़

अन्याय के खिलाफ सुरक्षा कवच के रूप में काम करे न्यायपालिका

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट अपनी स्थापना के 75वें साल में प्रवेश कर चुका है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने हीरक जयंती समारोह में कहा, सुप्रीम कोर्ट की स्थापना इस आदर्शवाद भावना के साथ की

■ सुप्रीम कोर्ट की नई वेबसाइट भी लॉन्च की

गई थी कि कानूनों की व्याख्या संवैधानिक न्यायालय की ओर से कानून के शासन के मुताबिक की जाएगी न कि औपनिवेशिक मूल्यों या सामाजिक पदक्रम के अनुसार। इन कानूनों को ब्रिटिश सरकार के मूल्यों और सामाजिक वर्गीकरण के आधार पर नहीं बनाया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, ये इस विश्वास की पुष्टि करता है कि न्यायपालिका को अन्याय, अत्याचार और मनमानी के खिलाफ एक सुरक्षा कवच के रूप में काम करना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय समाधान और न्याय की संस्था है। ये तथ्य कि लोग बड़ी संख्या में यहां पहुंचते हैं, ये दर्शाता है कि हम अपनी भूमिका निभाने में कितने सफल रहे हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डायमंड जुबली सेलिब्रेशन की शुरुआत की और सुप्रीम कोर्ट की नई वेबसाइट भी लॉन्च की गई।

आज बने कानून कल के भारत को मजबूत करेंगे: मोदी

इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने व्यक्तिगत आधिकारों, फ्रीडम ऑफ स्पीच पर कई फैसले दिए हैं। इनसे देश के सामाजिक-राजनीतिक परिवेश को नई दिशा मिली है। आज जो कानून बनाए जा रहे हैं, वो कल के भारत को मजबूती प्रदान करेंगे। देश की पूरी न्याय व्यवस्था सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशों पर निर्भर होती है।'

पश्चिम बंगाल से फिर शुरू हुई 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा'

इकरार खान

जलपाईगुड़ी, 28 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' दो दिन के विश्राम के बाद रविवार दोपहर को पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी से फिर शुरू हो गई। यात्रा के 15वें दिन पश्चिम बंगाल में राहुल गांधी का भव्य स्वागत किया गया।

राहुल गांधी की एक झलक पाने के लिए हर जगह लोगों की विशाल भीड़ से सड़कें खचाखच भर गई। इस दौरान राहुल गांधी ने हाथ हिलाकर उनके स्वागत में खड़े लोगों का अभिवादन किया और लोगों से बातचीत की। यात्रा की यादों को अपने फोन में कैद करने के लिए राहुल गांधी की फोटो खींचने की लोगों में होड़ सी लग गई। यात्रा रविवार को जलपाईगुड़ी से होते हुए सिलीगुड़ी और उत्तर दिनाजपुर पहुंची। इस दौरान अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा कि देश के युवाओं को रोजगार चाहिए। लेकिन सच्चाई ये है कि आज हिंदुस्तान में युवाओं को रोजगार नहीं मिल सकता है। देश के युवा अपने सपनों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं, जिसके कारण युवाओं के दिल में नफरत और गुस्सा पैदा हो रहा है। इसलिए कांग्रेस %भारत जोड़ो यात्रा% में कन्याकुमारी से कश्मीर तक चली और युवाओं की बात सुनी। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने यात्रा में 'न्याय' शब्द जोड़ दिया है, क्योंकि हिंदुस्तान में नफरत का कारण अन्याय है। ऐसा इसलिए क्योंकि देश की सारी संपत्ति कुछ चुनिंदा उद्योगपतियों के हाथों में जा रही है। कांग्रेस एक ऐसा हिंदुस्तान चाहती है, जहां देश के गरीब भी बड़े से बड़ा सपना देखें और उन्हें पूरा करें। एक ऐसा हिंदुस्तान जहां मेहनत से काम करने वालों की इज्जत हो।

■ राहुल बोले, हिंदुस्तान में युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा
■ कांग्रेस नेता के स्वागत के लिए उमड़े लोगे

राहुल ने अग्निवीर योजना का मुद्दा उठाया

अग्निवीर योजना का मुद्दा उठाते हुए राहुल गांधी ने कहा कि पहले देश के युवा सुबह उठकर मेहनत करते थे, फिटनेस बनाकर आर्मी में जाते थे। वहां हमारे युवाओं को गारंटी दी जाती थी कि हम आपकी और आपके परिवार की रक्षा करेंगे। लेकिन अब मोदी सरकार 'अग्निवीर' लेकर आई है, जिसमें युवाओं को सिर्फ चार साल के लिए नौकरी मिलेगी। सेना के लोगों को जो सुविधाएं और आर्थिक सुरक्षा मिलती है, वो अग्निवीर को नहीं मिलेगी। वहीं अग्निवीर योजना से पहले डेढ़ लाख लाख युवाओं को आर्मी में भर्ती करने की बात कही गई। लेकिन तीन साल बाद, उन युवाओं को न आर्मी में भर्ती दी जा रही है और न ही अग्निवीर में। ये अन्याय है। राहुल गांधी ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने मुझे बहुत प्यार दिया और अपनी पूरी शक्ति इस यात्रा में झोंक दी, ये मैं कभी नहीं भूलूंगा।

'मन की बात' की 109वीं कड़ी में बोले मोदी

संविधान निर्माताओं का भी प्रेरणा स्रोत रहा राम का शासन

■ अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा ने देश को एक सूत्र में बांध दिया

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि उन्होंने अयोध्या में 'देव से देश' और 'राम से राष्ट्र' की बात प्रभु राम के उसी शासन से प्रेरित होकर की थी जो हमारे संविधान निर्माताओं का भी प्रेरणास्रोत रहा है। श्री मोदी ने रेडियो पर प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' की 109वीं कड़ी पर देश को संबोधित करते हुए रविवार को कहा कि उनका 2024 का यह 'मन की बात' का पहला कार्यक्रम है। अमृतकाल में एक नयी उमंग है, नयी तरंग है। उन्होंने कहा, देशवासियों ने दो दिन पहले 75वां गणतंत्र दिवस मनाया है और इसी साल हमारे संविधान के भी 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं और सुप्रीम कोर्ट के भी 75 वर्ष हो रहे हैं। हमारे लोकतंत्र के ये पर्व मदर ऑफ डेमोक्रेसी के रूप में भारत को और सशक्त बनाते हैं।'

जीवंत दस्तावेज है भारत का संविधान

उन्होंने कहा भारत का संविधान इतने गहन मंथन के बाद बना है कि उसे जीवंत दस्तावेज कहा जाता है। इसी संविधान की मूल प्रति के तीसरे अध्याय में भारत के नागरिकों के मूलभूत अधिकारों का वर्णन किया गया है और ये बहुत दिलचस्प है कि तीसरे अध्याय के प्रारंभ में हमारे संविधान निर्माताओं ने भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण जी के चित्रों को स्थान दिया था। प्रभु राम का शासन, हमारे संविधान निर्माताओं के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत था और इसलिए 22 जनवरी को अयोध्या में मैंने 'देव से देश' की बात की थी, 'राम से राष्ट्र' की बात की थी।

प्रधानमंत्री ने कहा अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के अवसर ने देश के करोड़ों लोगों को मानो एक सूत्र में बांध दिया है। इस दौरान देश ने सामूहिकता की शक्ति देखी, जो विकसित भारत के हमारे संकल्पों का भी बहुत बड़ा आधार है।

नवरत्न गढ़ में पुरातात्विक खुदाई में मिला खुफिया दरवाजा

झारखंड में सामने आया 16वीं-17वीं सदी का इतिहास

रांची, 28 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के गुमला

■ 2009 में ही राष्ट्रीय पुरातात्विक धरोहर घोषित किया जा चुका

जिला अंतर्गत सिसई प्रखंड में स्थित नवरत्न गढ़ में चल रही पुरातात्विक खुदाई में अद्भुत स्थापत्य वाले भूमिगत महलों की संरचनाएं मिल रही हैं। यहां अब तक प्राप्त हुए अति प्राचीन अवशेषों

से 16वीं-17वीं शताब्दी के कालखंड का ऐसा इतिहास सामने आ रहा है, जो वक्त के थपेड़ों के साथ जमींदोज हो गया था। बीते हफ्ते यहां जमीन के नीचे एक खुफिया दरवाजा मिला है। अभी दरवाजे का आधा हिस्सा नजर आया है। संभावना जताई जा रही है कि यह दरवाजा किसी सुरंग का हिस्सा रहा होगा। भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण विभाग यहां खुदाई के परिणामों से बेहद उत्साहित है। नवरत्नगढ़ को वर्ष 2009 में ही राष्ट्रीय पुरातात्विक धरोहर घोषित किया जा चुका है और अब यह स्थान स्थानीय पर्यटकों, पुरातत्वविदों एवं इतिहासकारों के लिए कौतूहल और जिज्ञासा का केंद्र बन गया है।

पश्चिमी हिमालय में कल बारिश की संभावना

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में बारिश की भविष्यवाणी की है। आईएमडी ने रविवार को बताया कि 3 फरवरी तक पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में बारिश की उम्मीद है और 30-31 जनवरी को अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश की संभावना है। आईएमडी के अनुसार, अगले दो दिनों के दौरान उत्तर प्रदेश और बिहार में घने से बहुत घना कोहरा रहेगा। इस दौरान कड़ाके की ठंड भी जारी रहेगी। 'लगातार दो पश्चिमी विक्षोभ 30 जनवरी से और दूसरा 3 फरवरी से उत्तर पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है।'

कड़ाके की ठंड भी जारी रहने का अनुमान

आयोजन | 75वें गणतंत्र दिवस समारोह का आज होगा समापन

31 भारतीय धुनों से गूंजेगा बीटिंग रिट्रीट समारोह

नई दिल्ली, 28 जनवरी (देशबन्धु)। रायसीना हिल्स का ऐतिहासिक विजय चौक 29 जनवरी को बीटिंग रिट्रीटिंग समारोह के दौरान 31 भारतीय धुनों का गवाह बनेगा, जो 75वें गणतंत्र दिवस समारोह का समापन होगा। बीटिंग रिट्रीट की शुरुआत 1950 के दशक में हुई जब भारतीय सेना के मेजर रॉबर्ट्स ने सामूहिक बैंड द्वारा प्रदर्शन के अनूठे समारोह को स्वदेशी रूप से विकसित किया।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 'बीटिंग रिट्रीट' सदियों पुरानी सैन्य परंपरा का प्रतीक है। रिट्रीट बजने पर सैनिक लड़ना बंद कर देते थे, अपने हथियार रख लेते

■ बीटिंग रिट्रीट की शुरुआत 1950 के दशक में हुई

थे, युद्ध के मैदान से हट जाते थे और सूर्यास्त के समय शिविरों में लौट आते थे। मंत्रालय ने कहा, रंगों और मानकों को ढक दिया जाता था और झंडे उतार दिए जाते थे। यह समारोह बीते समय

की पुरानी यादें ताजा करता है। इसमें कहा गया है कि भारतीय सेना, भारतीय नौसेना, भारतीय वायु सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के म्यूजिक बैंड राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी के सामने 31 मनमोहक भारतीय धुनें बजाएंगे।

'शंखनाद' धुन से होगी शुरुआत

मंत्रालय ने कहा, समारोह की शुरुआत सामूहिक बैंड की 'शंखनाद' धुन से होगी, जिसके बाद पाइप्स और ड्रम बैंड द्वारा वीर भारत, संगम दूर, देशों का सरताज भारत, भागीरथी और अर्जुन जैसी मनमोहक धुनें पेश की जाएंगी। सीएपीएफ बैंड भारत के जवान और 'विजय भारत' बजाएंगे। मंत्रालय ने कहा कि टाइगर हिल, रेजॉइस इन रायसीना और स्वदेशी भारतीय वायु सेना के बैंड द्वारा बजाई जाने वाली धुनों में से हैं। जबकि दर्शक भारतीय नौसेना बैंड को आईएनएस विक्रांत, मिशन चंद्रयान, जय भारती और हम तैयार हैं सहित कई धुनें बजाते हुए देखेंगे। मंत्रालय ने कहा, इसके बाद भारतीय सेना का बैंड फौलाद का जिगर, अग्निवीर, कारगिल 1999, ताकत वतन जैसे अन्य गाने बजाएगा। इसमें कहा गया है कि इसके बाद सामूहिक बैंड कदम कदम बढ़ाए जा, ऐ मेरे वतन के लोगों और ड्रमर्स कॉल की धुनें बजाएंगे।

देश

उवाच

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का महागठबंधन से बाहर जाने और भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन करने से भगवा पार्टी को नुकसान होगा और विपक्षी गठबंधन को फायदा होगा। जदयू के सुप्रीमो के कदम पर लोग इस विश्वासघात के कृत्यों को कभी माफ नहीं करेंगे।

-जे.सी.रविंद्रन, द्रमुक के प्रवक्ता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	15.0	11.0
मुंबई	28.0	23.0
कोलकाता	19.0	12.0
चेन्नई	27.0	24.0

नीतीश तीसरी बार भाजपा के साथ

- **बिहार में नौवीं बार भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री पद की ली शपथ**
- **सियासी उलटफेर की अटकलें एक बार फिर हुई सही साबित**

पटना, 28 जनवरी (देशबन्धु)। बिहार में एनडीए की नई सरकार का गठन हो गया है। नीतीश कुमार ने बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। नीतीश कुमार 9वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बने हैं। देश में नीतीश कुमार ने रिकॉर्ड बना लिया है। नीतीश कुमार ने 9 दफे मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर रिकॉर्ड बनाया है। बता दें कि आज तक कोई भी नेता नौ दफे मुख्यमंत्री नहीं बने हैं। गौरतलब है कि साल 2000 में नीतीश पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री बने पर बहुमत के अभाव में उन्हें जल्द ही इस्तीफा देना पड़ा। पांच साल बाद नीतीश की फिर से सत्ता में वापसी हुई। दूसरी बार भारतीय जनता पार्टी के साझेदार के तौर पर मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाली। 2010 का नीतीश की पार्टी जनता दल यूनाइटेड और भारतीय जनता पार्टी तीन चौथाई से भी अधिक सीट जीतकर सदन पहुंची। नीतीश तीसरी दफा मुख्यमंत्री बनें और सरकार चलती रही। उसके साल आया 2013 और भारतीय जनता पार्टी ने अगले ही साल होने वाले आम चुनाव के लिए नरेंद्र मोदी को चुनाव प्रचार का चेहरा बना दिया। लोकसभा चुनाव जीतने पर मोदी प्रधानमंत्री बनते। ऐसे में यह बात नीतीश कुमार को ये बात रास नहीं आई और उन्होंने नीतीश ने राजनीतिक विचारधारा और सिद्धांतों की दुहाई देते हुए एनडीए का साथ छोड़ दिया। वहीं, 2015 में बिहार में विधानसभा चुनाव होना था। नीतीश कुमार ने कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल के साथ महागठबंधन के बैनर तले चुनाव लड़ने का फैसला किया। ये कहते हुए कि भारतीय जनता पार्टी को हराना वक्त की मांग है और महागठबंधन ही के जरिए ऐसा संभव है। इस चुनाव में महागठबंधन जीत गई।

नीतीश मुख्यमंत्री बने लेकिन डेढ़ साल के बाद वह सरकार गिर गई। लालू परिवार, खासकर तेजस्वी यादव का नाम मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में आने के बाद नीतीश ने इस्तीफा दे दिया। 24 घंटे के भीतर फिर वह भारतीय जनता पार्टी का समर्थन जुटाने में सफल रहे। इस तरह नीतीश 2017 में फिर एक बार मुख्यमंत्री बन गए। 2020 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर नीतीश ने चुनाव लड़ा। जीत भी गए लेकिन इस बार ये साथ 2 बरस तक भी नहीं चला। नीतीश कुमार ने अगस्त 2022 में भारतीय जनता पार्टी पर ये इल्जाम लगाते हुए कि वह उनकी पार्टी को तोड़ रही है, इस्तीफा दे दिया और फिर राजद, कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बना ली। वही आज महागठबंधन से अलग होने और बीजेपी से हाथ मिलाने का नीतीश ने फैसला लिया। अब बिहार में एनडीए की नई सरकार का गठन हो गया है। नीतीश कुमार ने बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। नीतीश कुमार 9वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बने हैं। बिहार में सियासी उलटफेर की अटकलें एक बार फिर सही साबित हुईं। नीतीश कुमार ने रविवार सुबह वही किया, जिसका पिछले दिनों से अंदाजा लगाया जा रहा था। रविवार सुबह उन्होंने राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर को इस्तीफा सौंप दिया। उन्होंने राज्यपाल को बताया कि वे महागठबंधन से अलग होने का फैसला कर चुके हैं। इसके बाद शाम होते-होते उन्होंने नौंवी बार भाजपा के समर्थन से सीएम पद की शपथ भी ले ली।

भाजपा ने उप मुख्यमंत्री बनाकर सम्राट की पगड़ी का बढ़ाया मान

पटना। वंशवाद और परिवारवाद से परे की राजनीति का दावा करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सम्राट चौधरी को पार्टी के साथ महज सात साल के छोटे सफर में ही बिहार का उप मुख्यमंत्री बनाकर उनकी पगड़ी का मान बढ़ा दिया है। भाजपा में वर्ष 2017 में शामिल हुए सम्राट चौधरी ने वर्ष 2022 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से नाता तोड़ राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नीत महागठबंधन में शामिल हो कर सरकार बनाने के बाद प्रण लिया था कि 'नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री की कुर्सी से उतारने के बाद ही वह अपनी पगड़ी खोलेंगे।' बिहार में सियासी हालात ऐसे बने कि श्री नीतीश कुमार को कुर्सी छोड़नी पड़ी और फिर एक नये समझौते के साथ उनकी (कुमार) अगुवाई में सरकार बनी तब भाजपा ने श्री सम्राट चौधरी की आन-बान को कम नहीं होने दिया और उन्हें उप मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाकर उनकी 'पगड़ी' का मान और बढ़ा दिया।

तेलंगाना के विकास में बिल्डरों की भूमिका महत्वपूर्ण : रवेंत रेड्डी

हैदराबाद, 28 जनवरी (एजेंसियां)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा है कि देश को विकास की ओर ले जाने में बिल्डरों की भूमिका महत्वपूर्ण है। रेड्डी यहां हाईटेक्स, माधापुर में आयोजित 31वें नेशनल बिल्डर्स एसोसिएशन कन्वेंशन को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बिल्डर्स को सरकार के अटूट समर्थन की पुष्टि करते हुए कहा कि हम यहां यह घोषणा करने के लिए हैं कि यह सरकार विकास के काम में आपके साथ खड़ी है। राज्य आपकी वित्तीय ताकत पर निर्भर है, और हम बिल्डरों के सामने आने वाली चुनौतियों का विश्वसनीय समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कभी श्रृंखलाबद्ध तालाबों से सजी प्रतिष्ठित मुसी नदी की ओर ध्यान आकर्षित किया और हैदराबाद के लिए एक प्रमुख पहचान के रूप में इसके महत्व पर जोर दिया और कहा कि सरकार मुसी रिवाफ्रंट के पूर्व गौरव को बहाल करने के उद्देश्य से परियोजनाओं के माध्यम से इसे पुनर्जीवित करने के लिए निर्णायक कदम उठा रही है। आगामी तेलंगाना मेगा मास्टर प्लान 2050 का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने बिल्डरों से सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह करते हुए कहा कि इस मास्टर प्लान की सफलता के लिए आपका सहयोग आवश्यक है। तेलंगाना के व्यापक विकास के लिए अपने अनुभव का उपयोग करें। उन्होंने संगठित प्रयासों का आह्वान किया करते हुए कहा कि आप सभी तबाह हुए तेलंगाना के पुनर्निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भाजपा-जदयू गठजोड़ चतुर व सिद्धांतहीन राजनीति : कांग्रेस

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में नीतीश कुमार ने एक बार फिर मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। नौवीं बार सीएम बनने पर नीतीश आलोचकों के निशाने पर आए गए हैं। जदयू नेता नीतीश पर राजनीतिक शुचिता और नैतिकता को ताक पर रखने का आरोप लग रहा है। उन्होंने महागठबंधन (राजद-कांग्रेस-जदयू समेत कुछ अन्य पार्टियां) की सरकार से इस्तीफा देने के बाद भाजपा का दामन थामा है। नीतीश के एक बार फिर मुख्यमंत्री बनने की खबरों के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने नीतीश और बिहार की सियासत पर कटाक्ष किया है।

- **नीतीश कुमार व बिहार की सियासत पर थरूर ने कसा तंज**

उन्होंने नीतीश को चतुर और सिद्धांतहीन राजनीति करने वाला नेता करार दिया। नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद थरूर ने रविवार को बिहार के पूरे सियासी घटनाक्रम पर तीखा हमला बोला। उन्होंने नीतीश को दंभी बताते हुए चतुर और सिद्धांतहीन राजनीतिज्ञ करार दिया। उन्होंने करीब सात साल पुराना सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर नीतीश पर हमला बोला। थरूर ने जुलाई, 2017 में एक ट्विटर (अब एक्स) पोस्ट में स्नोलीगोस्टर शब्द का इस्तेमाल कर नीतीश पर निशाना साधा था।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने रविवार को किए पोस्ट में नीतीश का नाम लिए बिना कहा, उन्हें इस बात का एहसास नहीं था कि ऐसा एक और दिन आएगा जब स्नोलीगोस्टर शब्द का इस्तेमाल कर इसे वर्ड ऑफ द डे कहा जा सकता है। करीब सात साल पुराने अपने पोस्ट को टैग कर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने रविवार से पहले भी स्नोलीगोस्टर का इस्तेमाल कई अवसरों पर किया है।

विश्वासघात का बना नया कीर्तिमान : अखिलेश

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एनडीए गठबंधन में फिर शामिल होने पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि आज विश्वासघात का नया कीर्तिमान बना है। जनता इसका करारा जवाब देगी। कोई आप पर विश्वास न करे, एक व्यक्ति के रूप में किसी की इससे बड़ी हार और कुछ नहीं हो सकती। सोशल मीडिया पर टिप्पणी करते हुए कहा कि भाजपा अपने जीवनकाल में इतनी कमजोर कभी नहीं थी, जितनी आज हो गई।

सार संक्षेप

मोहन यादव ने की अमित शाह से मुलाकात

भोपाल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से आज मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सौजन्य भेंट की। आधिकारिक सूत्रों ने यहां बताया कि डॉ. यादव ने दिल्ली यात्रा के दौरान शाह से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की। इस दौरान विकास संबंधी मुद्दों पर भी चर्चा हुयी।

ओडिशा में हाथी दांत के साथ तीन गिरफ्तार

भुवनेश्वर। ओडिशा में राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 8.986 किलोग्राम वजन के हाथी के दो दांत जब्त किए हैं। डीआरआई सूत्रों ने रविवार को बताया कि अधिकारियों ने 26 जनवरी को ओडिशा के देवगढ़ में एक घर पर छापा मारा और तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत प्रतिबंधित वस्तुओं को ले जाने के लिए एक वाहन को भी जब्त कर लिया। डीआरआई सूत्रों ने कहा कि हाथी दांत और ग्रसनी का अवैध व्यापार बुल एलीफेंट्स की कमी में योगदान देता है, क्योंकि विशाल दांतों के लिए अक्सर उनका शिकार किया जाता है।

तमिलनाडु में कार-लॉरी की टक्कर में छह की मौत

चेन्नई। तमिलनाडु के दक्षिणी तेनकासी जिले में कदयानल्लूर के पास सिंगिलिपट्टी गांव में रविवार सुबह एक कार और लॉरी की टक्कर में छह दोस्तों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। यहां पुलिस मुख्यालय से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार कार में सवार सभी छह युवक, तेनकासी के पास पुलियानकुडी गांव के मूल निवासी थे और छुट्टियों में घूमने और कोर्टालम झरने में स्नान के बाद अपने घर लौट रहे थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दुर्घटना तड़के करीब साढ़े चार बजे हुई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस और अग्निशमन सेवा विभाग के कर्मियों को शवों को निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। शवों को बाद में पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया।

मप्र व राजस्थान के बीच तीन नदियों के जल बंटवारे पर चर्चा

भोपाल। मध्यप्रदेश व राजस्थान के बीच पार्वती, कालीसिंध और चंबल नदियों के जल के बंटवारे को लेकर दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों डॉ मोहन यादव व भजनलाल शर्मा के बीच चर्चा हुई। यादव ने कहा है कि राजस्थान और मध्य प्रदेश के लोगों को पार्वती, कालीसिंध और चंबल नदियों के पानी का भरपूर लाभ मिलेगा। इन नदियों के जल के बंटवारे से दोनों राज्यों के लाखों किसानों का जीवन बदलेगा। विकास की नई संभावनाएं खुलेंगी। पर्यटन से लेकर औद्योगिक विस्तार मे तेजी आएगी।

मालवणी हिंसा मामले के सीसीटीवी फुटेज को संरक्षित रखे पुलिस : न्यायालय

मुंबई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने मुंबई पुलिस को रामनवमी उत्सव के दौरान 30 मार्च को मालवणी क्षेत्र में भड़की सांप्रदायिक हिंसा से संबंधित सीसीटीवी फुटेज को संरक्षित करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते-डेरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की खंडपीठ ने यह आदेश सामाजिक कार्यकर्ता मुहम्मद जमील मर्चेंट की ओर से दायर याचिका पर शनिवार को सुनवाई करते हुए दिया। जमील की ओर से न्यायालय में पेश होने वाले वकीलों में संजीव कदम और बी. वी. बुखारी शामिल थे। वहीं राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व विशेष लोक अभियोजक कौशिक म्हात्रे और सहायक लोक अभियोजक आर. एम. पेठे ने किया। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कहा कि विशेष लोक अभियोजक ने पुलिस उपायुक्त (डीसीपी -जोन ग्यारह) अजय कुमार बंसल की ओर से एक हलफनामा दायर किया है। उक्त हलफनामे से ऐसा प्रतीत होता है कि नौ अगस्त, 2023 के आदेश के अनुसार संबंधित सीसीटीवी फुटेज एकत्र कर लिया गया है। उक्त हलफनामे के जवाब में पंचनामा/धारा 65बी प्रमाणपत्र संलग्न है, जिससे पता चलता है कि कुछ सीसीटीवी फुटेज ठीक स्थिति में हैं और सही स्थिति में नहीं हैं।

प्रौद्योगिकी का मार्ग भविष्य का मार्ग : ओम बिरला

मुंबई, 28 जनवरी (देशबन्धु)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन (एआईपीओसी) के समापन अवसर पर बताया कि दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान पीठासीन अधिकारियों ने लोकतांत्रिक संस्थाओं को जनता से जोड़ने और उन्हें अधिक जवाबदेह और पारदर्शी बनाने की कार्य योजनाओं पर चर्चा की। अपने वीडियो संबोधन में विधानमंडलों को पेपरलेस बनाने के संबंध में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए बिरला ने जानकारी दी कि लोकसभा ने डिजिटल संसद के माध्यम से इस दिशा में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है।

ओम बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि प्रौद्योगिकी का मार्ग भविष्य का मार्ग है और हमें जल्द से जल्द प्रौद्योगिकी में दक्षता हासिल करनी चाहिए। प्रधानमंत्री का एक राष्ट्र, एक विधान मंच का सपना 2024 में साकार होगा। बिरला ने कहा कि लोकतंत्र जनता के विश्वास और भरोसे पर चलता है, इसलिए यह लोकतांत्रिक संस्थाओं की जिम्मेदारी है कि वे अपनी कार्यशैली में आवश्यक बदलाव लाएं और यदि आवश्यक हो तो नियमों में संशोधन भी करें ताकि इन संस्थाओं में जनता का विश्वास बढ़े। विधायी निकायों की सर्वोत्तम प्रथाओं का उल्लेख करते हुए बिरला ने केंद्र, राज्य और जमीनी स्तर की लोकतांत्रिक संस्थाओं के बीच संवाद स्थापित करने के सुझाव की सराहना की। इस संबंध में उन्होंने लोक सभा द्वारा आयोजित आउटरीच कार्यक्रम का उल्लेख किया और सुझाव दिया कि राज्य विधानमंडलों को भी इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए। विधानमंडलों को अधिक प्रभावी और कुशल बनाने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर जोर देते हुए बिरला ने कहा कि लोकसभा को एक मॉडल आईटी नीति बनाने और उन्हें राज्य विधायी निकायों के साथ साझा करने के लिए कुछ राज्य विधानमंडलों से सुझाव प्राप्त हुए हैं। उन्होंने आगे बताया कि इस सुझाव पर विस्तार से चर्चा की जाएगी और उचित कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि मुंबई में आयोजित अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन (एआईपीओसी) जिसका उद्घाटन 27 जनवरी 2024 को हुआ था, आज संपन्न हो गया। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने समापन भाषण दिया। महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस, लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश, महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर; और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने समापन सत्र की शोभा बढ़ाई और विशिष्टजनों को संबोधित किया।

- **लोकसभा ने डिजिटल संसद के माध्यम से उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है : ओम बिरला**

- **लोस अध्यक्ष ने जल्द से जल्द प्रौद्योगिकी में दक्षता हासिल करने पर दिया जोर**

विधायिका के अंदर व्यवधान नासूर है : जगदीप धनखड़

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को 84वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि विधायिका के अंदर व्यवधान नासूर है और इन व्यवधानों को रोकने के लिए हर संभव उपाय किया जाना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि व्यवधान न केवल विधायिका के लिए, बल्कि लोकतंत्र और समाज के लिए भी नासूर है। विधायिका की पवित्रता बचाने के लिए इस पर अंकुश लगाना वैकल्पिक नहीं, बल्कि परम आवश्यकता है। विधानमंडलों के अंदर बहसें झगड़े तक सीमित हो गई हैं। यह ट्रेंड बेहद परेशान करने वाला है, जिस पर देश के सभी राजनीतिक दलों को आत्मनिरीक्षण की जरूरत है।

शिवराज का लोकसभा में आना है पक्का : आठवले

भोपाल, 28 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास आठवले ने मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सियासी भविष्य को लेकर एक भविष्यवाणी की है। उन्होंने कहा है कि शिवराज का लोकसभा में आना पक्का है। मध्य प्रदेश के प्रवास पर आए केंद्रीय राज्यमंत्री आठवले ने संवाददाताओं से पार्टी कार्यालय में चर्चा करते हुए अपने ही अंदाज में कहा कि शिवराज सिंह चौहान का लोकसभा में आना है पक्का और उनके दुश्मनों को लगेगा धक्का। पूर्व मुख्यमंत्री चौहान कह चुके है कि वे दिल्ली नहीं जाएंगे, उनकी भूमिका पार्टी तय करेगी। इसी बीच आठवले राज्य के प्रवास पर आए और कहा कि चौहान हमारे साथ आएंगे, दिल्ली में आएंगे और मंत्रिमंडल में आएंगे। उनका आदर तो प्रधानमंत्री मोदी करेंगे। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को लेकर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा व एनडीए के सकारात्मक सोच की वजह से आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर की परिकल्पना साकार हुई है और रामलला भव्य राम मंदिर में विराजमान हुए हैं।

- **अगर लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे तो केबिनेट मंत्री बनेंगे : रामदास आठवल**

- **शिवराज के सियासी भविष्य को लेकर की भविष्यवाणी**

इंडी गठबंधन को लगा बहुत बड़ा झटका

केंद्रीय मंत्री आठवले ने कहा कि बिहार में इंडी गठबंधन को बहुत बड़ा झटका लगा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस्तीफा दे दिया है और एनडीए गठबंधन में शामिल हो गए हैं। 2024 में भी नरेन्द्र मोदी पुन: प्रधानमंत्री बनने वाले हैं। आज पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ है, मैं कांग्रेस को बताना चाहता हूं, संविधान बदलना बहुत मुश्किल है, प्रधानमंत्री ने नए संसद भवन को संविधान सदन नाम दिया है।

सांसदों ने लाला लाजपत राय को पुष्पांजलि अर्पित की

नई दिल्ली, 28 जनवरी (देशबन्धु)। संसद सदस्यों और पूर्व सांसदों ने रविवार को संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में लाला लाजपत राय की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर लोक सभा और राज्य सभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी लाला लाजपत राय को श्रद्धांजलि अर्पित की। लोक सभा सचिवालय द्वारा हिंदी और अंग्रेजी में प्रकाशित लाला लाजपत राय की जीवनवृत्त वाली पुस्तिका गणमान्य व्यक्तियों को प्रस्तुत की गई। 17 नवंबर, 1956 को संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में लाला लाजपत राय के चित्र का अनावरण तत्कालीन प्रधान मंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने किया था।

नौकरी करने वाले नहीं, देने वाले बनें युवा : धर्मेन्द्र प्रधान

मुंबई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि साल 2047 तक विकसित भारत बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना पूरा करने में शिक्षा और तकनीक का योगदान अहम होगा। आईआईएम मुंबई के प्रथम दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि प्रधान ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे विकसित इकोनॉमी बन सकती है और विकसित भारत में हम दुनिया को साथ लेकर चलेंगे। उन्होंने नए स्नातकों का आह्वान किया कि नौकरी करने वाले नही नौकरी देने वाले बनें। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की उपस्थिति में संस्थान के 1013 छात्रों को स्नातकोत्तर डिग्री प्रदान की गई।

साल 1963 में स्थापित, भारतीय प्रबंधन संस्थान मुंबई (आईआईएम मुंबई) शैक्षिक उत्कृष्टता के केंद्र का गढ़ है, जिसने देश के शैक्षिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के साथ सरेखित करने की प्रतिबद्धता के साथ, आईआईएम मुंबई को रसद और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में क्षमता निर्माण के लिए नोडल केंद्र के रूप में नामित किया गया है, जो शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के कार्यान्वयन में सक्रिय रूप से योगदान देता है।

आईआईएम मुंबई तीन एमबीए कार्यक्रम, उद्योग की जरूरतों को पूरा करने वाले कार्यपालक कार्यक्रम, वैश्विक और राष्ट्रीय प्रमाणन कार्यक्रमों की पेशकश करता है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और अतिथि के रूप में प्रबंध निदेशक और सीईओ, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) आशीष कुमार चौहान और आईआईएम मुंबई शासी मंडल के अध्यक्ष शशि किरण शेट्टी और अन्य सदस्य शामिल थे।

- **आईआईएम मुंबई के दीक्षांत समारोह में नए स्नातकों का किया आह्वान**

बदलाव *जम्मू कश्मीर में चुनाव से पहले पुलिस प्रशासन में बड़ा फेरबदल*

डीआईजी के साथ ही 11 जिलों के पुलिस प्रमुख बदल गए

जम्मू, 28 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पुलिस प्रशासन में व्यापक फेरबदल किया गया है। कई डीआईजी के साथ ही 11 जिलों के पुलिस प्रमुख बदल गए हैं। गृह विभाग की ओर से देर रात इस आशय का आदेश जारी किया गया। लोकसभा चुनाव से पहले दो अलग-अलग आदेश जारी कर 72 पुलिस अधिकारियों का तबादला किया गया है।

आईपीएस दीपक कुमार को डीजीपी जेल, एसजेएम जिलानी को एडीजीपी रेलवे, सुनील कुमार को निदेशक अभियोजन, विजय कुमार को कमांडेंट जनरल एसडीआरएफ का अतिरिक्त कार्यभार, सुनील गुप्ता को डीआईजी जम्मू-सांबा-कठुआ, सुजीत कुमार को डीआईजी सीआईडी कश्मीर, एम सुलेमान चौधरी को डीआईजी मानव संसाधन, शक्ति कुमार पाठक को सहायक निदेशक एसीबी, डॉ. मोहम्मद हसीब मुगल को डीआईजी ट्रैफिक, रईस मोहम्मद भट को डीआईजी उधमपुर-रियासी, श्रीधर पाटिल को डीआईजी डोडा-किश्तवाड़-रामबन, अल्ताफ अहमद खान को डीआईजी दक्षिण कश्मीर और निशा नथ्याल को डीआईजी मुख्यालय बनाया गया है। आईपीएस को कमांडेंट आईआर 15वीं बटालियन, संदीप गुप्ता को एसएसपी गांदरबल, पीडी नित्या-एसएसपी डोडा, अनुज कुमार-एसएसपी रामबन, निखिल बोरकर-एसएसपी सीआईडी मुख्यालय, मोहिता शर्मा-एसएसपी रियासी, दिव्या डी-एसपी सोपोर, दीपिका-एसपी एसआईए, मुबासिर लतीफी-कमांडेंट आईआर 10वीं बटालियन, रशमी वजीर-कमांडेंट आईआर 12वीं बटालियन, अनिता शर्मा-कमांडेंट आईआर पहली बटालियन बनाया गया है।

इसके साथ ही डॉ. कौशल कुमार शर्मा को एसएसपी पीसीआर जम्मू, शौकत अहमद डार-एसपी पीटीडब्ल्यूएस श्रीनगर का अतिरिक्त कार्यभार, एजाज अहमद भट-कमांडेंट आईआर छठीं बटालियन, रंजीत सिंह सम्याल-एसएसपी सुरक्षा जम्मू, मोहम्मद यासीन किचलू-एसएसपी सीआईसीई, संजीव कुमार खजूरिया-कमांडेंट जेकेएपी चौथी बटालियन, रमेश कुमार अंगराल-कमांडेंट आईआर 18वीं बटालियन, ताहिर सज्जाद भट-कमांडेंट जेकेएपी छठीं बटालियन के पद पर भेजा गया है। कुलबीर सिंह को कमांडेंट आईआर 11वीं बटालियन, शैलेंद्र सिंह-एसएसपी रेलवे, दलीप कुमार-स्टाफ आफिसर एडीजीपी आर्म्ड, बेनाम तोश-एसएसपी अपराध जम्मू, जावेद हसन भट-कमांडेंट बार्डर बटालियन श्रीनगर, महमूद अहमद-कमांडेंट आईआर 21वीं बटालियन, शमशेर हुसैन-कमांडेंट आईआर 20वीं बटालियन, अशोक कुमार शर्मा-कमांडेंट आईआर 24वीं बटालियन, पवन कुमार परिहार-कमांडेंट आईआर सातवीं बटालियन, युगल कुमार-एसएसपी पुंछ, शब्बीर नवाब-कमांडेंट जेकेएपी पांचवीं बटालियन हैं।

- **वीमेन बटालियन के कमांडेंट बदले**

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

मरीज : डॉक्टर साहब ऑपरेशन पूरी सावधानी से करिएगा ?
डाक्टर : ऐसा क्यूं कहा ?
मरीज : क्यूकि सर्जन और विसर्जन में बस जरा सा ही अंतर है ?
ऑपरेशन सही हुआ तो आप सर्जन और अगर हाथ हिल गया तो मेरा विसर्जन...

स्थायी समिति के गठन के अभाव में नगर निगम का काम पड़ा ठप : शैली

नई दिल्ली, 28 जनवरी (देशबन्धु)। दिल्ली नगर निगम में स्थायी समिति के कार्यों को निगम द्वारा संचालित किए जाने की मांग को लेकर दिल्ली की मेयर डॉ. शैली ओबेरॉय ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने मांग की है कि जब तक स्थायी समिति का गठन ठीक से और कानूनी रूप से नहीं हो जाता, तब

- **स्थायी समिति के गठन तक उसके अधिकार एमसीडी को देने की मेयर ने सुप्रीम कोर्ट से लगाई गुहार**
- **मेयर ने अपनी याचिका में उपराज्यपाल को एक पक्ष के रूप में शामिल करते हुए दी दलील**

तक एमसीडी की बैठकों में स्थायी समिति के कार्यों को निगम द्वारा ही संचालित किया जाए। मेयर ने अपनी याचिका में उपराज्यपाल को एक पक्ष के रूप में शामिल करते हुए दलील दी है कि स्थायी समिति के गठन के अभाव में नगर निगम का काम ठप हो गया है। एमसीडी की स्थायी समिति, जो कि प्राथमिक कार्यकारी निकाय है, उसका गठन सुप्रीम कोर्ट के समक्ष नामांकित व्यक्तियों की नियुक्तियों की वैधता पर निर्णय लंबित होने के कारण रुका हुआ है। मेयर ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि जब तक स्थायी समिति का गठन कानूनी रूप से नहीं हो जाता, तब तक निगम के माध्यम से एमसीडी के कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए

हस्तक्षेप करें। एमसीडी मेयर ने शीर्ष अदालत से यह अनुरोध किया है कि जनहित में कोई अन्य आदेश या निर्देश पारित किया जाए, जो कोर्ट उचित और उपयुक्त समझे। एमसीडी मेयर ने याचिका में तर्क दिया है कि कानून का उल्लंघन करते हुए एलजी ने दिल्ली सरकार की सहायता और सलाह के बिना दिनांक 3 और 4 जनवरी 2023 के आदेशों के माध्यम से वर्तमान में नामांकित व्यक्तियों को नियुक्त किया। इन नियुक्तियों की वैधता पर दिल्ली सरकार बनाम उपराज्यपाल कार्यालय के फैसले का इंतजार है, जहां 17 मई 2023 को फैसला सुरक्षित रखा गया था। इन नियुक्तियों की वैधता का निर्धारण सीधे और महत्वपूर्ण रूप से स्थायी समिति के 18 सदस्यों में से 12 के चुनाव को प्रभावित करता है, जिससे बहुमत की प्राप्ति पर सीधा प्रभाव पड़ता है, जिसके कारण स्थायी समिति असंरचित बनी हुई है। एमसीडी मेयर ने इस बात की पुष्टि की है कि मौजूदा स्थिति ने एमसीडी के शासन कार्यों की एक श्रृंखला को प्रभावित किया है, जिसमें एमसीडी के

निगम एमसीडी के भीतर सर्वोच्च प्राधिकरण के रूप में है

मेयर ने याचिका में आगे कहा है कि इन प्रावधान के अनुसार, निगम एमसीडी के भीतर सर्वोच्च प्राधिकरण के रूप में है, जो इसके कार्यों की देखरेख के लिए जिम्मेदार है। इसके अलावा डीएमसी अधिनियम की धारा 44 निर्दिष्ट करती है कि सभी नगरपालिका प्राधिकरण निगम के तहत गठित हैं। ऐसे में सत्ता और जवाबदेही दोनों में स्थायी समिति से ऊपरी निकाय होने के नाते समिति के कार्यों को उसकी बैठकों में निगम द्वारा तब तक संचालित करना उचित होगा, जब तक कि समिति का गठन ठीक से और कानूनी रूप से नहीं किया जा सकता है। इससे पहले 15 जनवरी 2024 को एमसीडी ने सदन की बैठक बुलाकर चर्चा की थी कि स्थायी समिति के गठन तक स्थायी समिति की शक्ति सदन को हस्तांतरित की जाए या नहीं और स्थानीय शॉपिंग सेंटरों पर सील हटाने से संबंधित मुद्दों पर चर्चा और निर्णय लिया जाए।

स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों के लिए पाठ्य पुस्तकों और चिकित्सा आपूर्ति की खरीद से लेकर सार्वजनिक पार्कों, सार्वजनिक शौचालयों और अन्य सुविधाओं के रखरखाव तक शामिल है।

सीआईएसएफ जवान ने फ्रांसीसी यात्री की जान बचाई

नई दिल्ली, 28 जनवरी (देशबन्धु)। दिल्ली के हवाई अड्डे पर सीआईएसएफ के जवान ने सीपीआर विधि से फ्रांसीसी यात्री की जान बचाई। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि सीआईएसएफ कर्मी ने 63 वर्षीय एक फ्रांसीसी नागरिक को सीपीआर ट्रीटमेंट दिया, जिससे उसकी जान बच गई। यात्री हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान बेहोश होकर गिर गया था। सीआईएसएफ के अनुसार आईजीआई हवाई अड्डे के सिक्योरिटी होल्ड एरिया में एक्स-बीआईएस मशीन पर स्क्रीनिंग ड्यूटी कर रहे सब-इंस्पेक्टर पुनीत कुमार तिवारी ने देखा कि सुरक्षा जांच के लिए कतार में खड़ा एक बुजुर्ग यात्री बेहोश होकर गिर गया है। सीआईएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यात्री अचानक बेहोश हो गया और फर्श पर गिर गया। पुनीत कुमार तिवारी ने तुरंत कार्रवाई की और यात्री को सीपीआर ट्रीटमेंट दिया। सूचना मिलने पर मेदांता चिकित्सा कक्ष से एक डॉक्टर भी वहां पहुंचे और यात्री को शुरुआती उपचार दिया। बाद में, यात्री को होश आ गया। अधिकारी ने कहा कि इसके बाद डॉक्टर ने उसे अपनी यात्रा जारी रखने के लिए फिट घोषित कर दिया। यात्री की पहचान बर्ट्रेंड पैट्रिक के रूप में हुई, जो विस्तारा की फ्लाइट से पेरिस जा रहा था।

नाकामियां के डर से सरकार अपना रही गैर कानूनी हथकंडे : इकबाल सिंह

नई दिल्ली, 28 जनवरी (देशबन्धु)। दिल्ली नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व महापौर राजा इकबाल सिंह ने निगम की आप सरकार पर बड़ा हमला बोला। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि स्थायी समिति के चुनाव से बचने के लिए आप सरकार एवं दिल्ली

- **निगम की आप सरकार पर बोला बड़ा हमला**
- **निगम की आप सरकार ने अपने एक साल से ऊपर के कार्यकाल में कोई भी जनहितैषी कार्य नहीं किया है : सिंह**

की मेयर साहिबा माननीय सुप्रीम कोर्ट गई हैं। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि दिल्ली की मेयर शायद इस बात से अनभिज्ञ हैं कि निगम की शक्तियों को बांटने का अधिकार देश की संसद के पास है एवं स्थायी समिति के चुनाव पर सुप्रीम कोर्ट ने भी कोई रोक नहीं लगाई है बस आप सरकार सारे मामले को लटकाने के लिए सुप्रीम कोर्ट गई है। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि निगम की आप सरकार को इस बात का डर है कि उनके पार्षद आप पार्टी के तानाशाही

सकते हैं। बस इसी डर के चलते आप सरकार स्थायी समिति के चुनाव से बचती घूम रही है एवं इसे टालने के लिए माननीय सर्वोच्च न्यायालय गई है।

राजा इकबाल सिंह ने कहा कि निगम की आप सरकार ने अपने एक साल से ऊपर के कार्यकाल में कोई भी जनहितैषी कार्य नहीं किया है। स्थायी समिति न होने के कारण दिल्ली की जनता की भलाई के कार्य ठप्प पड़े हैं। आप सरकार को जरा-सी भी जनता की फिक्र नहीं है इसीलिए वो किसी न किसी बहाने से स्थायी समिति चुनाव से बचती घूम रही है।

सार संक्षेप

पैम्पर्स इंडिया ने नए पैम्पर्स प्रीमियम केयर लॉन्च किया

नई दिल्ली। भारत का सबसे ज्यादा बिकने वाला डायपर ब्रांड पीएंडजी का पैम्पर्स, जो रोज़ाना लाखों शिशुओं द्वारा पहने जाते हैं, भारत भर में हैप्पी बॉटम्स, खुश शिशुओं, और खुश माता-पिता सुनिश्चित करते हैं। आज, उन्होंने नए और बेहतर प्रीमियम केयर रेंज के डायपर पेंट्स का शुभारंभ किया। लॉन्च इवेंट जिसका शीर्षक था भारत का सबसे नरम अनुभव, माता-पिता और शिशुओं के लिए में सेलिब्रिटी जोड़े और नए माता-पिता दिशा परमार और राहुल वैद्य, साथ ही अन्य प्रभावशाली, मम्मी समुदाय और पैम्पर्स इस्तेमाल करने वाली माताएं भी शामिल थीं। उपस्थित लोगों ने पहली बार के इस प्रकार के बहु-संवेदी अनुभव का आनंद लिया, जिसमें डायपर वॉक शामिल था, जिसमें माता-पिता को हर विशेषता और प्रौद्योगिकी नवाचार को विस्तार से समझाया गया था, ताकि उन्हें पैम्पर्स की उत्कृष्टता और नवाचार के बारे में आश्वस्त किया जा सके। पैम्पर्स द्वारा संचालित इस स्पर्श-और-महसूस अनुभव ने माता-पिता को नए डायपर की कोमलता को हाथों से महसूस करने और विभिन्न लाभों का अनुभव करने की अनुमति दी। ब्रांड की कहानी साझा करने के लिए 360 डिग्री के इमर्सिव ऑडियो-विजुअल अनुभव का भी प्रबंध था और स्किलमैटिक्स, भारत की प्रमुख नवाचारात्मक खिलोने और गेम कंपनी के साथ साझेदारी में बच्चों और शिशुओं के लिए एक खेल क्षेत्र बनाया गया था, जो विभिन्न आयुवर्ग के बच्चों के लिए सीखने और खेलने के अनुभव विकसित करने के लिए समर्पित है।

भगवान महावीर का निर्वाण महोत्सव 12 फरवरी को

नई दिल्ली। सम्पूर्ण जैन समाज के लिए बहुत ही हर्ष का विषय है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा अपने अधिवेशन के दौरान जो घोषणा की गई थी उसके अनुरूप भगवान महावीर 2550वां निर्वाण महोत्सव 12 फरवरी को विज्ञान भवन, दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ संचालक डॉ. श्रीमोहनराव भागवत के मुख्य आतिथ्य में मनाने का निश्चय किया गया है। इस हेतु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के डॉ. अनिल कुमार अग्रवाल (संघ संचालक ,दिल्ली प्रदेश), जतिन (संघ प्रचारक, दिल्ली प्रदेश), मुन्ना लाल (संघ महामंत्री, दिल्ली प्रदेश) , भगवान महावीर 2550वां निर्वाण महोत्सव के प्रेरणास्रोत पूज्य गुरुदेव राष्ट्रसंत परम्पराचार्य श्री 108 प्रज्ञसागर जी मुनिराज के दर्शनार्थ पधारे एवं उनसे कार्यक्रम में पधारने एवं सानिध्य, मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु विनम्र आमंत्रण पत्र भेंट कर निवेदन किया। आचार्य प्रज्ञसागर ने निवेदन स्वीकार करते हुए कहा कि भगवान महावीर के अहिंसा संयम चेतन और अपरिग्रह के संदेश आज के युग में अत्यंत प्रासंगिक है, भगवान महावीर 2550 वां निर्वाण महोत्सव के अध्यक्ष गजराज जैन गंगवाल ने बताया कि 2550वां निर्वाण महोत्सव पूरे विश्व में आचार्य श्री प्रज्ञसागर मुनिराज की मंगल प्रेरणा से मनाया जा रहा है , इस अवसर पर भगवान महावीर 2550वां निर्वाण महोत्सव के राष्ट्रीय अध्यक्ष गजराज गंगवाल, कार्याध्यक्ष-प्रमोद जैन वर्धमान, उपाध्यक्ष-पवन गोधा, महामंत्री-शरदराज कासलीवाल कोषाध्यक्ष-जिनेन्द्र नरपत्या, धीरज कासलीवाल सुखराज सेठिया भी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय मुख्य संयोजक सत्यभूषण जैन ने यह जानकारी दी कि यह भगवान महावीर 2550वां निर्वाण महोत्सव आचार्य प्रज्ञसागर के मार्गदर्शन में विज्ञान भवन में राष्ट्रीय स्तर पर तीसरी बार मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में प्रवेश केवल पास द्वारा ही होगा, प्रवेश समय प्रातः 9:00 बजे से होगा

विश्वकर्मा समुदाय के विकास व सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय विश्वकर्मा सम्मेलन आयोजित

नई दिल्ली, 28 जनवरी (देशबन्धु)। विश्वकर्मा समुदाय के विकास और सशक्तिकरण के लिए श्री रघु आचार्य के नेतृत्व में इंडियन विश्वकर्मा ग्रुप ऑफ ऑफिसर्स एंड बिजनेसमैन द्वारा दिल्ली में राष्ट्रीय विश्वकर्मा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में प्रख्यात व्यक्तियों और नेताओं की एक बड़ी संख्या ने भाग लिया। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन को रघु आचार, पूर्व एमएलसी, एक प्रसिद्ध समाजसेवी, राज बब्बर पूर्व सांसद,

- **सम्मेलन में प्रख्यात व्यक्तियों व नेताओं ने भाग लिया**

राम चंद्र जंगड़ा , अजय तामता, पूर्व मंत्री, भारत सरकार, चैनी आईएएस, जोगराम जंगीद आईएएस, एन राजसेखर आईपीएस, महेंद्र शर्मा आईआरएस, और अन्य श्रेष्ठ व्यक्तियों के उदार समर्थन और समर्पित समन्वय प्रयासों के माध्यम से संभव बनाया गया। रघु आचार, पूर्व एमएलसी कर्नाटक,-ने कहा कि यह सम्मेलन विश्वकर्मा समुदाय के विकास और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम उत्साही युवा के लिए आवश्यक साधन प्रदान करने का प्रतिबद्ध हैं, जिससे वह सिविल सेवा परीक्षाओं और अन्य प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि सम्मेलन का प्रमुख और तत्काल उद्देश्य है दिल्ली और नोएडा में एक विश्वकर्मा भवन की नींव रखना, जो समुदाय की सिविल सेवा परीक्षाओं और अन्य प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए आदर्श केंद्र होगा। विश्वकर्मा समुदाय के उत्थान के लिए काम करने वाले प्रमुख व्यक्तियों में से एक कि श्री राज बब्बर ने इस अवसर पर कहा कि पुनर्निर्माण और एक बेहतर भविष्य के लिए, पूरे विश्वकर्मा समुदाय को मिलकर काम करना चाहिए, इस समझ के साथ कि भविष्य में हर क्षेत्र में व्यक्तियों के लिए अवसर प्रदान किया जा सके।

- **नई दिल्ली स्थित कर्तव्य पथ पर गर्म कपड़े पहने ठंड के बीच सड़क पर दौड़ता बच्चा।**

फोटो इम्तियाज खान

आरोपी ने नाबालिग पर फेंका तेजाब, गिरफ्तार

नई दिल्ली, 28 जनवरी (देशबन्धु)। दिलली में एक 16 वर्षीय लड़के ने एक नाबालिग लड़की पर तेजाब से हमला किया। जांच में पता चला कि वह महिलाओं से सख्त नफरत करता था। उसकी नफरत इस कदर थी कि उसने बिना सोचे-समझे नाबालिग पर एसिड से हमला कर दिया। बुराड़ी इलाके में हुई घटना पर अधिकारी ने कहा कि उन्होंने आरोपी को पकड़ लिया है। पुलिस के मुताबिक, बुराड़ी पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 326 (बी) और 341 के तहत एफआईआर दर्ज की गई। नाबालिग लड़की ने बताया कि वह बुधवार को दोपहर करीब 1 बजे अपने 10 वर्षीय चचेरे भाई को स्कूल से लेने गई थी। शास्त्री पार्क एक्सटेंशन पर एक युवक पीड़िता के पास आया और उसने उस पर केमिकल फेंक दिया, जिससे उसकी आंखों, गर्दन और नाक पर खुजली और जलन होने लगी। पीड़िता को बुराड़ी के सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

कालकाजी मंदिर में जागरण मंच गिरने से महिला की मौत, कई घायल

नई दिल्ली, 28 जनवरी (देशबन्धु)। दक्षिणी दिल्ली स्थित कालकाजी मंदिर में जागरण के लिए बनाए गए मंच के ढह जाने से 45 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई और 17 लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह

- **मंदिर के महंत परिसर में किया गया था जागरण का आयोजन**

जानकारी देते हुए बताया कि यह दुखद घटना देर रात करीब 12.30 बजे हुई। मृतका की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस के अनुसार शनिवार को कालकाजी मंदिर के महंत परिसर में जागरण का आयोजन किया गया था और इसमें लगभग 1600 लोग शामिल हुए थे। उधर, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने महिला की मौत पर शोक व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री केजरीवाल ने लिखा कि कालकाजी मंदिर के जागरण में

कल रात हुआ हादसा बेहद दुखद है, हादसे में एक महिला की मौत हुई है, ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। घायल हुए 17 लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

उन्होंने लिखा कि मेरी सभी दिल्लीवासियों से अपील है कि किसी भी तरह के बड़े आयोजन में सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखें, व्यवस्था इस प्रकार करें कि कोई भी अप्रिय घटना ना घटे। वहीं, दक्षिणी पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त राजेश देव ने बताया कि कार्यक्रम के लिए कोई पूर्व अनुमति नहीं दी गई थी। हालांकि, कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए

आयोजकों के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी

एक प्रत्यक्षदर्शी वरुण ने बताया कि मंदिर में बड़ी भीड़ थी क्योंकि गायक बी प्राक वहां मौजूद थे। उन्होंने बताया कि अचानक मंच ढह गया और मंच के पास बैठे लोगों को चोटें आईं। गायक बी प्राक तब तक वहां से जा चुके थे। मंदिर में मौजूद एक अन्य व्यक्ति ने बताया कि उसने बहुत तेज आवाज सुनी और लोगों को बाहर भागते हुए देखा। पुलिस उपायुक्त ने कहा कि आयोजकों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 337, 334ए और 188 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है और मामले की जांच शुरू की गई है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि उनके विभाग को घटना के बारे में रात 12.45 बजे सूचना मिली। तीन दमकल गाड़ियों के साथ कई टीम घटनास्थल भेजी गईं।

पर्याप्त कर्मी तैनात किए गए थे। शनिवार रात लगभग 12.30 बजे 1,500-1,600 लोग एकत्र हुए थे। पुलिस के अनुसार आयोजकों और अति विशिष्ट लोगों के परिवारों के लिए मुख्य मंच के पास लोहे के फ्रेम के सहारे लकड़ी का ऊंचा मंच बनाया गया था। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि लगभग 12.30 बजे वजन अधिक होने के कारण यह मंच बीच में से ढह गया। इसके चलते मंच पर बैठे और जमीन पर उसके आसपास बैठे लोग घायल हो गए। मशहूर गायक बी प्राक ने कहा कि दिल्ली में कालकाजी मंदिर में जागरण के लिए बनाए गए मंच के ढह जाने से वह निराश हैं।

उन्होंने कहा मैं बहुत दुखी और निराश हूं। ऐसा पहली बार है कि जहां मैं प्रस्तुति दे रहा था वहां ऐसा हुआ। मां कालकाजी मंदिर में। मैं उम्मीद करता हूं कि घायल जल्द ही ठीक हो जाएंगे। गायक ने कहा कि जीवन से अधिक मूल्यवान कुछ भी नहीं है।

आयोजन *ट्रिनिटी द्वारका का दसवां दीक्षांत समारोह आयोजित*

218 छात्र-छात्राओं को प्रदान की स्नातक की डिग्री

नई दिल्ली, 28 जनवरी (देशबन्धु)। ट्रिनिटी इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज टिप्स द्वारका का दसवां वार्षिक दीक्षांत समारोह दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज दिल्ली यूनिवर्सिटी के एम्फीथिएटर में आयोजित किया गया। संस्थान के अध्यक्ष डॉ.आर.के. टंडन ने मुख्य अतिथि लोकसभा सांसद प्रवेश साहिब सिंह वर्मा, इंजीनियर इंडिया लिमिटेड के डॉयरेक्टर जय प्रकाश तोमर, और गुरु गोविन्द सिंह यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो.डॉ. महेश वर्मा का फूलों का गुलदस्ता और मोमेंटो देकर स्वागत किया और कार्यक्रम में आने के लिए आभार भी व्यक्त किया। समारोह की शुरूआत विशिष्ट अतिथियों द्वारा विद्या की देवी मां सरस्वती के दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर छात्रों के द्वारा सरस्वती वंदना भी हुई। इस दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथियों के द्वाराडिग्री वितरण समारोह की शुरुआत की गई जिसमें सबसे पहले टॉपर्स को गोल्ड मेडल दिए गए और फिर कुल 218 छात्र-छात्राओं को स्नातक की डिग्री प्रदान की गई। डिग्री प्राप्त किए छात्र जनर्लिज्म, कंप्यूटर सीएसआईटी और मैनेजमेंट डिपार्टमेंट के थे।

- **वीसी डॉ.महेश वर्मा ने दिए खास टिप्स**
- **छात्रों को राम के जीवन से मिली शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारने का दिया संदेश दिया**

मुख्य अतिथि लोकसभा के सांसद परवेश वर्मा ने छात्रों को मर्यादा पुरुषोत्तम राम के जीवन से मिली शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारने का संदेश दिया। उन्होंने डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि वे अपनी शिक्षा को समाज और देश की भलाई में लगाएं वहीं इंजीनियर इंडिया लिमिटेड के निदेशक और सम्मानित अतिथि जय प्रकाश तोमर ने छात्रों से कहा हर किसी छात्र को ट्रिनिटी जैसे संस्थान में पढ़कर आईपी यूनीवर्सिटी से डिग्री मिलने का सौभाग्य नहीं मिलता, आपको मिली इस डिग्री से आपके करियर और जीवन में नया सवेरा आएगा। इस अवसर परट्रिनिटी के चैयरमैन डॉ. आर.के. टंडन नेबेस्ट टीचर अवार्ड की घोषणा भी की ये अवार्ड सी.एस.आईटी विभाग की डॉ.अपर्णा चतुर्वेदी को मिला।

उन्होंने चेयरमैन को धन्यवाद देते हुए ये अवार्ड अपने साथी शिक्षकों को समर्पित किया। अंत में, समारोह का समापन और वोट ऑफ थैंक्स संस्थान के डॉयरेक्टर प्रोफेसर डॉ.आशुतोष अग्रवाल ने दिया।

विश्व सतत विकास शिखर सम्मेलन सात फरवरी से

नई दिल्ली, 28 जनवरी (देशबन्धु) । एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टीईआरआई) यहां इंडिया हैबिटेट सेंटर में 7-9 फरवरी तक विश्व सतत विकास शिखर सम्मेलन (डब्ल्यूएसडीएस) के 23वें संस्करण का आयोजन करेगा, इसमें नेता, नीति निर्माता और विशेषज्ञ शामिल होंगे। सम्मेलन में नवीन समाधान साझा करने और ऐसी रणनीतियां तैयार करने, जो न केवल पर्यावरणीय स्थिरता बल्कि सामाजिक समानता को भी प्राथमिकता दें, पर चर्चा की जाएगी।

लगातार बढ़ती संघर्ष की स्थिति, ग्रहीय संकट और प्रमुख सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के पीछे खिसकने की पृष्ठभूमि में, शिखर सम्मेलन सतत विकास और जलवायु न्याय के लिए नेतृत्व के छत्र विषय के तहत आयोजित किया जाएगा और इसका उद्देश्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डालना है। उद्घाटन और समापन समारोह के अलावा, शिखर सम्मेलन में 11 पूर्ण सत्र होंगे। इसमें महिला नेतृत्व, व्यवसाय और युवाओं पर उच्च स्तरीय सत्र भी शामिल होंगे। शिखर सम्मेलन का उद्घाटन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, गुयाना के प्रधानमंत्री ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) मार्क फिलिप्स और पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव द्वारा किए जाने की उम्मीद है। शिखर सम्मेलन में वक्ताओं में फिजी के कृषि और जलमार्ग मंत्रालय के मंत्री वतिमी रायलु, किरिबाती बुनियादी ढांचा और सतत ऊर्जा मंत्रालय के मंत्री विली टोकाटाके, भारत सरकार के जी20 शेरपा अमिताभ कांत; स्पेन के पारिस्थितिक संक्रमण और जनसांख्यिकी चुनौती मंत्री टेरेसा रिबेरा रोड्रिग्ज, विश्व बैंक के दक्षिण एशिया क्षेत्र के उपाध्यक्ष के मार्टिन रायसर, श्रीलंका के पर्यावरण मंत्री हेलिया रामबुकवेला, और जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल (आईपीसीसी) के पूर्व अध्यक्ष होसुंग ली शामिल होंगे।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

उनकी बेटी की शिक्षा की आधारशिला भी इसी स्कूल में रखी गई थी, लिहाजा एक मां को तौर पर भी इस बात को बेहतर तरीके से जानती हैं कि शिक्षा के क्षेत्र में सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल की क्या महत्ता है।

सुनीता दयाल, महापौर

सचिव ने फहराया जीडीए में तिरंगा

■ करोड़ों लोगों के बलिदान के कारण ही हम आजादी की खुली हवा में ले रहे हैं सांस : राजेश कुमार सिंह

गाजियाबाद, 28 जनवरी (देशबन्धु)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) प्रांगण में से सचिव राजेश कुमार सिंह ने तिरंगा फहराया।

इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि देश गणतंत्र होने के बाद लगातार विकास के राह पर चल रहा है। आज पूरी दुनिया में भारत की ओर देख रही है। उन्होंने कहा कि हम सबको देश के लिए प्राण देने वाले शहीदों से प्रेरणा लेकर देश के लिए हर बलिदान के लिए तैयार रहना चाहिए और अपने कर्तव्यों का पाल ईमानदारी के साथ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज हम आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे है। इसके लिए करोड़ो देशभक्तों ने अपने प्राण न्योच्छावर किये हैं। शहीदों के बलिदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता।

इस मौके पर जीडीए के विशेष अधिकारी सुशील चौबे, गुंजा सिंह, मुख्य अभियंता मानवेन्द्र सिंह, सहायक अभियन्ता रुद्रेश शुक्ला, कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्रीचंद सारस्वत, प्रभात चौधरी समेत अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

'क्लाइडोस्कोप' में सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल के बच्चों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

गाजियाबाद, 28 जनवरी (देशबन्धु)। सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल के वार्षिक समारोह 'क्लाइडोस्कोप' की मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलीट सुवर्णा राज ने रविवार को कहा कि बच्चों से कहा कि ज़िंदगी हर दिन एक नई चुनौती का नाम है। इस चुनौती को स्वीकार करने वाले ही अपनी मंजिल खुद तय करते हैं। जब तक उन्होंने स्वयं को साबित नहीं किया तब तक उनके मां-बाप परिवार की तीसरी लड़की और वह भी विकलांग होने पर अफसोस जताया करते थे, लेकिन आज वह गर्व से कहते हैं कि सुवर्णा उनकी बेटी है। उन्होंने कहा कि शारीरिक अक्षमता उनकी राह का रोड़ा कभी नहीं रही। जिसका सुबूत हैं उनके द्वारा पैरा ओलंपिक व एशियन गेम्स में सक्षम खिलाड़ियों के मुकाबले कहीं अधिक जीते गए मैडल। उन्होंने कहा कि आज देश में शिक्षकों का सम्मान कम हो रहा है, उन्होंने बच्चों का आह्वान करते हुए कहा कि संघर्ष पर विजय का पाठ पढ़ाने वाले शिक्षकों का सम्मान करने वाले ही जीवन के हर क्षेत्र में सफल होते हैं। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि उनकी बेटी की शिक्षा की आधारशिला भी इसी स्कूल में रखी गई थी, लिहाजा एक मां को तौर पर भी इस बात को बेहतर तरीके से जानती हैं कि शिक्षा के क्षेत्र में सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल की क्या महत्ता है। हिन्दी भवन में नेहरू नगर व कवि नगर शाखाओं द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'क्लाइडोस्कोप' में

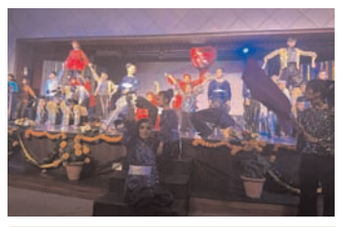

■ चुनौती को स्वीकार करने वाले अपनी मंजिल खुद तय करते हैं : सुवर्णा राज

■ मां के तौर पर बेहतर रूप से जानती हूं शिक्षा जगत में स्कूल की महत्ता : महापौर

बतौर अति विशिष्ट अतिथि विधायक व पूर्व मंत्री अतुल गर्ग, प्रख्यात शिक्षाविद संतोष ऑबराय, पूर्व प्रशासनिक अधिकारी डॉ. अलका टंडन भटनागर, पर्यावरणविद डॉ. राकेश खत्री, एसीपी रवि कुमार सिंह, वरिष्ठ पत्रकार गगन सेठी, सुप्रसिद्ध समाजसेवी ललित जायसवाल व सुभाष गर्ग, वरिष्ठ कवयित्री डॉ. रामा सिंह व उर्वशी अग्रवाल, सभासद अजीत निगम ने भी बच्चों को आशीर्वाद प्रदान किया। अक्षयवरनाथ श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित हिंदी नाटक 'अंधेर नगरी' व पूजा रहेजा द्वारा निर्देशित अंग्रेजी नाटक 'बियांड द मिरर' में बच्चों ने अपने उत्कृष्ट अभिनय ने सभी अचंभित कर दिया। स्कूल की डॉयरेक्टर प्रिंसीपल तन्वी कपूर गोयल ने अतिथियों को दोनों शाखाओं की वार्षिक उपलब्धियों से अवगत करवाया। संस्थापिका निदेशक डॉ. माला कपूर ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। एकता कोहली और मंजू कौशिक ने सजीव मंच संचालन किया। इस अवसर पर डॉ. सुभाष जैन, बबीता जैन, मंगला वैद, राहुल गोयल, आलोक यात्री, रोजी श्रीवास्तव, उमा नवानी व सोनिया सेहरा उपस्थित थे।

पार्किंग कर्मियों से मारपीट सड़क पर किया हंगामा

नोएडा, 28 जनवरी (देशबन्धु)। सेक्टर-18 मार्केट में पार्किंग कर्मियों से मारपीट की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ऐसी ही एक घटना शनिवार रात और हुई है। नो-पार्किंग में खड़ी कार में पार्किंग कर्मियों ने लॉक लगा दिया। यह बात कार से मार्केट आए दबंगों को नागवार गुजर गई। हंगामा शुरू किया तो पुलिस आ गई। लेकिन दबंगों ने पुलिस की परवाह किए बगैर पार्किंग कर्मियों को बेरहमी से सड़क पर गिराकर पीटा। यही नहीं सड़क से जा रहे राहगीरों के साथ भी मारपीट की। करीब 30 मिनट तक यह हंगामा जारी रहा। मारपीट में दो पार्किंग कर्मी चोटिल हुए, एक के मुंह से खून बहने लगा था। शिकायत पर पुलिस ने सेक्टर-20 थाने में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस को शिकायत में पार्किंग कर्मी जतिन गिरी ने मारपीट की जानकारी दी है। कार डीएलएफ चौकी एरिया में खड़ी हुई थी। नियम के मुताबिक पार्किंग कर्मियों ने कार के पहिए में लॉक लगा दिया। कुछ देर बाद तीन-चार युवक पहुंचे। युवकों ने लॉक लगा देखा तो बौखला गए। मौके पर पहुंचे पार्किंग कर्मियों से मारपीट शुरू कर दी। बचाव में आए बाकी कर्मियों से भी मारपीट की। बवाल बढ़ने पर एक बाइक सवार दो पुलिसकर्मी पहुंचे। वायरल हुए एक विडियो में दिख रहा है कि युवकों का उत्पात देखकर पुलिसकर्मी भी अपनी बाइक पीछे हटा रहे हैं। यही नहीं मारपीट कर रहा युवक बाइक सवार एक राहगीर को भी मारता है। मौके पर कार का शीशा भी टूटा दिख रहा है। पार्किंग कर्मियों का आरोप है कि मारपीट करने वाले युवक नशे में थे। आरोपियों के रसूख का अंदाजा वायरल विडियो से दिख रहा है। पुलिसकर्मी आरोपियों को पकड़ने के बजाय मौके पर मूकदर्शक नजर आ रहे हैं। यह बात भी सामने आई है कि वीडियो में दिख रहे पुलिसकर्मी डॉयल-112 से थे और सूचना पर आए थे। पुलिस के मुताबिक शिकायत पर प्रभात, नितिन, रोहित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। सेक्टर-20 थाना प्रभारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। नियमों के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी।

सार संक्षेप

राष्ट्रवादी जनसत्ता दल ने अपने जिला अध्यक्षों को जनता की सेवा के लिए दी सफारी

गाजियाबाद। राष्ट्रवादी जनसत्ता दल की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने व समाज एवं पार्टी के सम्मानित कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों के सुख-दुख में शीघ्र अतिशीघ्र पहुंचने के लिए पार्टी ने जिलाध्यक्षों को टाटा सफारी की चाबियां सौंपी। पार्टी के स्वास्थ प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. बी पी त्यागी ने चाबियां सौंपी तथा अन्नू त्यागी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौकेपर तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पीजी के रहने वाले युवकों के कमरे से फोन बैग चोरी

नोएडा। फेज दो क्षेत्र में स्थित एक पीजी में रहने वाले युवक के कमरे से चोर फोन, बैग के साथ ही अन्य सामान चोरी कर फरार हो गए। पीड़ित ने फेज दो थाने में केस दर्ज कराया है। रुपेश कुमार ने पुलिस को बताया कि 18 जनवरी को वह ऑफिस से अपने कमरे में आकर सो गए। इस दौरान कमरे का दरवाजा खुला रह गया। इसका फायदा उठाकर चोर कमरे से फोन, बैग के साथ ही अन्य सामान चोरी कर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डीएलएफ मॉल ऑफ इंडिया में कलाकारों ने कैनवास पर उकेरी खूबसूरत कलाकृतियां

नोएडा। डीएलएफ मॉल ऑफ इंडिया में आयोजित अर्थ कला प्रदर्शनी सीजन-5 इन दिनों आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मॉल में आने वाले विजिटर्स भी सुंदर कलाकृतियों का खूब आनंद ले रहे हैं। इस कला प्रदर्शनी के दौरान भारतीय कलाकारों द्वारा एक से एक सुंदर कलाकृतियों का प्रदर्शन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य पारंपरिक और समकालीन कलाकारों को अपना काम प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करना और कला प्रेमियों के लिए एक समुदाय का निर्माण करना है। प्रदर्शनी में भारतीय संस्कृति, विरासत का सौंदर्य बोध, रचनात्मक शक्ति और कलात्मक गुणवत्ता का सुंदरता से चित्रण किया जा रहा है। मॉल में आने वाले सभी विजिटर्स भी इस बेहतरीन कला से रू-ब-रू होते हुए कला की इस सुंदरता को खूब सराहना कर रहे हैं। लाइव पेंटिंग के दौरान रामकुमार प्रजापति, डॉ. समता शर्मा, अरिजीत चंदा, विजया अश्विन जैसे कलाकारों ने अपनी सुंदर कलाकृतियों से सभी का दिल जीत रहे हैं। प्रदर्शनी में हिस्सा लेने आए कलाकार मधुबनी पेंटिंग, लिप्पन कला और लोक कला का खूबसूरत से चित्रण कर अपनी कला को प्रदर्शित कर रहे हैं। 16 जनवरी से शुरू हुई इस लाइव कला प्रदर्शनी का आयोजन 28 जनवरी तक चलेगा।

महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद को जेड प्लस सुरक्षा की मांग को लेकर साधुओं ने शुरू किया आमरण अनशन

गाजियाबाद, 28 जनवरी (देशबन्धु)। महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी जी महाराज को जेड प्लस सुरक्षा की मांग को लेकर सांसद आवास के बाहर आमरण अनशन करने जा रहे साधुओं को पुलिस ने रोक दिया। जिससे नाराज साधुओं ने कलक्ट्रेट पर आमरण अनशन शुरू कर दिया। रविवार की सुबह पुलिस अधिकारियों ने

■ सांसद आवास पर जाने से साधुओं को पुलिस ने रोका

■ सांसद अपने क्षेत्र के निवासियों की पीड़ा सुनना भी नहीं चाहता : यति नरसिंहानंद

डासना के शिवशक्ति धाम को छावनी बना कर यति सन्यासियो को केंद्रीय मत्री वी के सिंह के आवास पर न जाने का आदेश सुनाया। जिससे आक्रोशित कई साधू कलक्ट्रेट पर पहुंचे तथा आमरण अनशन शुरू कर दिया। आमरण अनशन करने वालो में यति रामस्वरूपानंद जी, यति रणसिंहानन्द जी, यति निर्भयानंद जी, यति असीमानंद जी और लाल बाबा

सम्मिलित हैं।

उधर एक बयान में महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी जी महाराज ने कहा कि ये कैसा लोकतंत्र है जिसमें सांसद अपने क्षेत्र के नागरिकों की पीड़ा को सुनना भी नहीं चाहता ये स्वीकार्य नही है। हम केवल इतना चाहते हैं कि हमारा सांसद हमारी एक मांग को केंद्र सरकार के सामने उचित जगह रख दे परन्तु सांसद जी तो पुलिस का प्रयोग करके हमें कुचलने पर ही उतारू हो गए। हमने इससे पहले भी बहुत सरकार देखी और बहुत सांसद देखे परन्तु ये पहले सांसद हैं जो बात सुनना भी नहीं चाहते। ये वास्तव में हमारा दुर्भाग्य ही है कि हमसे हमारी बात लोकतांत्रिक तरीके से रखने का अधिकार भी छीन लिया गया है। महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी जी महाराज के शिष्य यति रणसिंहानन्द गिरी जी महाराज ने प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यह बहुत गलत हो रहा है।हम केवल अपने गुरु के लिये लोकतांत्रिक तरीके से उचित सुरक्षा मांग रहे हैं।पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों को अच्छी तरह पता है कि हमारे गुरु जी को इस्लामिक जिहादी हर कीमत पर मारना चाहते हैं। पुलिस और प्रशासन हमें लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाने दे वरना जो विद्रोह होगा,वो पुलिस प्रशासन से नियंत्रित नहीं होगा। यति रामस्वरूपानंद जी महाराज ने पुलिस और प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि जो अधिकारी हमे आवाज भी नहीं उठाने दे रहे हैं, वो ही हमारे गुरु जी की हत्या का कारण बनेंगे।ऐसे लोग निश्चित ही ईश्वर के प्रकोप के भागी बनेंगे और एक दिन वो भी इस्लामिक जिहादियों के हाथों अपने वंश का विनाश देखकर मरेंगे परन्तु ये ही लोग हिन्दुओ के सर्वनाश का कारण बनेंगे।

एसपी देहात ने किया कोतवाली का वार्षिक निरीक्षण

बुलंदशहर, 28 जनवरी (देशबन्धु)। कोतवाली में एसपी देहात रोहित मिश्रा ने रविवार की शाम कोतवाली का वार्षिक निरीक्षण किया उन्होंने लम्बित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण एवं वांछितों की तत्परता से गिरफ्तारी के निर्देश दिए एसपी देहात, को कोतवाली पहुंचते ही सबसे पहले सलामी दी गई। तत्पश्चात उन्होंने शस्त्रागार, राजकीय सम्पत्ति स्टोर, मालखाना, हवालात, का निरीक्षण किया कोतवाली में सफाई व्यवस्था एवं मैस भी देखा यहां पर उन्होंने फालोवर से खाने की गुणवत्ता के साथ ही अन्य जानकारी ली व्यवस्था को दुरुस्त पाकर फालोवर से खुश दिखाई दिये एसपी देहात ने अभिलेखों का भी निरीक्षण किया एसपी देहात ने कोतवाली का बारिकी से निरीक्षण किया। एसपी देहात ने बैरिको का भी निरीक्षण किया बैरिको में साफ-सफाई की व्यवस्था सही पाई गई इसके बाद माल मुकदमाती व सीज पड़े वाहनों के निस्तारण कराने के साथ ही लम्बित विवेचनाओं के निस्तारण के भी निर्देश दिए। एसपी देहात ने कहा कि अच्छा कार्य करने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा जबकि लापरवाह कर्मचारी दंडित भी किया जाएंगे इस दौरान सीओ दिलीप सिंह, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार चतुर्वेदी, इंस्पेक्टर दिनेश कुमार यादव, इंस्पेक्टर सतीश पुरी, एसएसआई अंकित कुमार चौहान, कस्बा इंचार्ज वीरपाल सिंह, एस आई बलराज सिंह, एस आई विजय सिंह, एस आई चन्द्रपाल सिंह, कुलदीप चौधरी, राजकुमार चौधरी, अभिषेक यादव, आलम, चन्द्रकात कुमार, सुकेश त्यागी, सहित कोतवाली का स्टाफ मौजूद रहा।

तेज रफ्तार कार ने गर्भवती महिला मारी टक्कर, घायल

नोएडा, 28 जनवरी (देशबन्धु)। सेक्टर-18 मल्टीलेवल कार पार्किंग के बाहर तेज रफ्तार कार ने पैदल जा रहे पति-पत्नी को टक्कर मार दी। पत्नी 6 महीने की गर्भवती है। टक्कर के बाद किसी तरह पति अपनी पत्नी को लेकर अस्पताल गया जहां पर उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के मुताबिक महिला की हालत अब खतरे से बाहर है। शिकायत पर सेक्टर-20 थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में ग्रेनो वेस्ट एस एस्पॉयर टेक जोन 4 सोसाइटी निवासी राकेश शर्मा ने बताया कि वह 26 जनवरी को सेक्टर-18 मार्केट में अपनी पत्नी रचना शुक्ला के साथ खरीददारी करने के लिए आए थे। इस दौरान उन्होंने मल्टीलेवल पार्किंग में कार खड़ी की। इसके बाद पार्किंग के बाहर निकल कर पैदल चल रहे थे। इतने में ही पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने उनको व पत्नी को टक्कर मार दी। राकेश के मुताबिक उनकी पत्नी रचना 6 महीने की गर्भवती हैं उनको ज्यादा चोटें आई है। जिनको गंभीर हालत में इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां पर उनकी हालत में अब सुधार हो रहा है। पीड़ित के मुताबिक पत्नी को अस्पताल ले जाने की जल्दी में आरोपी कार चालक मौके से फरार हो गया। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना मल्टी लेवल पार्किंग के सामने सड़क पर हुई है। पुलिस की टीम ने शिकायत लेकर जांच शुरु कर दी है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच के बाद कार की पहचान कर ली गई है। जिसके नंबर के जरिए आरोपी कार चालक की तलाश की जा रही है।

अपहृत कारोबारी का शव गंग नहर से बरामद

गाजियाबाद, 28 जनवरी (देशबन्धु)। थाना मधुबन बापूधाम थाना इलाके से अपहृत कारोबारी की रविवार को गोताखोरों ने गंग नहर से बरामद कर ली। पुलिस ने कारोबारी की हत्या के आरोप में दो महिलाओं समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

एसीपी कविनगर अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि ग्राम सदरपुर निवासी एक व्यक्ति उमेश चौधरी का उनके गाव के ही रहने वाले नीरज कौशिक तथा एक अन्य व्यक्ति द्वारा अपहरण कर लिया है। सूचना के आधार पर तत्काल ही सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया तथा अभियोग के अनावरण के लिए टीमों का गठन किया गया।

उन्होंने बताया कि इस घटना में सीसीटीवी फुटेज सीडीआर के विश्लेषण तथा अन्य गवाहों के बयान के आधार पर इस तथ्य की पुष्टि हुई कि नीरज कौशिक तथा उनके परिजनों के द्वारा सुनियोजित तरीके से अपहृत व्यक्ति उमेश की हत्या करके उनके शव को गंग नहर में फेक दिया गया है। सूचना के आधार पर नीरज कौशिक, नीरज कौशिक की पत्नी,भाभी तथा

दो महिलाओं समेत चार गिरफ्तार

एक अन्य व्यक्ति राजेन्द्र शर्मा को गिरफ्तार किया गया है तथा पूछताछ के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। नीरज कौशिक ने उमेश चौधरी के शव गंग नहर में फेक दिया गया था पुलिस टीम द्वारा आज उस शव को बरामद कर लिया गया है।

पुलिस पूछताछ पर नीरज ने बताया कि उमेश चन्द मेरे घर पर अपने उधारी के पैसे मांगने आया था। मैंने कहा कि अभी मेरे पास पैसे नहीं हैं मेरे पैसे कहीं उधारी में है जैसे ही वापस आयेगें मैं आपको दे दूंगा। इसी बात पर उत्तेजित होकर उमेश चन्द मुझे व मेरे परिवार को गाली देने लगा इसी बात पर उत्तेजित होकर हम सभी ने मिलकर उसकी हत्या कर दी।

बढ़ रही है शीत लहर, नगर निगम ने बढ़ाया अलाव

गाजियाबाद, 28 जनवरी (देशबन्धु)। बढ़ती ठंड को देखते हुए गाजियाबाद के नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने अलाव की व्यवस्था बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। जिसमें लगभग 169 स्थान पर ठंड से बचाव के लिए उद्यान विभाग द्वारा अलाव की व्यवस्था कराई जा रही है। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा कराई जा रही इस व्यवस्था से निराश्रितों को काफी राहत मिल रही है, सार्वजनिक स्थानों पर सूरज ढलते ही शाम 5:00 से 7:00 के बीच में गाजियाबाद नगर निगम ठंड से राहत हेतु अलाव की व्यवस्था कर रहा है।<

डॉ अनुज उद्यान प्रभारी ने बताया कि शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थान, रेन बसेरा, मुख्य चौराहा व अन्य स्थान को सम्मिलित करते हुए 169 जगह प्रतिदिन अलाव भिजवाई जा रही हैं 8450 किलो अब तक खपत हो चुकी है। निराश्रितों की सहूलियत के अनुसार व्यवस्था को घटाया बढ़ाया भी जा रहा है, महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त महोदय के निर्देश अनुसार रेन बसेरों में भी, हीटर तथा बिस्तरों की संख्या बढ़ाई गई है, गाजियाबाद नगर निगम द्वारा ठंड से बचाव के लिए किए गए इंतजाम से निराश्रितों तथा राहगिरियों के लिए काफी राहत मिल रही है।

आयोजन पृथ्वी संरक्षण के लिए लोगों को जागरूकता का आयोजन

साइकिल रैली से पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नोएडा, 28 जनवरी (देशबन्धु)। पृथ्वी संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक व पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्वों से अवगत कराने के लिए रविवार को मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर-51 नोएडा परिसर में नई उमंग के साथ 'साइक्लोथॉन' का आयोजन किया गया। 'साइक्लोथॉन' द्वितीय संस्करण को प्रायोजित करने वाले डेकाथलॉन, साइक्लोफिट, वी यूनिफॉर्म, पंजाबी फीवर व नाइंटी वन ने मुख्य रूप से सहयोग किया । इस आयोजन में गिनीज बुक में कीर्तिमान दर्ज करने वाली, साइकलिस्ट व धाविका, गुर्लीन कौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

– साइक्लोथॉन में 380 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

विद्यालय के कार्यकारी निदेशक लवकेश मगु व प्रधानाचार्या निंदिया साकेत ने मुख्य अतिथि का उत्साह के साथ स्वागत किया। इस आयोजन का शुभारंभ करते हुए गुर्लीन कौर ने प्रतिभागियों को यातायात के नियमों से अवगत कराया। साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर उसकी अगुवाई करते हुए रवाना किया। 15 किलोमीटर लंबी इस साइक्लोथॉन में 380 प्रतिभागियों (छात्र, युवा, युवती, बुजुर्ग) ने मुख्य अतिथि एवं सभी यातायात पुलिस कर्मियों व मार्शल के निर्देशन में पूरे जोश व आत्मविश्वास के साथ हिस्सा लिया। साइकिल सवार प्रतिभागियों के समूह ने यह रैली मानव रचना विद्यालय परिसर नोएडा से आरंभ करके, ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे से होते हुए वापस विद्यालय परिसर में आकर समाप्त की। विद्यालय

द्वारा आयोजित किए गए 'साइक्लोथॉन' का मुख्य उद्देश्य विश्व में बढ़ते प्रदूषण को रोकना। लोगों में अपने स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिए जागरूकता, एक दूसरे के प्रति सहयोग की भावना को जागृत करना था। इस रैली में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं पदक देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए वहां उपस्थित सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने पृथ्वी और शरीर को स्वस्थ रखने के लिए अपनी दिनचर्या में साइकिल को शामिल करने पर बल दिया, एवं इसके महत्व को बताते हुए कहा 'इससे पर्यावरण प्रदूषण कम होगा और हमारे अंदर एक नई ऊर्जा उत्पन्न होगी'।

एनटीपीसी ने आईसीडीएस व सलाम नमस्ते के साथ किया एमओयू

नोएडा, 28 जनवरी (देशबन्धु)। आईएमएस नोएडा के सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते ने न्यूट्री इंडिया कैंपेन 'जन-जन पोषण' के लिए एकीकृत बाल विकास योजना के तहत आईसीडीएस एवं एनटीपीसी दादरी के साथ एमओयू साइन किया। यह अभियान पोषण लोकप्रिय करण और सामुदायिक आउटरीच को पूरा करेगा। एनटीपीसी दादरी के अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) विल्सन अब्राहम, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग (आईसीडीएस) गौतमबुद्ध नगर की डीपीओ पूनम तिवारी और सलाम नमस्ते के स्टेशन हेड वर्षा छाबरिया ने एक कार्यक्रम के दौरान एमओयू पर हस्ताक्षर किए। एमओयू पर चर्चा करते हुए विल्सन अब्राहम ने बताया कि स्वास्थ्य और कल्याण के लिए पोषण जरूरी है। एनटीपीसी दादरी, सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते एवं आईसीडीएस के सहयोग से न्यूट्री इंडिया अभियान शुरू कर रहा है। इस अभियान में स्वस्थ बच्चे, स्वस्थ मां, कुपोषण एवं गर्भावस्था के दौरान पोषण चार्ट आदि जैसे पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। वहीं आम लोगों में जागरूकता एवं उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए विभिन्न आयु वर्ग के समूहों को भी कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा। साथ ही इस अभियान को सफल बनाने के लिए रेडियो पॉडकास्ट श्रृंखला एवं केंद्रित समूहों में आउटरीच गतिविधियां भी संचालित होगी। वहीं सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड वर्षा छबारिया ने कहा कि जन-जन पोषण अभियान के अंतर्गत सामुदायिक रेडियो सीमावर्ती स्कूल, आंगनवाड़ी, परियोजना प्रभावित ग्रामों में सफलता पूर्वक कार्यक्रम का आयोजित करेगी। इस कार्यक्रम के माध्यम से अधिकाधिक लोगों को जोड़ने के लिए सलाम नमस्ते पॉडकास्ट भी शुरू करेगा।

■ न्यूट्री इंडिया कैंपेन 'जन-जन पोषण' के लिए मिलकर करेंगे काम

कैपिटल ज़ोन

उवाच

दिल्ली मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर एवं ग्रेटर नोएडा के विकास की अन्य परियोजनाओं के लिए प्राधिकरण द्वारा जमीन लिए जाने से प्रभावित किसानों को नए भूमि अधिग्रहण कानून के सभी लाभ दिलाए जाने की को लेकर अब मिलकर संयुक्त आन्दोलन करेंगे।
सुनील फौजी एडवोकेट, किसान नेता

नोएडा एयरपोर्ट से विमानों के उड़ान भरने में रडार की बाधा दूर

ग्रेटर नोएडा, 28 जनवरी (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से आगामी सितम्बर माह में प्रस्तावित उड़ान में अब रडार को लेकर दिक्कत नहीं आएगी। रूस की जिस कंपनी को इसका ऑर्डर दिया गया है, वह निर्धारत समय से पहले भेजने को तैयार है। कंपनी ने दिसम्बर से पहले आपूर्ति करने से मना कर दिया था। इससे रडार लगाने का काम पूरा करना चुनौतीपूर्ण लग रहा था। यह मुद्दा सीएम योगी की अध्यक्षता में हुई बैठक में उठा था। रडार के बिना उड़ान शुरू तो हो सकती है, लेकिन उड़ानों की संख्या सीमित हो जाएगी।

दरअसल उड़ानों के सफल संचालन में एयरपोर्ट सर्विलांस रडार (एएसआर) की अहम भूमिका होती है। इसके बिना संचालन करना आसान नहीं होता है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर पर इससे संबंधित काम सितम्बर 2024 तक पूरा होता नहीं दिख रहा था। रडार के लिए रूस की जिस कंपनी को ऑर्डर दिया गया है, वह दिसम्बर 2024 तक आपूर्ति करने की बात कह रही थी। इससे पहले उपकरण भेजने में असमर्थता जताई थी। यह बात बीते माह मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ की अध्यक्षता में हुई बैठक में उठी तो सीएम ने कहा कि फरवरी माह में उड़ानों का ट्रायल और सितम्बर में प्रस्तावित उड़ान हर हाल में होनी है। नागरिक

- नोएडा एयरपोर्ट पर लगने के लिए रूस से आ रहा रडार
- इस माह लग जाएगा एयरपोर्ट सर्विलांस रडार

उड्डयन मंत्रालय के अधिकारियों से कहा गया है कि किसी भी तरह रडार की व्यवस्था की जाए। इस पर कंपनी के अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए परियोजना की अहमियत से अवगत कराते हुए कोई रास्ता निकालने की बात कही गई। इस पर कंपनी के अधिकारी सितम्बर से पहले रडार भेजने को राजी हो गए हैं। यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक रडार रूस से चल चुका है।

यमुना एक्सप्रेस वे पर टोल दरों में वृद्धि पर आज लग सकती है मुहर

ग्रेटर नोएडा, 28 जनवरी(देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की बोर्ड बैठक सोमवार को चेयरमैन अनिल सागर की अध्यक्षता में होगी। इसमें करीब 30 प्रस्ताव रखे जाने की उम्मीद है। बैठक में आवंटियों और किसानों को कई रियायत मिल सकती हैं। वहीं, यमुना एक्सप्रेस वे की टोल दरें बढ़ाने का प्रस्ताव रखे जाने की उम्मीद है। यमुना प्राधिकरण के सभागार में सोमवार को दोपहर 12 बजे से बोर्ड बैठक होगी। चेयरमैन अनिल सागर, सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह और बोर्ड के सभी सदस्य शिरकत करेंगे। इसमें कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर मुहर लगेगी। बिल्डर-बायर्स विवाद को लेकर अमिताभ कांत समिति की सिफारिशों को लागू करने का प्रस्ताव रखा जाएगा। यमुना एक्सप्रेस वे पर टोल दरें बढ़ाने की तैयारी है। टोल दरों में दो से पांच प्रतिशत तक वृद्धि संभव है। बैठक में इसका प्रस्ताव रखा जाएगा। प्रदेश सरकार की सेमी कंडक्टर नीति बोर्ड के समक्ष रखी जाएगी। प्राधिकरण निर्माण के लिए टाइम एक्सटेंशन का प्रस्ताव रखेगा। प्राधिकरण के तमाम आवंटियों का समय पूरा हो गया है, लेकिन वह अभी तक निर्माण नहीं कर पाए हैं। अब ऐसे आवंटियों को दो साल का और समय मिलेगा। प्राधिकरण किसानों को कई राहत देने की तैयारी में है। प्राधिकरण किसानों को आबादी के लिए भूखंड देता है। अगर इसका निर्माण तय समय पर नहीं होता है तो उस पर जुर्माना लगता है। प्राधिकरण यह जुर्माना खत्म करने जा रहा है। इस बोर्ड में मुहर लगने की उम्मीद है।

- यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की बोर्ड बैठक आज

पहली बार प्राधिकरण के स्थापना दिवस पर ग्रेटर नोएडा में दिखी मायूसी

ग्रेटर नोएडा, 28 जनवरी (देशबन्धु)। अगर कोरोना कॉल को छोड़ दिया जाए तो पहली बार ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्थापना दिवस पर कोई कार्यक्रम नहीं हुआ। प्राधिकरण हर वर्ष कार्यक्रम करता रहा है और इसमें जन भागीदारी भी होती थी। इस बार लोग भी निराश हुए हैं।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की स्थापना गाजियाबाद और बुलंदशहर के लगभग सवा सौ गांवों की भूमि पर हुई थी। 1996 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती द्वारा दोनों जनपदों को काटकर गौतमबुद्धनगर जिले का गठन किया गया तो ग्रेटर नोएडा का संपूर्ण अधिसूचित क्षेत्र इसी जनपद में आ गया। पिछले तैंतीस वर्षों में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने तमाम उतार चढ़ाव देखे हैं। जिला गठन होने के बाद ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की स्थापना 28 जनवरी 1991 को हुई थी। इसके बाद प्राधिकरण अपने स्थापना दिवस पर कार्यक्रम करता रहा है। कई-कई दिन कार्यक्रम होते रहे हैं। कोविड महामारी के दौरान

- ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में तैनात अधिकारियों को नहीं दिखा शहर से कोई लगाव

कार्यक्रम नहीं हुए। उस दौरान पूरे देश में सब कुछ ठप रहा। रविवार को प्राधिकरण का स्थापना दिवस था। इसको लेकर प्राधिकरण ने कोई कार्यक्रम नहीं किया। प्राधिकरण के कार्यक्रमों में आम जन की सहभागिता रहती थी। इस बार कार्यक्रम नहीं होने से लोग निराश हुए। एक्टिव सिटीजन टीम के संस्थापक सदस्य हरेंद्र भाटी ने कहा कि शहर के लोगों को प्राधिकरण के कार्यक्रम का इंतजार रहता है। इस बार कार्यक्रम नहीं होने से लोग निराश हुए हैं। प्राधिकरण को कार्यक्रम कराना चाहिए। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का रविवार 34वां जन्मदिन था। इस दौरान प्राधिकरण ने नोएडा की बगल में उससे भी बेहतर एक शहर बसा दिया परंतु कालचक्र का प्रभाव देखिए कि कभी एक सप्ताह तक जश्न में डूबे रहने वाले प्राधिकरण के जन्मदिन पर आज कहीं कोई चर्चा भी नहीं है। किसी व्यक्ति और संस्थान के जीवन में 34वें जन्मदिन का कितना महत्व है? यह कोई विशेष संख्या तो नहीं है परंतु एक परिपक्व और जिम्मेदार होने का प्रमाण अवश्य है। ग्रेटर नोएडा एक बीहड़ जैसे क्षेत्र को विकसित कर अत्याधुनिक नगर बसाया जा चुका है। कभी एक गांव से दूसरे गांव तक जाने के लिए खराब पगडंडियों के मुहताज स्थानीय निवासियों को दिल्ली, लखनऊ, आगरा, जयपुर, गाजियाबाद कहीं भी आने जाने को एक्सप्रेस-वे और हाईवे मयस्सर हो गए हैं। नोएडा ग्रेटर नोएडा और दिल्ली के बीच मेट्रो दौड़ रही है। देश विदेश की सैकड़ों औद्योगिक इकाइयों से निवेश और रोजगार का क्षेत्र रौशन है तो गगनचुंबी सामूहिक आवासीय परिसर, मॉल, पांच नॉलेज पार्क तक एक संपूर्ण नगर की परिकल्पना साकार हो चली है। परंतु 34वें स्थापना दिवस का कहीं अता-पता नहीं है। प्राधिकरण के कई अधिकारियों ने आज जन्मदिन होने से ही अनभिज्ञता जताई। अब से बीस बरस पहले तत्कालीन प्राधिकरण अध्यक्ष और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के शिल्पी ब्रजेश कुमार एक सप्ताह तक प्राधिकरण का स्थापना दिवस समारोह आयोजित कराते थे। उस दौरान प्राधिकरण कर्मियों और स्थानीय निवासियों के संयुक्त तत्वावधान में खेल-कूद, सांस्कृतिक और लोक कलाओं से संबंधित कार्यक्रमों की धूम रहती थी। फिर यह औपचारिक रूप से एक दिवसीय होने लगा।अंतर प्राधिकरण कर्मचारियों के स्थानांतरण से प्राधिकरण की शक्ति, समझ और संस्कृति सभी कुछ धूमिल हो गया है।

प्राधिकरण घेराव को लेकर किसानों ने तैयार की रणनीति

ग्रेटर नोएडा, 28 जनवरी (देशबन्धु)। संयुक्त किसान मोर्चा (भूमि अधिकार) एवं उसमें जुड़े दर्जनों सहयोगी संगठनों ने किसान सभा द्वारा 30 जनवरी को प्रस्तावित ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के घेराव कार्यक्रम के समर्थन में पहुंचने की घोषणा की, एस.के.एम. (भूमि अधिकार) की ओर से 30 जनवरी के ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के घेराव को सफल बनाने के लिए रविवार पल्ला, पाली एवं चिटहैरा, कठेडा और बोड़ाकी गांव में बैठक आयोजित कर जनजागरण अभियान चलाया गया। किसान नेता सुनील फौजी एडवोकेट ने बताया कि दिल्ली मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर एवं ग्रेटर नोएडा के विकास की अन्य परियोजनाओं के लिए प्राधिकरण द्वारा जमीन लिए जाने से प्रभावित किसानों को नए भूमि अधिग्रहण कानून के सभी लाभ दिलाए जाने की को लेकर अब मिलकर संयुक्त आन्दोलन करेंगे। 13 फरवरी से दिल्ली में होने वाले राष्ट्रीय स्तर के आन्दोलन की तैयारियां सभी संगठन कर रहे हैं।

जमीन अधिग्रहण व विस्थापन का ग्रामीणों ने एक सुर से किया विरोध

जेवर, 28 जनवरी (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के विस्तारीकरण से प्रभावित ग्रामीणों ने रविवार को रामनेर गांव में पंचायत का आयोजन किया तथा एकजुटता के साथ अधिग्रहण व विस्थापन का विरोध किया।

- नोएडा एयरपोर्ट के विस्तारण को लेकर 14 गांवों की जमीन का किया जा रहा अधिग्रहण
- भूमि अधिग्रहण से प्रभावित ग्रामीणों की रामनेर में पंचायत आयोजित

ज्ञात हो कि निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के लिए स्टेज 2 फेस 2 व स्टेज 2 फेस 3 के भूमि अधिग्रहण के लिए जेवर क्षेत्र के 14 गांव नीमका, खाजपुर, चौरोली, थोरा, पारोही, रन्हेरा, वनवारीवास, रामनेर, साबौता मुस्तफाबाद, जेवर बांगर, शिवारा, दयानतपुर व किशोरपुर गांव की 2053 हे0 भूमि के अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है। सामाजिक समाघात सर्वे के बाद की गई जनसुनवाई के दौरान भी ग्रामीणों का विरोध देखने का मिला था। तभी से प्रभावित क्षेत्र के किसान सिलसिलेवार निर्धारित गांव में प्रत्येक रविवार को पंचायत का आयोजन कर विरोध प्रदर्शन करते आ रहे हैं।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत रविवार को रामनेर गांव में प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणों की पंचायत का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों ने एकजुटता के साथ अपनी पुरानी मांगों पर सहमति जताई तथा एकस्वर में भूमि अधिग्रहण व विस्थापन का विरोध किया। पंचायत की अध्यक्षता महेन्द्र सिंह नीमका व संचालन सतवीर सिंह रामनेर ने किया। इस मौके पर सुरेश सिंह, रामपाल सिंह, हरेन्द्र सिंह, नानकचंद, उदयवीर सिंह चौहान, प्रभु नम्बरदार, रामवीर सिंह व रबेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे। पंचायत में अगले रविवार को वनवारीवास गांव में पंचायत आयोजित करने की घोषणा की गई।

ग्रेनो वेस्ट में विकास के लिए निवासियों ने किया प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा, 28 जनवरी (देशबन्धु)। ग्रेनो वेस्ट में मेट्रो के सिविल स्ट्रक्चर हेतु 2020 के बाद चार बार निविदा निकल चुकी है, इसके बावजूद इसके अभी तक संशोधित डीपीआर में ही एनएमआरसी के अधिकारी अटके हैं। एक दशक में भी एक प्लान न बनाने वाली संस्था के सहारे विकास का खांचा खींचने का प्रयास कितना सफल होगा, ये वर्तमान सरकार के जिम्मेदार नेताओं के लिए विचारणीय विषय है। रविवार को एक बार फिर सार्वजानिक परिवहन की व्यवस्था के लिए एक मूर्ति चौक पर ग्रेटर नोएडा वेस्ट के निवासी जुटे और प्रदर्शन किया। रोहित मिश्रा ने बताया कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट में निवासी कई हफ्तों से लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन सुनने वाला कोई नहीं है, ऐसा लग रहा है जैसे लाखों लोगों के लिए रोज-रोज आने वाली समस्याओं से इनका कोई सरोकार नहीं। दीपांकर कुमार ने मेट्रो की जरुरत पर बल देते हुए कहा कि इससे न केवल रोज लाखों कार्य के घंटे बचेंगे, बल्कि धुएं में उड़ते ईंधन पर जो विदेशी मुद्रा भारत सरकार का बर्बाद हो रहा है उसमें भी भरी कमी आएगी। नेफोवा अध्यक्ष अभिषेक कुमार का कहना है कि एक दशक से अधिक समय हो गया लेकिन इस क्षेत्र में सार्वजानिक परिवहन नगण्य है। ये क्षेत्र देश का सबसे जबसे ज्यादा जनसंख्या घनत्व वाला इलाका होने वाला है। सरकार को अविलम्ब, इलेक्ट्रिक बस से सेक्टरों को जोड़ना चाहिए साथ ही मेट्रो के लिए पुरानी निविदा के आधार पर निर्माणकर्ता का चयन कर कार्य आरम्भ करना चाहिए। महेश यादव, अशोक श्रीवास्तव, सी.पी. शर्मा, अनुराग खरे, रवीन्द्र सिन्हा, कुंदन श्रीवास्तव, अनुराग सिन्हा, एल.डी. शर्मा, योगेश श्रीवास्तव, मुकेश गोयल, पवन कुमार चौधरी, शैलेश कुमार सिंह, रंजना सिंह, अखिलेश झा, आर.सी. भट्ट, एम.डी. ध्रुववंशी, चंदन सिन्हा, अनूप दुबे, दीपक गुप्ता, राकेश रंजन इत्यादि प्रदर्शनकारियों ने यातायात के साधन मुहैया न करवाने पर नाराजगी जताते हुए सरकार से देश के भविष्य के लिए अधिक समय निकालने हेतु अधिक गंभीर प्रयास करने की मांग करते हुए, मेट्रो का कार्य शुरू न होने पर और अधिक उग्र प्रदर्शन की चेतावनी दी।

नर्मदा एनक्लेव सोसाइटी में चल रहे धरने को प्रबुद्ध नागरिकों ने तुड़वाया

ग्रेटर नोएडा, 28 जनवरी (देशबन्धु)। नर्मदा एनक्लेव सोसाइटी, सैक्टर ईटा-दो में ग्रेटर नोएडा ओद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा किए जा रहे अत्याचारों के खिलाफ एकत्र होकर मूलभूत सुविधाओं की कमी का रोष प्रकट किया है। नर्मदा एनक्लेव सोसाइटी के रेसिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष नीरज कौशिक का उपवास को राष्ट्रवादी विचार के प्रबुद्ध नागरिकों ने सोसाइटी में पहुंचकर तुड़वाया। सोसाइटी के अध्यक्ष की मांग है कि कूड़े का सुचारू रूप से निस्तारण, रंग रोगन, भवन व फ्लैट्स का स्ट्रक्चरल ऑडिट, बाउंड्री वॉल की बदतर हालत, प्राधिकरण की 2009-2010 की स्कीम बीएचएस-12, बीएचएस-13 के ब्रोशर में वायदा किए गए कियोस्क, एटीएम बूथ, बालकों का क्रेच या सामुदायिक भवन, उद्यान का रखरखाव, झूले, बाहर की मुख्य बदतर सड़क, बिजली के टूटे खंभे, पार्क के बैंच,किसी भी फ्लैट की खरीद-बेच से पहले आरडब्ल्यूए/एओए से अनापत्ति प्रमाणपत्र की आवश्यकता पर बल दिया। सभी साथियों ने संकल्प लिया के इन समस्याओं का निस्तारण अतिशीघ्र यदि प्राधिकरण नहीं करता है, तो प्राधिकरण कार्यालय पर भी धरना प्रदर्शन के लिए हम विवश होंगे।

- सोसाइटी की समस्या को लेकर वेलफेयर एसोशिएशन के अध्यक्ष रखे थे उपवास

प्रो. विवेक ने कहा कि ये समस्या एक सोसाइटी की नहीं, पूरे ग्रेटर नोएडा का यही हाल है। प्राधिकरण को अपने क्रियाकलापों को जनहितैषी सरकार की नीतियों, प्राथमिकताओं के अनुरूप ढालना चाहिए। जन प्रतिनिधियों की किसी भी जनहित में किए गए आग्रह का सम्मान किया जाना चाहिए। इस दौरान राष्ट्रवादी विचार के प्रबुद्ध नागरिकों के मंच राष्ट्रचिंतना के संगठन सचिव प्रोफेसर विवेक कुमार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चचेरे भाई बिजेंद्र बिष्ट, विजय गुप्ता, विवेक सिंह ने नर्मदा एनक्लेव सोसाइटी के रेसिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष नीरज कौशिक का उपवास तुड़वाया।

NAME CHANGE

I, Manoj Kumar Pal S/o Ram Chandra R/o J-335 Sector Beta-2, Greater Noida U.P. have change my son's name from Mayank Pal to Mayank Kumar Singh for all future purposes.

भाकियू अम्बावता छोड़ विनय तालान किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के संयोजक बने

जेवर, 28 जनवरी (देशबन्धु)। भारतीय किसान यूनियन के सचिव विनय तालान ने भाकियू अम्बावता का साथ छोड़कर रविवार को किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा का दामन थाम लिया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा उन्हें संयोजक की जिम्मेदारी से नवाजा है।

जेवर के मंगरौली रोड के रहने वाले विनय तालान क्षेत्र में किसान नेता के रूप में पहचान रखते हैं तथा काफी लम्बे अर्से से विभिन्न किसान संगठनों में रहकर किसानों के हक की लड़ाई रख रहे हैं। विनय तालान ने बताया कि बीते कई वर्षों से वह भाकियू अम्बावता के राष्ट्रीय सचिव के पद पर रहते हुए किसानों के लिए संघर्ष कर रहे थे। क्षेत्र में भाकियू अम्बावता की पकड़ कमजोर तथा संगठन के निष्क्रय होने की वजह से किसानों की मांगों को पूरा नहीं कर पा रहे थे। किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए उन्होंने शनिवार को भाकियू अम्बावता से वर्षों पुराना नाता तोड़कर किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा का दामन थाम लिया। संगठन के अध्यक्ष विकास प्रधान द्वारा उन्हें संगठन का राष्ट्रीय संयोजक मनोनीत किया।

आईआईए के प्रतिनिधियों ने औद्योगिक भूखण्ड को फ्रीहोल्ड कराने की रखी मांग

ग्रेटर नोएडा, 28 जनवरी (देशबन्धु)। आईआईए ग्रेटर नोएडा चैप्टर के चेयरमैन राकेश बंसल की अगुआई में लीज होल्ड औद्योगिक भूखंडों को फ्रीहोल्ड कराने के लिए उपायुक्त उद्योग अनिल कुमार को ज्ञापन देकर औद्योगिक भूखंडों को फ्रीहोल्ड करने की मांग की गई। इसी के साथ ही रविवार को सांसद महेश शर्मा को आईआईए के प्रतिनिधियों ने ज्ञापन देकर मांग की है। इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव विशारद गौतम, सचिव सरबजीत सिंह, कोषाध्यक्ष विपिन माहना, वाइस चेयरमैन मनोज सिराधना, जगदीश सिंह, अधाना व विजय गोयल सहित अन्य उद्यमी साथियों की उपस्थिति रहे।

रालोद के मनोनीत पदाधिकारियों का किया गया स्वागत

ग्रेटर नोएडा, 28 जनवरी (देशबन्धु)। राष्ट्रीय लोक दल जिला कार्यालय पर स्वागत समारोह का आयोजित किया गया, जिसमें मनवीर भाटी क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं हरवीर सिंह तालान क्षेत्रीय महासचिव मनोनीत होने पर पार्टी के नेता व कार्यकर्ताओं ने दोनों पदाधिकारी को स्वागत किया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष जनार्दन भाटी ने कहा कि पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं को राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी एवं प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय, क्षेत्रीय अध्यक्ष योगेंद्र सिंह चरमैन का धन्यवाद करता हूं। आने वाले लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय लोकदल का कार्यकर्ता गठबंधन प्रत्याशी जो भी हो उसे पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे। हम तीनों विधानसभा पर बूथ कमेटी आने वाले 15 दिनों में तैयार की जाएगी जिससे कि हर बथ पर राष्ट्रीय लोकदल पार्टी का कार्यकर्ता खड़ा मिले। अजीत सिंह दौला ने कहा कि भाजपा इस देश में झूठ की राजनीति कर रही है और

नवयुवकों को न तो रोजगार दे रही है ना ही किसान को फसल का उचित मूल्य मिल रहा है। देश में नौजवान किसान मजदूर सभी के साथ केंद्र सरकार व राज्य सरकार भाजपा की धोखा कर रही है। इस मौके पर जिला अध्यक्ष जनार्दन भाटी, अजीत सिंह दौला, हेमा पाठक, जोगिंदर सिंह तालान, आजाद मलिक, गजेंद्र अत्री, सुबोध चौधरी, गोपाल सिंह, जसवीर भाटी, राहुल भाटी, सतवीर नेता, महेश बरेला, वीरेंद्र पूनिया, राज सिंह फौजी, वीरेंद्र मलिक, वीरपाल मास्टर, विनोद प्रधान, देवेश चौधरी आदि लोग मौजूद रहे।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः-0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

धूमधाम से मनाया गया ब्राह्मण सभा का आठवां स्थापना दिवस

ग्रेटर नोएडा, 28 जनवरी (देशबन्धु)। ब्राह्मण सभा उत्तर प्रदेश, ग्रेटर नोएडा का आठवां स्थापना दिवस समारोह रायल हैबिटेट सेन्टर में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर भगवान परशुराम की विधिवत पूजा अर्चना के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम, कवि सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें फिल्म गीतकार कवि संतोष आनन्द, मुकेश शर्मा, कवियित्री मुस्कान शर्मा गाजियाबाद एवं तुषा शर्मा ने महफिल में समां बांध दिया तथा सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिक सम्मान, उत्कृष्ट प्रदर्शन सम्मान एवं मेधावी बालक-बालिका सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. महेश शर्मा, सांसद, अति विशिष्ट अतिथि राज्य सभा सांसद एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार, मित्रेश चतुर्वेदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष विप्र एकता मंज एवं गीता पंडित चेयर परसन, नगर पालिका परिषद, दादरी ने सभी को सम्मानित किया। इस दौरान ब्राह्मण सभा स्मारिका ब्रह्म चेतना का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. महेश शर्मा ने ब्राह्मण एकता एवं ब्राह्मणत्व पर बल दिया। उन्होंने

- कार्यक्रम में प्रतिभावान बच्चों को किया गया सम्मानित, कवियों ने बांधा समा

बताया कि ब्राह्मण हमेशा ही अग्रमई एवं पूज्यनीय रहा है। हमेशा सबको साथ लेकर चला है।

डॉ. अशोक बाजपेयी, राज्य सभा सांसद ने ब्राह्मण एकता पर बल दिया और कहा कि आगे भी ऐसे कार्यक्रम होते रहना चाहिए ताकि ब्राह्मण एक हो और अच्चे समाज एवं राष्ट्र का निर्माण कर सकें। मित्रेश चतुर्वेदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष विप्र एकता मंच ने भारत में ब्राह्मणों की दुर्दशा के बारे में बताया और कहा कि एक रहकर भी अपना उत्थान कर सकते हैं। इस अवसर पर ब्राह्मण सबा के अध्यक्ष सुरेश चन्द्र पचौरी ने बताया कि संस्था ऐसे आयोजन भविष्य में भी करता रहेगा। उन्होंने कहा कि बहुत शीघ्र ही भगवान परशुराम भवन एवं मंदिर का निर्माण किया जाएगा, जिसके लिए समाज के सभी सम्मानित बंधुओं को एकजुट होकर तन-मन-धन से सहयोग करना होगा। इस अवसर पर अन्य ब्राह्मण सबाओं के अध्यक्ष एवं पदाधिकारीगण तथा गाजिबाद, मरेठ, बुलंदशहर, अलीगढ़ एवं अन्य राज्यों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस दौरान ब्राह्मण सभा के संरक्षक नेमचन्द, अटल, धन प्रकाश शर्मा, कुलदीप शर्मा, वेद कुमारी, अनिल कुमार, बृजेश शर्मा, सुमन मिश्रा, देवीशरण शर्मा, कवि मुकेश शर्मा, आचार्य रविकांत दीक्षित, प्रभाकांत शुक्ल, यतेन्द्र शर्मा, गौरव उपाध्याय, अनोद शर्मा, जीपी गोस्वामी, ममता तिवारी, अखिलेश पाठक, चन्द्रशेखर, सुभाष शर्मा, कुसुमलता, छाया उपाध्याय, निर्वेश मुद्गल, आरती शर्मा, अनुज उपाध्याय. पं. शिवकुमार आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आरती शर्मा, मुकेश शर्मा ने किया।

आवासीय भूखंड दो व्यक्तियों को बेचने पर पिता और पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दनकौर, 28 जनवरी (देशबन्धु)। दनकौर क्षेत्र के अट्टा गुजरान गांव के रहने वाले पिता और पुत्र पर रविवार को धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों द्वारा छह वर्ष पहले गाजियाबाद के रहने वाली एक महिला को लगभग 24 लाख रुपए में आवासीय भूखंड बेचा था। आरोप है कि वही भूखंड अब किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया गया है। महिला की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। दरअसल, क्षेत्र में विगत काफी वर्ष पहले ही यमुना प्राधिकरण द्वारा जमीन अधिग्रहण कर ली गई है। जिन किसानों की जमीन का अधिग्रहण हो चुका है उन किसानों को सात प्रतिशत आवासीय भूखंड दिया जाना प्रस्तावित है। काफी किसानों को आवासीय भूखंड धरातल पर मिल चुके हैं। जबकि अधिकांश किसान नक्शा 11 के आधार पर ही अपने भूखंडों को बेच रहे हैं। पीड़ित महिला एकता शर्मा का कहना है कि उसने वर्ष 2017 में अट्टा गुजरान गांव के रहने वाले ब्रह्मपाल से एक भूखंड खरीदा था। इसके एवज में 23 लाख 90 हजार रुपए दिए गए थे। गवाह के तौर पर आरोपित के बेटा सुमित द्वारा हस्ताक्षर किए गये थे। आरोपित द्वारा वादा किया गया था कि यमुना प्राधिकरण द्वारा भूखंड का आवंटन होने पर पीड़ित के नाम रजिस्ट्री कर दी जायेगी। पीड़ित महिला का आरोप है कि वर्ष 2023 में उक्त भूखंड को किसी अन्य व्यक्ति को बेचा जा चुका है। मामले की जानकारी होने पर पीड़िता द्वारा इसका विरोध किया गया। आरोप है कि आरोपित ब्रह्मपाल ने अपने बेटा सुमित समेत अन्य कुछ अज्ञात लोगों के साथ मिलकर उसे गालीगलौज कर मारपीट पर उतारू हो गए। घटना के बाद पीड़िता द्वारा मामले की शिकायत दनकौर कोतवाली में की गई है। कोतवाली प्रभारी संजय कुमार सिंह का कहना है कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच कर जल्द ही सभी आरोपितों को गिरफ्तार किया जाएगा।

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, सोमवार 29 जनवरी 2024

संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

नीतिश कुमार : नैतिक गिरावट की नई इबारत

यूं तो भारतीय राजनीति में दलबदल और सत्ता के लिये तमाम तरह के सही-गलत गठजोड़ों में शामिल होना या उनसे अलग होना नई बात नहीं है, परन्तु बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को जिस तरह एक बार फिर अपनी ही सरकार को गिराकर नई सरकार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है, वह नैतिक गिरावट के नये मानदण्ड के रूप में याद रखा जायेगा। लगभग 17 माह तक राष्ट्रीय जनता दल के साथ मिलकर जनता दल यूनाईटेड के सुप्रीमो नीतीश कुमार ने जो सरकार चलाई थी, वह भी उन्होंने 2017 में भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर चलाई जा रही अपनी सरकार को तोड़कर बनाई थी। नीतीश के खाते में ऐसे कई अनैतिक सियासी किस्से दर्ज हैं, परन्तु जिस प्रकार से अबकी बार उनका आचरण रहा है, वह उनकी नैतिक गिरावट की एकदम नई इबारत ही कही जायेगी।

1994 में जनता दल से अलग होकर नीतीश कुमार ने जॉर्ज फर्नांडीज़ के साथ मिलकर समता पार्टी का गठन किया था और 1996 में भाजपा के साथ हाथ मिलाया था। 2003 में उन्होंने जेडीयू गठित की थी और 2005 में भाजपा के साथ मिलकर बिहार में सरकार बनाई थी। भाजपा प्रणीत नेशनल डेमोक्रेटिक एलाएंस (एनडीए) के सहयोगी के रूप में उन्होंने 2013 में नरेन्द्र मोदी की प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी का विरोध करते हुए भाजपा का साथ छोड़ा था। 2014 में उनकी पार्टी ने लोकसभा का अकेले चुनाव लड़ा था। तब उसे केवल 2 सीटें हासिल हुई थीं जबकि 2009 में उसके पास 18 सीटें थीं। 2014 में पराजय की जिम्मेदारी लेते हुए नीतीश ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर जीतनराम मांझी को अपनी गद्दी सौंपी थी। विधानसभा में बहुमत परीक्षण के दौरान लालू यादव की राष्ट्रीय जनता दल एवं कांग्रेस ने समर्थन देकर सरकार को बचा लिया था जिससे तीनों दलों के महागठबन्धन की राह खुली थी। 2015 के विधानसभा चुनावों में उसे सफलता भी मिली। 2017 में नीतीश ने फिर सरकार पलटाई। भाजपा के साथ सरकार बनाकर वे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर डटे रहे। सदन में गठबन्धन का बहुमत रहा। भाजपा के दो उप मुख्यमंत्री वाले फार्मूले एवं नेशनल सिटीजन्स रजिस्टर के मुद्दे पर असंतोष जताते हुए उन्होंने भाजपा का साथ अगस्त 2022 में छोड़ दिया और फिर से राजद के साथ सरकार बना ली- मुख्यमंत्री वे ही बने रहे। अब रविवार को उन्होंने सुबह अपने पद से इस्तीफा देकर शाम होते-होते भाजपा की मदद से फिर सरकार बना ली।

बार-बार पलटने की बात एक ओर रख दी जाये तो भी नीतीश ने अनैतिक आचरण की जो मिसाल पेश की है वह निहायत लज्जाजनक है। हालांकि इसमें भाजपा भी बराबरी की जिम्मेदार है जबकि पिछले करीब 17 माह दोनों ने एक दूसरे को कोसने में निकाले हैं। नीतीश कुमार ने 2017 में गठबन्धन को तोड़ते हुए कहा था कि 'भाजपा के साथ जाना उनकी बहुत बड़ी गलती थी। अब वे मर जायेंगे परन्तु भाजपा के साथ कभी नहीं जाएंगे।' दूसरी ओर केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक चुनावी सभा में ललकार कर कहा था कि 'नीतीश एवं लल्लन प्रसाद सिंह (पूर्व जेडीयू अध्यक्ष व सांसद) सुन लें कि उनके लिये भाजपा के दरवाजे हमेशा के लिये बन्द हो गये हैं।' हाल ही में केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह भी ऐसा कह चुके थे। इधर पिछले दिनों से ही सुगबुगाहट थी कि नीतीश बाबू फिर पलटी मारने वाले हैं। यह चर्चा तभी से आम हो गयी जब वे राज्यपाल राजेन्द्र अरलेकर से मिलने गये थे। हालांकि उस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बतलाया गया था। शनिवार तक जेडीयू के कई वरिष्ठ नेता कहते रहे कि सरकार बनी हुई है और गठबन्धन बरकरार है। इन बयानों के 24 घंटे बीतते न बीतते नीतीश कुमार ने नौंवी बार सीएम पद की शपथ लेकर अवाम को समझा दिया है कि राजनीतिज्ञों की जुबान पर कितना भरोसा किया जाये। राजनीति की साख का जो संकट है, वह किसलिये है- यह भी नीतीश कुमार ने सोदाहरण समझाया है।

नीतीश का इस वक्त प्रदर्शित यह आचरण किसी एक प्रदेश की सरकार के बनने-बिगड़ने या सीएम की कुर्सी से बढ़कर है। भारतीय लोकतंत्र को इससे बड़ा धोखा इस लिहाज से नहीं दिया जा सकता कि करीब तीन महीने बाद ही होने वाले लोकसभा चुनाव में पहली बार मोदी व भाजपा को संयुक्त प्रतिपक्ष की बेहद कड़ी चुनौती मिल रही है जिसका नीतीश अहम हिस्सा थे। एक तरह से मृतप्राय हो चुकी संयुक्त विपक्ष की अवधारणा को जिन लोगों ने पुनर्जीवित किया है, उनमें नीतीश प्रमुख थे। तकरीबन एक साल पहले उन्होंने इसके बाबत चर्चा शुरू की थी और आज जो 'इंडिया' नाम से महागठबन्धन बना हुआ है, उसकी पहली बैठक नीतीश की पहल पर ही बिहार की राजधानी पटना में हुई थी। उन्होंने कांग्रेस के वर्चस्व की स्वीकार्यता बनाने में भी बड़ी भूमिका निभाई थी। वे यह भी कहते रहे कि इंडिया में संयोजक या प्रधानमंत्री पद के लिये कोई लड़ाई नहीं है। वे महागठबन्धन के प्रमुख शिल्पकार रहे इसलिये उनके बयानों ने सहयोगी दलों एवं भाजपा के विकल्प के रूप में गठबन्धन की ओर निहारती अवाम में उत्साह जाग्रत हुआ था। वैसे जानकार कह रहे हैं कि इस दोबारा बने मेल से नीतीश व भाजपा दोनों की ही छवियों में राज्य के भीतर बड़ी गिरावट आयेगी तथा इसका फायदा कांग्रेस एवं राजद को मिलेगा। लोकसभा चुनाव में ये दोनों दल तथा वामपंथी पार्टियां अधिक सीटें पा सकती हैं। खैर, यह बाद की बात है, परन्तु इतना ज़रूर है कि नीतीश ने अपने पहले के तमाम कलंकों को धोने का एक अनुपम अवसर खो दिया।

बिहार पर भार है : नीतीश कुमार है!

नीतीश कुमार ने साबित कर दिया कि आदमी के गिरने की कोई सीमा नहीं होती। आयाराम गयाराम के पूर्व के सारे उदाहरण उन्होंने ध्वस्त कर दिए। खुद पहल करके विपक्ष को जोड़ा। जिस बीजेपी के साथ गए हैं उसके ठीक विपरीत सिरे सीपीआई (एमएल) के सम्मेलन में उन्होंने मोदी को हराने के लिए विपक्षी एकता की गुहार लगाई थी। विपक्षी नेताओं का पहला सम्मेलन खुद पटना में किया था। और आज बिना कोई कारण बताए उसे छोड़कर भाजपा के साथ चले गए।

ये वही नीतीश कुमार हैं जो 2015 के विधानसभा चुनाव में लालू यादव और कांग्रेस के साथ आए थे। महागठबंधन बना। 2014 में मोदी जी ने लोकसभा और उसके बाद हरियाणा, महाराष्ट्र विधानसभा जीतकर जो अपना अश्वमेध यज्ञ शुरू किया तो उसके घोड़े को बिहार में लालू ने ही पकड़ा था। मगर सबसे ज्यादा 81 सीटें जीतने के बाद भी उन्होंने कम सीटों 71 वाली जेडी यू के नेता नीतीश को मुख्यमंत्री बना दिया। लेकिन 2017 में वे फिर भाजपा के साथ उसी तरह चले गए जैसे अभी गए हैं।

नीतीश कुमार का पूरा इतिहास इसी तरह विश्वासघात का रहा है। लेकिन यह अब आखिरी मौका है। इसके बाद उनकी राजनीति ही खत्म हो जाएगी और सबसे दुख की बात होगी कि उनके जीवन का उत्तरार्द्ध सोनिया गांधी या लालू प्रसाद यादव की तरह अपनी पार्टी में सम्मान पाते हुए नहीं बीतेगा बल्कि लालकृष्ण आडवानी और मुरली मनोहर जोशी की तरह बेचारगी में गुजरेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी पार्टी के लोगों को ही जब अनुपयोगी बनाकर उन्हें अप्रासंगिक बना दिया तो नीतीश तो वह नेता हैं जिन्होंने मोदी के सामने से 2013 में खाने की थाली खींच ली थी। मोदी अगर अकारण आडवानी, जोशी, राजनाथ सिंह, गडकरी और भी बहुत से नाम हैं, जिनमें चली गईं सुषमा स्वराज भी हैं जिनके लिए आखिरी वक्त में भक्तों ने यह कहा था कि उनके पति को चाहिए कि जब वे घर आएं तो उनके बाल पकड़कर घसीटते हुए उनकी पिटाई की जाए, तक सब की प्रतिष्ठा खत्म कर सकते हैं तो फिर नीतीश को जिन्होंने 2013 में खाने पर बुलाकर फिर मना किया था कि मत आओ कैसे भूल सकते हैं?

नीतीश की कहानी बहुत सारे लोग लिखेंगे। दिन तारीखों के साथ। इसलिए उन्हें बताने का कोई मतलब नहीं है। मगर जो बड़े कांड किए हैं. जिन्होंने आदमी के प्राण भी ले लिए वह तो एक बार फिर लिखित में सामने रखना पड़ेंगे। वह आदमी इनका राजनीतिक गुरु था। जी हां! शरद यादव। उन्हीं को नीतीश ने 2016 में पार्टी के अध्यक्ष पद से हटा दिया था। सात बार के लोकसभा और तीन बार के राज्यसभा सदस्य शरद यादव जिस जेडी यू को बनाने वाले थे और 13 साल जिसके अध्यक्ष रहे थे, उन्हें नीतीश ने हटा दिया। शरद यादव यह सदमा बर्दाश्त नहीं कर पाए। संसद सदस्यता नहीं रही तो जिस बंगले 7 तुगलक रोड पर 22 सालों से रहे उसे खाली करके जाना पड़ा। उन्होंने कहा था इस बंगले से पहले भी वह कई सालों से इसी लुटियंन जोन में रहे। मगर अब इसके बाहर प्राइवेट मकान में जाना पड़ रहा है। जो कोई भी नेता जाना नहीं चाहता। क्योंकि नेताओं के पास आने जाने वाले लोग लुटियंन जोन के अलावा दिल्ली के दूसरे दूरदराज के इलाकों में नहीं जा पाते। गुलाम नबी आजाद का बंगला उनके पास कोई सरकारी स्थिति न होने के बावजूद बरकरार रखा गया है। क्योंकि वे मोदी सरकार की शरण में आ गए। मगर शरद यादव ने 2014 में ही मोदी के साथ जाने से इनकार कर दिया था। और इसी के अपराध में नीतीश ने उन्हें अध्यक्ष पद से हटाया। राज्यसभा नहीं दी। और वे इन सारे सदमों को एक साथ नहीं सह सके। शरद समाजवादियों के पहले हीरो थे। 1974 में जनता पार्टी के पहले उम्मीदवार के रूप में जबलपुर से लोकसभा जीते थे। दबंग छात्र नेता के तौर पर। मगर नीतीश से धोखा खाकर फिर नहीं संभल पाए।

शकील अख्तर

> नीतीश कुमार का पूरा इतिहास इसी तरह विश्वासघात का रहा है। लेकिन यह अब आखिरी मौका है। इसके बाद उनकी राजनीति ही खत्म हो जाएगी और सबसे दुख की बात होगी कि उनके जीवन का उत्तरार्द्ध सोनिया गांधी या लालू प्रसाद यादव की तरह अपनी पार्टी में सम्मान पाते हुए नहीं बीतेगा बल्कि लालकृष्ण आडवानी और मुरली मनोहर जोशी की तरह बेचारगी में गुजरेगा।

नीतीश रविवार को एक बार फिर मुख्यमंत्री से इस्तीफा देकर वापस मुख्यमंत्री जरूर बन गए हैं। मगर अपनी सारी प्रतिष्ठा, सार्वजनिक सम्मान खत्म करने के बाद। 2020 के बाद यह तीसरा मौका है जब उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली हो। 2020 विधानसभा में आरजेडी, बीजेपी के बाद तीसरे नंबर पर रहने के बाद भी वे मुख्यमंत्री बन गए थे। भाजपा की मदद से। मगर फिर महागठबंधन के साथ आए। और तेजस्वी को दूसरी बार उप मुख्यमंत्री बनाते हुए शपथ ली। और फिर 28 जनवरी 2024 को तीसरी बार बीजेपी के साथ शपथ ली।

बेशरमी की सारी सीमाएं पार कर दीं। जनता इसको समझ रही है। बिहार की वह जनता जो 2015 में नारे लगा रही थी बिहार में बहार है नीतीश कुमार है! वह कहने लगी कि 'बिहार पर भार है नीतीश कुमार है!' दरअसल जनता कारण चाहती है। आप जिसने कहा था कि मैं मर जाऊंगा मगर अब बीजेपी के साथ नहीं जाऊंगा। वह क्यों चले गए। नीतीश बता नहीं पा रहे हैं।

यह वैसा ही मामला है जैसे कोई तलाक के लिए कोर्ट जाए और जज पूछें क्यों तलाक चाहिए तो व्यक्ति कहे कि वकील साहब बताएंगे। तो अब यह भाजापा पर है कि वह अपना पक्ष मजबूत करने के लिए किस पर इल्जाम रखना ज्यादा सही समझती है। राहुल गांधी पर या लालू यादव पर। जो बीजेपी कहेगी। वही गोदी मीडिया कहने लगेगा। मगर वह चलेगा नहीं। जनता भोली हो सकती है। याददाश्त कम हो सकती है। मगर उसे कहानी चाहिए। और इस बार नीतीश के पास कोई कहानी नहीं है।

खुद जेडीयू के लोग पूछ रहे हैं। यहां तक कि भाजपा के लोग भी। मगर कारण किसी को नहीं पता। दबे स्वरों में राजनीतिक क्षेत्र में एक ही बात कही जा रही है कि नीतीश की कोई कोर दबी है। मतलब कोई ऐसी चीज है जो मोदी जी अमित शाह के पास पहुंच गई है जिससे नीतीश मजबूर हो गए हैं। वह कोई फाइल है या कुछ और यह अभी किसी को नहीं पता। मगर कुछ तो है! नहीं तो जिन अमित शाह ने यह भरी सभा में कहा था कि सब कान खोलकर सुन लो अब नीतीश के लिए दरवाजा कभी नहीं खुलेगा। भाजपा के दरवाजे उनके लिए हमेशा के लिए बंद हो गए हैं। फिर ये दरवाजे क्यों खुले? इसका एक ही कारण हो सकता है कि नीतीश बिल्कुल शरणागत होकर बीजेपी के दरवाजे गए हों।

मगर जो भी हो नीतीश की राजनीति हमेशा के लिए खत्म हो गई। और यह बिहार में आरजेडी के लिए अच्छा है। इसका मुकाबला अब सीधा भाजपा से होगा। बीच में नीतीश के खत्म होने से वोट बंटेगा नहीं। आरजेडी के नेतृत्व में महगठबंधन बनाम भाजपा। यूपी में भी यही सीन बन गया है। सपा की अगुआई में कांग्रेस और जयंत चौधरी सीधे भाजपा से लड़ेंगे। वहां भी नीतीश की तरह मायावती अप्रासंगिक हो जाएंगी। और 2024 के लोकसभा चुनाव के भी सारे कन्फ्यूजन दूर हो जाएंगे। इन्डिया गठबंधन इस तरह धोखेबाजों के निकल जाने पर और मजबूत होगा। बिहार में जो 17 लोकसभा सीटों पर जेडीयू दावे कर रहा था वह सीटें अब आरजेडी और सहयोगी दलों में बंट जाएंगी। साथ ही गठबंधन के बाकी घटकों को भी एक मैसेज मिलेगा कि अब तीसरी धारा की कोई गुंजाइश नहीं है या तो इंडिया गठबंधन के साथ मजबूती से या बीजेपी के साथ शरणागत होकर।

आमने सामने की लड़ाई इंडिया गठबंधन के लिए फायदेमंद होगी। भाजपा से सीधा मुकाबला!

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

रामलला के सवाल

■ सौमित्र रॉय

अभी इस बात पर बिल्कुल न जाएं कि रामराज्य अयोध्या में पहले आया या फिर पूरे यूपी में ही उससे भी पहले आ चुका था, जिसका प्रमाण पत्र खुद प्रधानमंत्री ने सरेआम बांटा था। यह भी भूल जाएं कि वाल्मीकि रामायण में जो परिकल्पना की गई है, उसके मुताबिक रामराज्य में शोक और रुदन का कोई स्थान नहीं है, क्योंकि वहां सभी तृप्त, परिपूर्ण हैं-

'सर्व मुदितमेवसित, सर्वो धर्म परो अभवत:,
राम मेवानु पश्यन्तो, नाभ्य हिंसा परस्परम्।'

एक पखवाड़े पहले से शुरु हुआ हल्ला केवल नारियल पानी और फल के सहारे प्रधानमंत्री की 20 हजार किलोमीटर की यात्राओं के बाद खत्म हुआ। इसमें वे देशभर के सभी खास मंदिरों में गए और इसकी तस्वीरें पूरे देश को दिखाई गईं। हल्ला इस बात का था कि राम आ रहे हैं। यानी इससे पहले देश में भगवान राम का अस्तित्व नहीं था। उन रामलला का भी नहीं, जिन्हें 23 दिसंबर 1949 को महंत राम शिवम दास ने ढहाई गई बाबरी मस्जिद में साजिशन (ऐसा सुप्रीम कोर्ट ने माना है) रखा था और वह भी तब के डीएम केके नैयर की मदद से। उस पंडित लाल दास का भी नहीं, जो रामलला विराजमान के पहले पुजारी रहे और जिनकी बाद में हत्या कर दी गई थी।

करीब 75 साल से एक तिरपाल के नीचे प्रभु राम अपने लिए एक स्थायी वास का इंतजार करते रहे, लेकिन अब जो विराजमान हैं, वे मंगलुरु के एक शिल्पकार अरुण योगीराज की पांच साल के एक बालक की परिकल्पना हैं। तमाम अखबारों के इश्तिहार और मीडिया चैनलों के कार्यक्रम दुनियाभर में इस सच्चाई के गवाह हैं कि प्रभु राम प्रधानमंत्री की उंगली पकड़कर अयोध्या के राम मंदिर में आए और खुद प्रधानमंत्री ने उनमें प्राण फूंके। प्राण प्रतिष्ठा में यजमान बने डॉ. अनिल मिश्र और उनकी पत्नी ऊषा मिश्र भी विधि-विधान से नदारद हो गए, क्योंकि कैमरे के सामने सिर्फ प्रधानमंत्री ही नजर आए।

> नदी घाटी सभ्यता के पांच हजार साल के इतिहास में कृषि प्रधान भारत को हमेशा उत्सवों के रंग में नहाते देखा गया है। उत्सव, यानी खान-पान, गीत-संगीत, मेल-मिलाप, ढेर सारी गतिविधियां और सुनी-सुनाई कहानियां। भारत इन उत्सवों में हमेशा से ताकत खोजता नजर आया है, लेकिन इन उत्सवों का राजनीतिकरण, भीड़ की ताकत, बाजार की छौंक और इन सभी को सत्ता प्राप्ति का साधन बनाने का प्रयास 2014 के बाद से हुआ है।

नदी घाटी सभ्यता के पांच हजार साल के इतिहास में कृषि प्रधान भारत को हमेशा उत्सवों के रंग में नहाते देखा गया है। उत्सव, यानी खान-पान, गीत-संगीत, मेल-मिलाप, ढेर सारी गतिविधियां और सुनी-सुनाई कहानियां। भारत इन उत्सवों में हमेशा से ताकत खोजता नजर आया है, लेकिन इन उत्सवों का राजनीतिकरण, भीड़ की ताकत, बाजार की छौंक और इन सभी को सत्ता प्राप्ति का साधन बनाने का प्रयास 2014 के बाद से हुआ है। अब हालत यह है कि भारत उत्सवों के साथ इंवेंट प्रेमी देश भी बन गया है, जहां हर आयोजन का एक खास प्रायोजन होता है।

यह सब लिखने का कारण यह है कि प्रभु राम को प्रधानमंत्री दक्षिण के एक शहर से इसी कालखंड में लेकर आए हैं। ये वे रामलला नहीं हैं जो 75 साल का इतिहास जानते हैं। दूसरी तरफ, केंद्र सरकार के एक भी मंत्री ऐसे नहीं हैं, जिन्होंने यह नहीं कहा हो कि बीते 75 साल में देश में कुछ भी नहीं हुआ। हालांकि तब के रामलला विराजमान को भी पता है कि अयोध्या में राम मंदिर को बनाने वाली कंपनी 'लार्सन एंड टुब्रो' के निर्माण और डिजाइन के पीछे दिमाग उस 'आईआईटी-मुंबई' का लगा हुआ था, जो कांग्रेस के प्रगतिशील अतीत का प्रतिबिंब है। रामलला कहीं-न-कहीं यह भी जानते होंगे कि 'लार्सन एंड टुब्रो' ने 2020 में राम मंदिर को निशुल्क बनाने की पेशकश की थी।

सूत्रों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट कहती हैं कि 'श्री राम तीर्थ क्षेत्र' के बोर्ड ऑफ ट्रस्टी के महासचिव चंपत राय 'लार्सन एंड टुब्रो' कंपनी के संपर्क में थे। इस कंपनी की तहेदिल से तारीफ होनी चाहिए कि कर्नाटक में करोड़ों का टैक्स बचाकर उसने मुफ्त में राम मंदिर बनाकर देश सेवा की असीम मिसाल पेश की है, लेकिन ताजा मीडिया रिपोर्ट यह भी है कि राम मंदिर के निर्माण में 1800 करोड़ का खर्च आया है। यानी मंदिर बनाने के लिए आए 3500 करोड़ के कुल चंदे का लगभग आधा हिस्सा खर्च हो चुका है।

इन सभी तात्कालिक परिस्थितियों में रामलला आए और प्राण प्रतिष्ठित हो गए। हालांकि, उनमें जो प्राण फूंके गए, वे तो उनके भीतर उस अंतर्यामी ईश्वर के हैं, जो सर्वज्ञ हैं। बस, स्वरूप पांच साल के बच्चे का है। प्राण प्रतिष्ठा के तीसरे दिन शायद उन्होंने मंदिर का खर्च जांचा हो। भारत की आर्थिक स्थिति को भी आंका हो। देश में व्याप्त असमानता और धर्म के नाम पर बढ़ती गुंडागर्दी को भी प्रत्यक्ष देखा हो। मुंबई में भीड़ के उन्माद और यूपी की राजधानी लखनऊ में हिंदू उपनिवेशवाद के उस खौफनाक मंजर को भी अपनी अंतर्दृष्टि से देखा हो।

ऐसे में जिस उम्र में प्रभु राम प्रतिष्ठापित हुए हैं, उनमें कौतूहल तो हो रहा होगा, क्योंकि यह उनके युग के रामराज्य से बिल्कुल उलट है। खासतौर पर देश में गरीबों, दलितों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं की स्थिति को देखकर, जो उनके राज में कहीं कही-सुनी नहीं गईं। बालक का कौतूहल जिज्ञासा पैदा करता है और जिज्ञासा का समाधान करने के लिए प्रधानमंत्री से बेहतर कोई कालजयी उत्तरदाता नहीं हो सकता। जवाब तो उनको ही देना होगा और वह भी बिना टेलीप्रॉम्प्टर के।

बालक-राम के प्रधानमंत्री से क्या सवाल हो सकते हैं? अगर रामलला प्रधानमंत्री से पूछें कि आप टैक्स के रूप में इकट्ठे किए गए हर 100 रुपए में 42 रुपए गरीबों, 26 रुपए मिडिल क्लास, 26 रुपए अमीरों और शेष छह रुपए अन्य स्रोतों से वसूलते हैं, लेकिन आपसे पहले जो सरकार थी, वह गरीबों से 28 रुपए और अमीरों से 38 रुपए वसूलती थी, फिर आपने टैक्स का ढांचा क्यों बदल दिया? अंतरदृष्टि पाकर प्रभु श्रीराम ऐसे पेचीदा सवाल इसलिए भी कर सकते हैं, क्योंकि 7000 वीवीआईपी दर्शनार्थियों की भीड़ में उन्होंने ऐसे कई चेहरे देखे, जिन पर घोटाले का दाग था। उनमें से एक, सदी के महानायक तो अगले ही दिन अयोध्या धाम में 10 लाख की जमीन पौने दो करोड़ में बेचने के इश्तेहार में ही नजर आ गए थे।

इसके बाद प्रभु राम प्रधानमंत्री से अगला सवाल पूछ सकते हैं कि आप टैक्स से जुटाए गए 100 रुपए में से जनता की भलाई के लिए सिर्फ 18 रुपए खर्च करते हैं, 15 रुपए पूंजीगत कामों में और 3 रुपए बड़े प्रोजेक्ट के जरिए कॉरपोरेट को खिसका देते हो, क्यों? आपसे पहले की सत्ता लोगों की भलाई के लिए 100 में से 21 रुपए खर्च करती थी। आपने अपनी प्रजा के लिए खर्च करना कम क्यों किया? मैंने तो अपने रामराज्य में बराबरी को चुना था। क्या आपने वाल्मीकि की रामायण नहीं पढ़ी? मेरे रामराज्य में प्रजा की स्थिति को नहीं जाना?

दरअसल, प्रधानमंत्री जिन सवालों से संसद से लेकर मीडिया तक बीते 10 सालों से लगातार बचते रहे हैं, वही सवाल अब प्रभु रामलला उनसे पूछ रहे हैं। उनकी चिंता बढ़ जानी चाहिए, क्योंकि उनकी कथनी और करनी में अंतर तीन दिन में ही प्रभु राम को भी मालूम पड़ चुका है। जैसे-जैसे दिन बीतेंगे, प्रभु रामलला और परिपक्व होंगे। उनके मन में और भी सवाल होंगे। वे नोएडा के मीडिया के बजाय सोशल मीडिया के और भी करीबी होंगे। क्या देश तब एक और उत्सव, एक और पर्व, एक और आयोजन की तैयारी करेगा?

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

गुरवाणी विचार

ना को बैरी नाहि बेगाना सगल संग हमको बन आई

दिलह मुहबति जिनं सेई सचिआ
जिन मनि होर मुख होर से कोढ़े कचिआ
रते इसक खुदाये अंग दीदार के
विसरिआ जिन नाम ते भुऐ आर धीये

वाणी की इन पंक्तियों द्वारा शेख फरीद जी इंसान को समझाइश देते हुए फरमा रहे हैं कि जिन जिन इंसानों का प्रभु के साथ दिल से प्यार है उन्हीं को सच्चे आशिक कहा जा सकता है पर जिन के मन में कुछ और बाहर बाहरी सांसारिक पदार्थों और सांसारिक मोह माया से प्यार है वे मुंह से कुछ और कहते हैं अंदर से कुछ और होते हैं उन्हें हम कच्चे आशिक ही कह सकते हैं। शनै: शनै: परिवर्तन आने लग जाता है उसका फिर भ्रम मोह होने लगता है कि प्रभु परमात्मा जर्रे-जर्रे में मौजूद है। ऐसी कोई जगह नहीं है जहां परमात्मा मौजूद न हो क्योंकि सारी संसार की रचना प्रभु परमात्मा की है। रचना करने के बाद वह हर प्राणी में बिराजमान होकर उसकी प्रतिदिन की गतिविधि को देखता रहता है। इसीलिए हर इंसान को चाहिए कि वह प्रभु सिमरन में मन रमाए रखे। बाकी फिर उसकी भटकना खत्म हो जाए। काम क्रोध लोभ मोह अहंकार फिर उसका बाल भी बांका नहीं कर पाते वह इनका काबू में कर सकता है। काम क्रोध खत्म तो किए नहीं जा सकते पर इन पर काबू अवश्य किया जा सकता है। प्रभु मूरत को जब वह अपने हिरदे में विराजमान देख लेता है तब उसे ऐसा महसूस होने लगता है-

ना को बैरी नाहि बेगाना सगल संग हमको बन आई।

क्योंकि उसे इस बात का ज्ञान हो जाता है कि हम सब एक ही प्रभु परमात्मा की संतानें हैं अतएव सब आपस में भाई भाई हैं। एक पिता के एकस के हम बारिक तू मेरा गुरु हाई। उसे फिर झूठे लोभ लालच की जरूरत नहीं रह जाती।

हाथ पांव से काम सब मन चित निरंजन नालि। सांसारिक रंग तमाशे उसका मोह भंग नहीं कर पाते। उसकी यह सच्ची प्रीत प्रभु परमात्मा से ही लग जाती है अतएव उसके मन में अनहद नाद ही गूंजता रहता है। अब अपने सामने वह ऊंची अटारियां देख कर विचलित नहीं होता बल्कि अपनी टूटी-फूटी झोपड़ी भी उसे महलों से भी अच्छी महसूस होती है इसी बात कात का ताईद गुरवाणी में कुछ इस तरह की गई है-

जिथे नाम जपिये मेरे प्यारे से असथिर सोहो न जौबारे।
जिथे नाम न जपिये मेरे गोविंदा सोई नगर उजाड़ी जीओ।।

प्रभु सिमरन बांदगी करते रहने वाले को रूखी-सूखी खाकर भी आनंद की अनुभूति होती रहती है उसे सांसारिक रस अब अच्छे नहीं लगते क्योंकि अब वह लालच से मुक्त हो जाता है-

फरीद रुखी सूखी खाय के ठंडा पानी पीओ।
न वेख पराई चुपड़ी न तरसांई जीओ।।

उसे अब इतना संतोष आ जाता है कि धन-दौलत उसका कुछ भी बिगाड़ नहीं सकते। सोना और मिट्टी उसे एक समान लगने लगते हैं क्योंकि उसके मन में प्रभु परमात्मा विराजमान हो चुके हैं और मुख में भी वही बात होगी वह हर वक्त सब के भले की ही कामना करता रहेगा। सिख तो अपनी प्रतिदिन की अरदास में भी सब के भले की ही कामना करता है।

नानक नाम चड़दी कला तेरे भाणे सरबत का भला। इसलिए गुरवाणी में पल पल पर समझाइश दे रही है-

परभाते प्रभु नाम जप गुरु के चरण धियआए।
जनम मरण मल उतरे साचे के गुण गायए।।

शेख फरीद जी चेतावनी रूप में कुछ इस तरह भी उपदेश दे रहे हैं कि जो भी इंसान सिमरन बंदगी में मन नहीं रमाता उसका सिर ही काट देना चाहिए-

उठ फरीदा उजू साज सुबह निवाज गुजार।
जो सिर सांई न निबे- खो सिर कप उतार।
जो सिर सांई न निवे सो सिर कीजै काय।
चुल्ली हेट जलाइये बालन संदी जाये।

इसलिए हर इंसान को चाहिए वह समय रहते चेत जावे और प्रभु सिमरन बंदगी में मन रमाकर प्रभु परमात्मा की प्राप्ति कर लेवे और अपना लोक परलोक सुहेला बना लेवे। प्रभु सिमरन बंदगी करने पर ही हम अपनी जीवन नौका जिसमें कई जन्मों की मैल भरी पड़ी है। आत्मा में पाप रूपी मैल को धोकर सुचारू रूप से खेकर इस भवसागर से पार होकर प्रभु परमात्मा के सांचे दरबार में स्थान प्राप्त कर सकेंगे।

इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

शिक्षा ज्ञान और संघर्ष जीवन में ऊंचाइयां देते है

मनुष्य के जीवन में प्रेम तथा ज्ञान दोनों ही अत्यंत आवश्यक एवं उत्प्रेरक अंग है। प्रेम भावनात्मक तत्व है, जो मनुष्य को इंसान बनाता है, संवेदना और मानवता को जागृत करता है। ज्ञान की उत्कंठा या तार्किक क्षमता मनुष्य को निरंतर प्रगति की ओर ले जाती है। मनुष्य के जीवन में ज्ञान ही उसे मानवता के उत्कृष्ट शिखर पर ले जाता है, वह मनुष्य को पशुत्व से अलग रखता है। प्रेम के बिना ज्ञान और अध्ययन मनुष्य को मशीन बना देता है। प्रेम और ज्ञान की अलग-अलग मीमांसा की गई है। प्रेम, ज्ञान की अपेक्षा अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि प्रकृति में अधिक घुल मिलकर आधारभूत तत्व तो बनाता है ही,बल्कि प्रेम प्रत्येक जीव में विद्यमान होता है। परस्पर एक दूसरे की भाषा नासमझ पाने वाले जीव भी एक दूसरे से प्रेम की भाषा द्वारा मधुर संवाद कर सकते हैं। प्रेम सभी प्रकार के माननीय बंधनों से परे है। जबकि ज्ञान प्राप्ति को मानवता में परम स्थान दिया गया है। प्राचीन भारतीय दर्शन एवं संस्कृति ने ज्ञान की महत्ता को महिमामंडित किया है और ज्ञान की प्राप्ति को सभी प्रकार के बंधनों से मुक्ति के लिए एक आधारभूत कारण भी बताया है। किसी मशीन अथवा कंप्यूटर को किसी भी प्रेरणा की आवश्यकता नहीं होती वह मनुष्य द्वारा दिए गए निर्देशों का केवल पालन करता है। मनुष्य को प्रेरणा की आवश्यकता होती है ताकि वह ज्ञान प्राप्ति का साधन बन सके और यह प्रेरणा प्रेम द्वारा ही मिलती है,जिससे वह प्रेम करता है। उसके लिए निरंतर सहायता व लाभ देने का प्रयास ज्ञान द्वारा ही करता है। ज्ञान बिना प्रेम के निरंकुश भी हो सकता है और समाज को हानि भी पहुंचा सकता है, किंतु प्रेम से युक्त ज्ञान का उपयोग वैश्विक मानव कल्याण के लिए किया जाता रहा है। इतिहास में अनेक महापुरुषों ने अपने प्रेम, करुणा, ज्ञान से लोगों के जीवन क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं, और इतिहास की धारा को भी सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाया है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के जननायक महात्मा गांधी जी का जीवन भी प्रेम रोग ज्ञान का अद्भुत संयोजन था,उनका अहिंसा और सत्याग्रह मानव मात्र वह विश्व के प्रत्येक जीव के प्रति प्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण है, इसके द्वारा उन्होंने संपूर्ण मानवता को प्रेमपूर्वक जीने का महान संदेश दिया है।

एक अच्छे और सार्थक जीवन के लिए प्रेम तथा ज्ञान दोनों का संबंध एवं समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू हैं। अकेला ज्ञान तथा अकेला प्रेम सदैव सार्थक नहीं हो सकता है। रावण ज्ञानी पुरुष था किंतु विध्वंसकारी भी था उसने प्रेम के अभाव में सिर्फ ज्ञान के चलते अपने कुल को नष्ट करवा दिया था। प्रेम तथा ज्ञान के सदुपयोग से अच्छे जीवन का पथ प्रदर्शन भी किया जा सकता है। इससे हम केवल परिवार व्यक्ति या समाज ही नहीं बल्कि राष्ट्र के स्तर पर भी आत्मसात कर राष्ट्र को वैश्विक महानता की ओर ले जा सकते हैं। वर्तमान में हम संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप सामाजिक जीवन को सफलतापूर्वक संचालित करने में सक्षम है। आज हमारे सामने पर्यावरण संतुलन वैश्विक गरीबी जैसी अनेक समस्याएं मौजूद हैं। हम सभी मूक प्राणियों वनस्पति आदि के प्रति ज्ञान का उपयोग दिखाकर उनके साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार कर समस्या का समाधान कर सकते हैं। आधुनिक तकनीक से अर्जित ज्ञान के उपयोग इनके संरक्षण में करने में हम सक्षम भी हैं। अत: प्राचीन काल से मान्यता रही है कि सार्थक, सफल, एवं प्रेरणादाई जीवन के लिए प्रेम तथा ज्ञान का समन्वयकारी सदुपयोग एक आवश्यक तत्व है, इसके अभाव में जीवन कितना सार्थक सफल और मार्गदर्शी नहीं हो सकता है।

संजीव ठाकुर

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

उत्तर कोरिया ने पूर्वी तट से कई क्रूज मिसाइलें दागीं

सोल। उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी तट से कई क्रूज मिसाइलें दागी हैं। दक्षिण कोरिया की योनहाप न्यूज एजेंसी ने द. कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के हवाले से यह खबर दी है। रिपोर्ट के अनुसार प्रक्षेपण शिनपो पोर्ट से सुबह लगभग आठ बजे हुआ। जेसीएस ने एक संदेश में संवाददाताओं से कहा, अपनी निगरानी और सतर्कता को मजबूत करते हुए, हमारी सेना उत्तर कोरिया के उकसावे के अतिरिक्त संकेतों पर नजर रखने के लिए अमेरिका के साथ निकटता से समन्वय कर रही है।

गाजा में अस्पताल की इजरायली घेराबंदी में 150 फिलिस्तीनी मारे गए

गाजा, 28 जनवरी (एजेंसियां)। इजरायल की ओर से की गयी गाजा के दूसरे सबसे बड़े शहर खान यूनिस में नासिर अस्पताल की घेराबंदी के दौरान 150 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए। गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल-केदरा ने शनिवार को कहा, मृतकों को अस्पताल के प्रांगण में दफनाने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने कहा, नासिर अस्पताल के मुर्दाघर में अभी भी 30 अज्ञात शव हैं। उन्होंने कहा, नासिर अस्पताल रक्त इकाइयों की गंभीर और खतरनाक कमी का सामना कर रहा है और कई एनेस्थीसिया दवाएं खत्म हो गई हैं।

■ मृतकों को अस्पताल के प्रांगण में दफनाने के लिए मजबूर किया गया

इजरायली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 26,422 हुई

गाजा। हमास की ओर से संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि गाजा पट्टी पर सात अक्टुबर 2023 से हो रहे इजरायली हमलों में फिलिस्तीनियों की मौत का आंकड़ा बढ़कर 26,422 हो चुका है। मंत्रालय ने एक प्रेस बयान में कहा कि इजरायली सेना ने पिछले 24 घंटों में 165 फिलिस्तीनियों को मार डाला और 290 अन्य को घायल किया। बयान के अनुसार, वर्तमान में चल रहे इजरायल-हमास संघर्ष में कम से कम 65,087 फिलिस्तीनी घायल हुए हैं।बड़ी संख्या में पीड़ित अभी भी मलबे में दबे हुए हैं और उन तक एम्बुलेंस और नागरिक रक्षा दल नहीं पहुंच सके हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गाजा के विभिन्न क्षेत्रों में इजरायली हवाई और तोपखानों की बमबारी देखी जा रही है, विशेष रूप से दक्षिणी गाजा के खान यूनिस में। उन्होंने कहा कि बमबारी शहर के पश्चिमी इलाकों और नासिर अस्पताल और अल-अमल अस्पताल के आसपास के क्षेत्र में केंद्रित है। इस बीच, फिलिस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने एक बयान में कहा कि इजरायली बलों द्वारा निरंतर घेराबंदी करने से अल-अमल अस्पताल का ऑक्सीजन स्टॉक खत्म हो गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पिछले दो दिनों में, खान यूनिस ने सात अक्टूबर, 2023 को लड़ाई शुरू होने के बाद से सबसे भयंकर इजरायली हमले देखे जा रहे हैं।

बंधकों को छुड़ाने के लिए क़तर को हमास पर और दबाव बनाना चाहिए : नेतन्याहू

जेरूसलम। इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि कतर को गाजा में बंधकों को रिहा करने के लिए हमास पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल करना चाहिए। नेतन्याहू ने शनिवार को तेल अवीव में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, कतर हमास के नेताओं की मेजबानी करता है, हमास को वित्तपोषित करता है और हमास पर दबाव रखता है। शि?न्हुआ समाचार एजेंसी ने नेतन्याहू के हवाले से कहा, कतर ने कहा कि वह (बंधकों को) वापस लाने में मदद कर सकता है - इसलिए, उन्हें अपना दबाव बनाने दें। उन्होंने खुद को मध्यस्थ के रूप में रखा है - कृपया इसे साबित करें और हमारे बंधकों को वापस करें। कतर ने इज़राइल और हमास के बीच अप्रत्यक्ष वार्ता में प्राथमिक मध्यस्थ की भूमिका निभाई है। यह चल रहे संघर्ष को समाप्त करने और हमास और अन्य आतंकवादी समूहों द्वारा गाजा में अभी भी रखे गए 100 से अधिक बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने पर अपने प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करता है।

श्री अल-केदरा ने कहा कि ईंधन की कमी के कारण अस्पताल में जनरेटर चार दिनों के भीतर बंद कर दिए जाएंगे। साथ ही छर्रे और इजरायली ड्रोन हमले के कारण पानी की टंकियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं, जिसके कारण कई इमारतों में पानी का रिसाव हुआ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इज़रायल जानबूझकर अपनी घेराबंदी के दौरान खान यूनिस में नासिर अस्पताल और होप अस्पताल क्षति पहुंचाता है, उन्हें निशाना बनाता है और एम्बुलेंस की आवाजाही को रोकता है।

सुडोकू 6450

	8			4				3
	4		7		6			
9			5			2		
1	9							6
		5				1		
7							2	4
		1			9			2
			4		3		1	
2				1			3	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6450

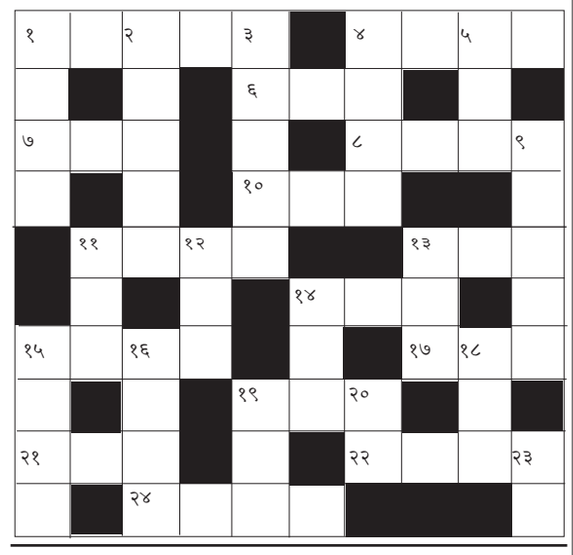

बायें से दायें:-

१. जिस पर विजय पाना कठिन हो, परमेश्वर
४. बंटवारा
६. माथा, ललाट
७. अनार
८. कोई चीज पाने के लिए हाथ बढ़ाना, झटपट चल पड़ना, किसी पर झपटना
१०. धमकाना, डराना, डांटना, क्रोध
११. शिकन आना, फर्क पड़ना (मुहावरा)
१३. गोलमाल, गड़बड़
१४. लोहे-बांस आदि की तीलियों आदि का बना एक तरह का टोकरा जैसी आकृति जिसमें पालतु पशु-पक्षी रखे जाते हैं
१५. कानूनी
१७. विफल (उर्दू)
१९. दूर में स्थित
२१. पाप रहित
२२. हवा में इधर-उधर होना
२४. कामना, अभिलाषा

ऊपर से नीचे:-

१. पीड़ादायक
२. राजप्रासाद
३. यमलोक की पीड़ा
४. किसी के खाते में खर्च की ओर कोई रकम लिखना
५. जन्म देने वाला
९. कठोर, जो कोमल न हो (उर्दू)
११. अधिकतर
१२. डर, खौफ़, दहशत
१३. कुल, वंश
१४. ललाई लिए हुए पीले रंग का, पीला
१५. पारिश्रमिक लेकर कार्य करने वाला
१६. बेजोड़, बेमिसाल
१८. मिस्र की राजधानी
१९. कठिन मुश्किल
२०. दृढ़ और सूखी जमीन, स्थान
२३. अनेक, कई

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : सोमवार 29 जनवरी , 2024 माघ कृष्ण पक्ष 4

राशिफल

मेष -आज आप का दिन मध्यम फलदायी हैं। आप का स्वास्थ्य नरम-गरम रह सकता है। आप शारीरिक थकान का अनुभव करेंगे। संभव हो तो प्रवास टालें। किसी बात को लेकर जिद्दी ना बने रहें।

वृषभ -आज आप का दिन मध्यम फलदायी है। आप किसी भी काम को दृढ़ मनोबल एवं पूर्ण विश्वास के साथ करें। पिता एवं पैतृक संपत्ति से लाभ होने के योग हैं। आप के प्रति पिता का व्यवहार भी अच्छा रहेगा।

मिथुन -आज का दिन आपके लिए अच्छा और लाभदायी होगा। मित्र, बंधु-बांधवों एवं पड़ोसियों के साथ आप के संबंध अच्छे रहेंगे। आर्थिक रूप से आप सजग रहेंगे।

कर्क -आज का दिन मध्यम फलदायी है। आपके मन में ग्लानि रहेगी। जो भी काम करेंगे, उसमें आपको संतोष नहीं मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। दांयी आंख में परेशानी होने की आशंका बनी रहेगी।

सिंह -आज आपका दिन शुभ फलदायी है। आप आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। हर काम को दृढ़ निश्चय के साथ पूरा कर पाएंगे। सरकारी कामों में या सरकार से लाभ होगा। पिता तथा बड़ों का सहयोग मिलेगा।

कन्या -आपका दिन शारीरिक एवं मानसिक चिंता के बोझ में रहेगा। आज किसी के भी साथ आपके इगो का टकराव न हो इसका विशेष ध्यान रखें। कोर्ट-कचहरी में सावधानी रखें। आकस्मिक धन खर्च होगा।

तुला -आज का दिन शुभ फलदायी है। आज आपको कई तरह के लाभ होने के योग हैं। मित्रों के साथ मिलना-जुलना और कुछ मनोहर स्थलों पर घूमने जाने की संभावना बनी रहेगी। गृहस्थ जीवन में पुत्र एवं पत्नी से सुख की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक -आज का दिन शुभ फलदायी है। आपके गृहस्थ जीवन में आनंद और उल्लास बना रहेगा। आपके सभी काम बिना अवरोध के पूरे होंगे। मान-सम्मान मिल सकता है। नौकरी, व्यवसाय में पदोन्नति होगी।

धनु -आज किसी भी तरह की यात्रा को टालना आपके हित में रहेगा। आज आपके शरीर में थकान रहेगी। स्वास्थ्य कुछ नरम-गरम रहेगा। मन में व्याकुलता रहेगी। संतान के विषय में चिंता हो सकती है। व्यवसाय में बाधा उत्पन्न होगी।

मकर -आपके कार्यालय एवं व्यापार में परिस्थिति आपके अनुकूल होगी। आज समय पर ऑफिस के काम पूरे कर पाएंगे। व्यापार तथा सामाजिक काम के लिए बाहर जाने के अवसर मिल सकता हैं।

कुंभ -आज आप में दृढ़ मनोबल और आत्मविश्वास बहुत ज्यादा रहेगा। मैरीड कपल के बीच रोमांस बना रहेगा। दोस्तों के साथ मुलाकात होगी। छोटा प्रवास या आनंददायी पर्यटन का योग बना रहेगा।

मीन -आज आप का दिन शुभ फलदायी है। आज आप आत्मविश्वासी बने रहेंगे। आरोग्य खूब अच्छा रहेगा। घर में शांति और आनंद का वातावरण बना रहेगा। दैनिक काम अच्छी तरह से कर पाएंगे।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

आज का इतिहास

1597 -महाराणा प्रताप का जन्म।
1780 -भारत का पहला अंग्रेजी अखबार 'हिक्की गजट' या 'बंगाल गजट' प्रकाशित हुआ।1916-'प्रथम विश्व युद्ध' में फ्रांस पर जर्मनी ने पहली बार हमला किया।
1939 - रामकृष्ण मिशन संस्कृति संस्थान की स्थापना हुई।
1949 -ब्रिटेन ने इज़रायल को मान्यता दी।
1966 -अमेरिका के उत्तर- पूर्वी भाग में बर्फीले तूफान से 165 लोगों की मौत।
1970 -प्रसिद्ध निशानेबाज एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ का जन्म।
1976 -सोवियत संघ और अंगोला राजनीतिक समझौते के लिए सहमत हुए।
1978 -वायुमंडल की ओजोन परत पर होने वाले दुष्प्रभाव के कारण एयरोसोल स्प्रे को प्रतिबंधित करने वाला स्वीडन पहला देश बना।
1979 -भारत की पहली जंबो ट्रेन 'दो इंजन वाली' तमिलनाडु एक्सप्रेस को नयी दिल्ली स्टेशन से झंडी दिखाकर चेन्नई के लिए रवाना किया गया।
1988 -यूनाइटेड एयरलाइंस के विमान बोइंग 747 एसपी ने 36 घंटे 54 मिनट 15 सेकेंड में विश्व का चक्कर लगाया।
1989 -सीरिया और ईरान ने लेबनान में संघर्ष रोकने के लिए समझौता किया।
1992 -भारत आसियान का क्षेत्रीय सहयोगी बना।
1993 -क्रिकेट खिलाड़ी विनोद कांबली का टेस्ट में पदार्पण किया।
1994 -केंद्र सरकार ने एयर कार्पोरेशन एक्ट 1953 को रद्द किया।
1996 -फ्रांस के राष्ट्रपति जैक्स शिराक ने घोषणा की थी कि फ्रांस अब और परमाणु हथियारों का परीक्षण नहीं करेगा।

रूस ने पश्चिम देशों को संपत्ति जब्त करने पर परिणामों की दी चेतावनी

मॉस्को, 28 जनवरी (एजेंसियां)। रूस ने पश्चिमी देशों को कहा है कि विदेशों में उसकी संपत्तियों को जब्त करने के किसी भी प्रयास का जवाब दिया जाएगा।

रूस के विदेश मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। रूस की न्यूज एजेंसी आरआईए नोवोस्ती ने विदेश मंत्रालय के हवाले से कहा, हमने विदेशों में रूसी संपत्ति के संबंध में पश्चिमी देशों द्वारा उठाए गए एकतरफा जबरदस्ती उपायों की अवैधता के बारे में एक से अधिक बार बात की है। हमने बार-बार नोट किया है कि रूसी संघ की संपत्ति की जब्ती गैरकानूनी है और राज्यों की संप्रभु समानता सहित, अंतरराष्ट्रीय कानून के मौलिक सिद्धांतों और मानदंडों का उल्लंघन करती है।

मंत्रालय ने कहा कि इस तरह की कार्रवाइयां संप्रभु अचल संपत्ति पर एक ज़बरदस्ती अतिक्रमण और राज्यों के एक समूह द्वारा दूसरे की संपत्ति की सीधे- सीधे चोरी है। इसके साथ ही मंत्रालय ने कहा, पश्चिम के देश सामूहिक रूप से यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि रूसी अचल संपत्ति, साथ ही अन्य संपत्तियों को जब्त करने के उनके किसी भी प्रयास को अनिवार्य रूप से पर्याप्त और प्रभावी प्रतिक्रिया मिलेगी।

अमेरिका ने तुर्किए को एफ-16 लड़ाकू विमान बेचने की मंजूरी दी

वाशिंटन, 28 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका ने तुर्किए को एफ-16 लड़ाकू जेट की बिक्री को मंजूरी दी है। इस सप्ताह तुर्किए की संसद द्वारा स्वीडन की उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की सदस्यता को मंजूरी देने के बाद अमेरिका ने इस देश को एफ-16 लड़ाकू विमान की बिक्री को मंजूरी दी है।

■ 23 अरब डॉलर के समझौते के बारे में सूचित किया

अमेरिकी विदेश विभाग ने कांग्रेस को नाटो सहयोगी तुर्किए को युद्धक विमान और ग्रीस को 8.6 अरब डॉलर के उन्नत एफ-35 लड़ाकू विमान बेचने के 23 अरब डॉलर के समझौते के बारे में शुक्रवार को सूचित किया।

अल जज़ीरा की रिपोर्ट के अनुसार, यह समझौता तुर्किए द्वारा स्वीडन के नाटो में शामिल होने के लिए वाशिंगटन में अपना 'अनुमोदन पत्र' प्रस्तुत करने और कई प्रमुख कांग्रेस सदस्यों द्वारा अपनी आपत्तियां उठाने के बाद आया है। तुर्किए ने अक्टूबर 2021 में एफ-16 विमान का अनुरोध किया था, लेकिन स्वीडन की नाटो बोली को मंजूरी देने में अंकारा की देरी ने कांग्रेस की मंजूरी में बाधा उत्पन्न की थी। एक रिपोर्ट के अनुसार, 20 महीने के बाद, तुर्किए संसद ने स्वीडन की बोली को मंजूरी दे दी, और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने कांग्रेस से बिना किसी देरी के एफ-16 बिक्री को मंजूरी देने का आग्रह किया। डेमोक्रेटिक सांसद बेन कार्डिन ने कहा, एफ-16 विमान खरीदने के तुर्किए के अनुरोध को मेरी मंजूरी स्वीडन की नाटो सदस्यता के लिए तुर्किए की मंजूरी पर निर्भर है। लेकिन कोई गलती न करें- यह कोई ऐसा निर्णय नहीं था जिस पर मैं आसानी से सहमत हुआ। संबंध समिति, उन चार प्रमुख समितियों में से एक है जो हथियारों के हस्तांतरण को मंजूरी देने के लिए आवश्यक है।

राहत फतेह के हमले के वीडियो की शीघ्र होगी जांच

लंदन, 28 जनवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन के 'ब्रिटिश एशियन ट्रस्ट' ने जानेमाने पाकिस्तानी गायक राहत फतेह अली खान के हाल के मारपीट के वीडियो वायरल होने के संदर्भ में कहा है कि दुर्व्यवहार के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए मामले की शीघ्र ही जांच का आदेश दिया जायेगा। समाचार पत्र 'डेली मेल' ने कहा कि पाकिस्तानी गायक घरेलू हिंसा विरोधी ब्रिटिश एशियन ट्रस्ट के राजदूत है। उनका एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें वह बैंड के एक सदस्य को थप्पड़ मारते और पीटते हुए दिख रहे हैं।

किंग चार्ल्स तृतीय द्वारा स्थापित हिंसा विरोधी ट्रस्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक बयान जारी करके कहा, हम दुर्व्यवहार के सभी आरोपों को गंभीरता से लेते हैं और हम इसकी तत्काल जांच करेंगे। विडियों में गायक को एक व्यक्ति पर थप्पड़, लात और जूते से हमला करते हुए देखा गया है, जबकि व्यक्ति ने उनसे ऐसा नहीं करने की विनती कर रहा है। यह हमला पिछले साल टेक्सास के ह्यूस्टन में हुआ था। मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए गायक ने शनिवार रात इस विवाद पर प्रतिक्रिया दी और सफाई दी कि मामला वास्तव में वैसा नहीं था जैसा कि वीडियो में दिखाया गया है। इस बीच, उस व्यक्ति, जिसकी वीडियो में पिटाई हो रही है,और जो गायक का छात्र बताया जा रहा है, ने कहा कि वायरल वीडियो में उल्लिखित बोतल में आध्यात्मिक नेता द्वारा दिया गया जल था जो उससे खो गया था। मारपीट विवाद पर गायक के तथाकथित छात्र ने कहा, वह मेरे पिता जैसे हैं, मेरे शिक्षक हैं। परमेश्वर जानता है कि वह हमसे कितना प्यार करते हैं। जिसने भी ऐसा किया है, वह मेरे शिक्षक को बदनाम करने के लिए उन्हें ब्लैकमेल कर रहा है।

हौथी हमलों के बाद माल ढुलाई आधी हुई

लंदन, 28 जनवरी (एजेंसियां)। यमन के हौथी विद्रोहियों ने जब से लाल सागर में मालवाहक जहाजों पर हमले शुरू किए हैं, उसके बाद से स्वेज नहर से माल ढुलाई लगभग आधी हो गई है। स्काई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, प्रमुख शिपिंग लेन एशिया-प्रशांत क्षेत्र और पश्चिमी बाजारों में उत्पादकों को जोड़ती है और लंबे, वैकल्पिक रास्तों के कारण देरी और लागत में वृद्धि हुई है। स्काई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यूनाइटेड नेशन कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड एंड डेवलपमेंट (यूएनसीटीएडी) ने कहा कि पिछले दो महीनों में नहर का उपयोग करने वाले जहाजों की संख्या में 39 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिससे माल ढुलाई टन भार में 45 प्रतिशत की गिरावट आई है। एजेंसी के व्यापार लॉजिस्टिक्स प्रमुख जैन हॉफमन ने कहा कि तीन प्रमुख वैश्विक व्यापार मार्ग बाधित हो गए हैं -- रूस का यूक्रेन पर हमला करने के बाद काला सागर का मार्ग, सूखे के कारण कम जल स्तर के चलते पनामा कनाल और अब सुएज कनाल।

समझौता थाई विदेश मंत्रालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दी जानकारी

थाईलैंड और चीन के बीच वीजा-मुक्त यात्रा संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर

बैंकॉक, 28 जनवरी (एजेंसियां) थाईलैंड के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री पारनप्री बहिद्धा-नुकारा और चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने दोनों देशों के नागरिकों के लिए 30 दिन तक के पारस्परिक वीजा-मुक्त यात्रा से संबंधित एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं।

थाई विदेश मंत्रालय ने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। उसने बताया कि श्री पारनप्री बहिद्धा-नुकारा और श्री वांग यी ने थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में थाईलैंड सरकार और चीन सरकार के बीच साधारण पासपोर्ट और सार्वजनिक मामलों के पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा छूट से संबंधित आपसी समझौते पर हस्ताक्षर किये। मंत्रालय ने स्थानीय और मान्यता प्राप्त विदेशी मीडिया के लिए जारी एक अलग बयान में बताया कि समझौते के लिए हस्ताक्षर समारोह बैंकॉक में थाई विदेश मंत्रालय भवन के नाराथिप रिसेप्शन हॉल में आयोजित किया गया। यह समझौता एक मार्च से प्रभावी होगा।समझौते के तहत प्रति वर्ष 30 दिन तक की तीन वीजा-मुक्त यात्राओं का प्रावधान है, लेकिन यह सीमा स्थायी निवास, रोजगार, अध्ययन, पत्रकारिता कार्य और अन्य यात्राओं पर लागू नहीं होती है। इन यात्राओं के लिए भाग लेने वाले देशों के अधिकारियों से विशेष परमिट की आवश्यकता होती है।चीन के विदेश मंत्री 25 से 29 जनवरी तक थाईलैंड की राजकीय यात्रा पर हैं। यात्रा के दौरान, प्रोटोकॉल के तहत दोनों देशों के अधिकारियों ने पिछले साल हस्ताक्षरित सहयोग को गहरा करने के एक बैठक की।मंत्रियों ने 2025 में राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ मनाने से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा की।बैंकॉक में श्री वांग ने अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन से भी मुलाकात की।

चीन-अमेरिका राजनयिक संबंधों की 45वीं वर्षगांठ पर समारोह आयोजित

बीजिंग। अमेरिका के लॉस एंजिल्स में चीनी महावाणिज्य दूतावास ने 26 जनवरी को चीन और अमेरिका के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 45वीं वर्षगांठ मनाने के लिए एक सत्कार समारोह आयोजित किया, जिसमें चीन और अमेरिका के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 400 लोगों ने भाग लिया। लॉस एंजिल्स में चीनी महावाणिज्य दूत क्को शाओछुन ने भाषण देते हुए कहा कि चीन-अमेरिका संबंध दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संबंध है। पारस्परिक सम्मान, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और उभय-जीत सहयोग चीन-अमेरिका संबंधों के इतिहास से निकाले गए मूल्यवान अनुभव हैं। नए युग में वे चीन और अमेरिका के लिए सही ढंग से आगे बढ़ने का मौलिक तरीका और संयुक्त प्रयासों की दिशा हैं।

दुनिया को जानें

ईरान ने अंतरिक्ष में तीन सैटेलाइट प्रक्षेपित किए

तेहरान, 28 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान ने रविवार को कहा कि उसने अपने अंतरिक्ष इतिहास में पहली बार एक साथ तीन स्वदेश निर्मित उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजा। यह जानकारी ईरानी छात्र समाचार एजेंसी (आईएसएनए) ने दी। उपग्रहों को पृथ्वी की सतह से न्यूनतम 450 किलोमीटर की ऊंचाई पर एक अण्डाकार कक्षा में प्रक्षेपित किया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि तीन उपग्रहों में एक संचार और अनुसंधान उपग्रह, महडा और दो नैनो उपग्रह, कीहान-2 और हतेफ-1 शामिल हैं और उन्हें सेमनान के केंद्रीय प्रांत से स्वदेश निर्मित प्रक्षेपण वाहन सिमोर्ग (फीनिक्स) द्वारा प्रक्षेपित किया गया। महडा का प्राथमिक उद्देश्य कई कार्यों में सिमोर्ग के प्रदर्शन का आकलन करना और अंतरिक्ष में नए डिजाइन और प्रौद्योगिकियों का मूल्यांकन करना है। रिपोर्ट में कहा गया कि अन्य दो उपग्रह वैश्विक स्थिति और संचार प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित करेंगे। बीस जनवरी को, ईरान ने स्वदेश निर्मित हल्के वजन वाले 47-किलोग्राम वजन वाले सोराया नामक अनुसंधान और दूरसंचार उपग्रह के प्रक्षेपण की घोषणा की थी, जिसमें घरेलू क्यूम-100 तीन-चरण ठोस-ईंधन प्रक्षेपण वाहन का उपयोग किया गया था।

वर्ग पहेली-6449

१ अ	प	२ हा	र	३ क	■	४ प	थ	५ क	र
भि	■	ज	■	६ स	म	क्ष	■	र्क	■
७ ला	ग	त	■	म	■	८ पा	ठ	शा	९ ला
षा	■	मं	■	१० सा	बि	त	■	■	क्षा
■	११ ब	द	१२ ल	ना	■	■	१३ प्र	लो	भ
■	ल	■	क्ष	■	१४ आ	दि	त्य	■	व
१५ नि	वा	१६ र	ण	■	दे	■	१७ य	१८ व	न
के	■	स	■	१९ रो	श	२० नी	■	त्स	■
२१ त	बा	ही	■	च	■	२२ ति	जा	र	२३ त
न	■	२४ न	स	क	टा	■	■	■	र्क

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

प्रादेशिकी

सीएम धामी ने पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 109वां संस्करण सुना

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजपुर रोड स्थित जाखन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 109 वां संस्करण सुना। मुख्यमंत्री ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देशवासियों के ऐसे प्रयासों को सामने लाया जा रहा है,जो निस्वार्थ भावना के साथ समाज और देश को सशक्त करने का काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने आज पद्म सम्मान प्राप्तकर्ताओं का जिक्र किया। पद्म पुरस्कार पाने वाले अधिकतर लोग, अपने-अपने क्षेत्र में काफी अनूठे काम कर रहे हैं। महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रधानमंत्री स नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में काफी तेजी से कार्य हुए हैं।

खुद को भगवान विष्णु का 11वां अवतार समझते हैं मोदी : खड़गे

- केन्द्र की भाजपा सरकार पर जमकर बरसे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष
- बोले राहुल गांधी पीएम मोदी की उड़ा रहे नींद
- न्याय यात्रा से घबराई भाजपा सरकार

देहरादून, 28 जनवरी (देशबन्धु)। उत्तराखंड में कांग्रेस की बड़ी रैली को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सरकार को जमकर घेरा। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा मोदी खुद को विष्णु का अवतार समझते हैं। वे भगवान विष्णु के 10 अवतारों के बाद अब 11 वां अवतार बनने निकले हैं। मोदी जी में क्रेडिट लेने की होड़ है।

वे हर काम का क्रेडिट लेते हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा मोदी के सपने में नेहरू, इंदिरा, सोनिया गांधी आते हैं। राहुल गांधी तो पीएम मोदी को सोने नहीं देते हैं। उन्होंने कहा पीएम मोदी कांग्रेस की न्याय यात्रा से घबरा गये हैं। असम में उनकी यात्रा में गड़बड़ करने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कन्याकुमारी से कश्मीर तक न्याय जोड़ों यात्रा में ऐसा कहीं नहीं हुआ जैसा असम में हुआ। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कार्यकर्ता कांग्रेस की ताकत है। उन्होंने कहा कांग्रेस ने देश की आजादी और एकता के लिए बलिदान दिया। आगे भी कांग्रेस डटकर ऐसे लोगों का सामना करेगी। खरगे ने कहा कि हमारी नेता इंदिरा गांधी ने देश को एक रखने के लिए अपनी जान दी। राजीव गांधी ने जान दी। मैं भाजपा सरकार और उनकी पार्टी से पूछता हूं कि आजादी के लिए आपके कितने लोग जेल गए, कितने बर्बाद हुई। कितनों ने अपने घरबार छोड़ा। कांग्रेस के लोग फांसी पर चढ़े हैं। आप संपत्ति जमा कर रहे हो। उनके घर का कोई व्यक्ति कभी आजादी के लिए नहीं मरा। अंग्रेजी हुकूमत में जब गांधी जी ने भारत छोड़ो का बीड़ा उठाया तो इनके लोग अंग्रेजी सरकार में नौकरी पर लगे।

इससे पूर्व यहां जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सबसे पहले देरी से पहुंचने के लिए जनता से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि देरी इसलिए हुई क्योंकि आजकल उड़ने के लिए भी मोदीजी की परमिशन लेनी पड़ती है। फिर हेलिकॉप्टर में चढ़ने, उतरने, हेलिकॉप्टर लैंडिंग में भी उनकी परमिशन लेनी पड़ती है। वो हम सबको सताते हैं। ताकि लोग लंबा इंतजार करके हमारे भाषण के समय चले जाएं। हमें ऐसी सरकार को हटाना है। आप उत्तराखंड के लोग हिम्मत वाले हैं। पूरे देश को बचाने वाले हैं।

कांग्रेस ने देश के लिए दिया बलिदान

मल्लिकार्जुन खड़गे कहा पीएम मोदी कांग्रेस की न्याय यात्रा से घबरा गये हैं। असम में उनकी यात्रा में गड़बड़ करने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कन्याकुमारी से कश्मीर तक न्याय जोड़ों यात्रा में ऐसा कहीं नहीं हुआ जैसा असम में हुआ। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कार्यकर्ता कांग्रेस की ताकत है। उन्होंने कहा कांग्रेस ने देश की आजादी और एकता के लिए बलिदान दिया। आगे भी कांग्रेस डटकर ऐसे लोगों का सामना करेगी।

बूथ स्तर तक के सभी कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल

बता दें कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कार्यक्रम के लिए भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता देहरादून स्थित बन्नू स्कूल ग्राउंड में पहुंचे। कार्यक्रम को भव्य और सफल बनाने के लिए बूथ स्तर तक के सभी कार्यकर्ताओं को बुलाया गया। कार्यक्रम प्रदेश के कोने-कोने व दूर दराज से लोग मल्लिकार्जुन खड़गे को सुनने के लिए देहरादून पहुंचे।

खड़गे को देहरादून दौरा एतिहासिक: महारा

बीते दिन कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की थी। जिसमें उन्होंने आज के दिन को उत्तराखंड कांग्रेस के लिए एतिहासिक बताया था। साथ ही कहा था कि मल्लिकार्जुन खड़गे देहरादून में आयोजित विराट कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंच रहे है। जिससे कार्यकर्ताओं में भारी जोश है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के देहरादून आने से पार्टी कार्यकर्ताओं में नया जोश भर गया है।

दून में चोरी की चार घटनाओं का खुलासा

- गिरफ्तार सभी चोर सपेरा जाति के
- मांग कर करते है रैकी, रात को देते है घटना को अंजाम

देहरादून, 28 जनवरी (देशबन्धु)। दून पुलिस ने थाना रानीपोखरी क्षेत्र व थाना डोईवाला क्षेत्र में हुई चार चोरियों का खुलासा किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी किए गए चोरी के सोने चांदी के आभूषण व नगदी बरामद की है। पुलिस ने चोरी को न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

हरीश मोहन डबराल ने उनके घर मे घुसकर अलमारी के लॉकर से चांदी व सोने के आभूषण और नकदी आदि चोरी किये जाने के सम्बन्ध मे दी गयी तहरीर दी, दूसरी तहरीर प्रदीप कुमार बड़थ्वाल ने घर का अज्ञात चोरो के ताला तोडकर घर मे रखे 70 हजार रूपये नगद व सोने व चाँदी के अभूषण तथा एक मोबाइल फोन चोरी किये जाने के सम्बन्ध में दी, सुमन प्रकाश ने घर से नगदी व सोने व चाँदी के जेवरात आदि चोरी किये जाने पर तहरीर दी तथा दिनेश कुमार ने उनके घर पर अज्ञात चोरों के ज्वैलरी व 20 हजार रुपये नगद व अन्य सामान चोरी करने की तहरीर दी जिसक पर थाना रानीपोखरी व डोईवाला में चोरी का मुकदमा दर्ज किया गया।

कोतवाली डोईवाला तथा थाना रानीपोखरी की संयुक्त पुलिस टीमों का गठन कर उन्हें कडे दिशा-निर्देश निर्गत किये गये। गठित पुलिस टीम ने सर्वप्रथम इस प्रकार के अभियोगों मे पूर्व में सलिप्त रहे तथा जेल गये अभियुक्तो की वर्तमान स्थिती के लिए सत्यापन अभियान चलाया गया, साथ ही घटना स्थलों का मुआयना कर उनके आस-पास लगे लगभग 500 से 600 सीसीटीवी कैमरों की फुटेजों का बारीकी से निरीक्षण किया, इसके साथ ही मैनुअल पुलिसिंग की सहायता से सुरागरसी-पतारसी करते हुए स्थानीय मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया। इसके अतिरिक्त सभी थाना क्षेत्रो मे लगातार सघन चैकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस टीम के किये जा रहे निरन्तर प्रयासों के परिणाम स्वरूप जौलीग्रान्ट एयरपोर्ट के निकट भूमिया मन्दिर के पास से मुखबिर खास की सूचना के आधार पर संयुक्त पुलिस टीम ने सघन चैकिंग अभियान के दौरान चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले आरोपियों रोहित उर्फ पिलीया, अजय, नौशाद नाथ, रचित नाथ व अल बख्श को चोरी किये गये आभूषणों व नगदी के साथ गिरफ्तार किया। विवेचक ने अभियोग मे धारा 411 भादवि की वृद्धि की गयी। पूछताछ करने पर गिरफ्तार चोरों ने बताया गया कि वे सभी सपेरा जाति के है, जिसमे 2 पथरी हरिद्वार एवं 3 सपेरा बस्ती भानियावाला के निवासी है।

सार संक्षेप

प्रशासन की कार्रवाई के दौरान दो क्लीनिक सील

हल्द्वानी। स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन की कार्रवाई के बाद भी कई ऐसे क्लीनिक हैं जो अवैध तरीके से चला रहे हैं। क्लीनिक के नाम पर डॉक्टर लोगों के जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह ने ऐसे क्लीनिक के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की। वनभूलपुरा लाइन नंबर 17 और इंदिरा नगर क्षेत्र में अवैध रूप से चल रहे दो क्लीनिक को सील किया गया है। सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह स्वास्थ्य विभाग के टीम के साथ पहुंची, जहां पर उन्होंने क्लीनिक पर कागजात चेक किए, लेकिन मौके पर क्लीनिक चला रहे संचालक वैध कागजात नहीं दिखा पाए। जिसके बाद सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह ने तत्काल दोनों क्लिनिक को सील कर दिया है। उन्होंने बताया कि उनको इस संबंध में शिकायत मिल रही थी कि वनभूलपुरा और इंदिरा नगर क्षेत्र में अवैध तरीके से क्लीनिक चल रहे हैं। जिससे लोगों के जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। शिकायत के बाद दोनों क्लीनिकों पर छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान संचालक के पास क्लीनिक चलाने से जुड़े कोई भी वैध कागजात मौके पर नहीं मिले, ऐसे में नियम अनुसार कार्रवाई करते हुए दोनों क्लीनिक को सील कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अवैध तरीके से संचालित क्लीनिक या मेडिकल स्टोर चलाने वालों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही लोगों से इलाज के लिए झोलाछाप डॉक्टरों के चंगुल में ना फंसने की अपील की और लोगों को सरकारी अस्पताल में अपना इलाज कराने को कहा।

सेवा सप्ताह के अंर्तगत मंत्री जोशी बांटी सिलाई मशीन

मसूरी। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने राधा कृष्ण मंदिर को 6 एसी यानी एयर कंडीशनर और क्यारकुली भट्टा गांव की महिला समूह को 10 सिलाई मशीन सौंपी। इस दौरान मंत्री जोशी अपने पुराने दिनों को याद कर भावुक हो गए। जोशी ने कहा कि उन्होंने गरीबी को बहुत करीब से देखा है, वो चाहते हैं कि वो अपना जन्मदिन गरीब लोगों के साथ मनाकर उन्हें विभिन्न माध्यम से मदद कर सकें। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि राधा कृष्ण मंदिर के सभागार के लिए 6 एसी दिए गए हैं। जिससे यहां पर गरीब परिवारों की कन्याओं की शादी समेत अन्य समारोह में गर्मी के समय में परेशानी नहीं होगी। वहीं, महिला समूह की बहनों को सिलाई मशीन दी गई है। ताकि, वो आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने कि वो अपने अतीत को नहीं भूलते हैं। उन्होंने गरीबी बहुत नजदीक से देखी है। कई बात खाली पेट भी सोए हैं तो टपकता हुआ मकान भी देखा है। आज जनता के आशीर्वाद से वो विधायक और मंत्री बने हैं। ऐसे में उनकी कोशिश रहती है, वो हर समय लोगों की सेवा करते रहें।

सुडोकू 6450 का हल

5	8	7	1	4	2	6	9	3
3	4	2	7	9	6	8	5	1
9	1	6	5	3	8	2	4	7
1	9	4	2	7	5	3	8	6
8	2	5	3	6	4	1	7	9
7	6	3	9	8	1	5	2	4
4	3	1	8	5	9	7	6	2
6	7	8	4	2	3	9	1	5
2	5	9	6	1	7	4	3	8

भाजपा विधायक दल के दबाव में सरकार ने जारी की विधायक निधि : रणधीर

- नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने इस मुद्दे पर सरकार के खिलाफ खोला था मोर्चा
- भाजपा विधायक दल की बैठक 29 जनवरी को होगी

शिमला, 28 जनवरी (देशबन्धु)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं विधायक दल के सचिव रणधीर शर्मा ने कहा कि भाजपा विधायक दल के दबाव के चलते आखिर वर्तमान कांग्रेस सरकार ने विधायक क्षेत्र विकास निधि योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 की अंतिम किस्त जारी करदी है। यह निर्णय सरकार ने पूर्ण रूप से भारतीय जनता पार्टी के विधायक दल के दबाव में आकर लिया।

उन्होंने कहा की प्रदेश सरकार द्वारा विधायक क्षेत्र विकास निधि की अंतिम किस्त अब तक जारी नहीं हुई थी इसको लेकर नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने बड़ा मोर्चा खोल था। सबकुछ बंद करने के बाद अब सरकार ने विधायकों की निधि भी बंद कर दी है । इसलिए भाजपा विधायकों ने वर्चुअली बैठक कर निर्णय लिया था कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली विधायक प्राथमिकता बैठक में विरोध स्वरूप भाजपा के 25 विधायक शामिल नहीं होंगे। अगर ऐसा हुआ, तो यह हिमाचल प्रदेश के इतिहास में यह पहली बार होगा। इसलिए जयराम ठाकुर ने मांग की थी की सरकार 28 जनवरी तक विधायक क्षेत्र विकास निधि जारी करे। अन्यथा 29 व 30 जनवरी को होने वार्षिक प्लानिंग बैठको में भाजपा विधायक भाग नहीं लेंगे।

रणधीर शर्मा ने कहा कि जैसे विधायक निधि की किस्त जारी कर दी गई है और इसके उपरांत भाजपा के सभी विधायक वार्षिक योजना बैठको में नियमित रूप से भाग लेंगे और अपने-अपने क्षेत्र की प्राथमिकताओं को सरकार के समक्ष रखेंगे।

उन्होंने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की विधायक दल की बैठक 29 जनवरी 2024 को शाम 7 बजे सर्किट हाउस शिमला में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर की अध्यक्षता में प्रारंभ होगी। इस बैठक में 14 फरवरी से प्रारंभ होने वाले विधानसभा सत्र को लेकर विस्तृत चर्चा भी की जाएगी और एक ठोस रणनीति भी तय की जाएगी।

मुख्यमंत्री से बोले शिवचरण, आपके कारण ही जीवित है मेरा परिवार

- मुख्यमंत्री ने सरकार गांव के द्वार कार्यक्रम के दौरान पंजोआ में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से किया संवाद

शिमला, 28 जनवरी (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने चिंतपूर्णी विधानसभा क्षेत्र के पंजोआ में 'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम के दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से सीधा संवाद किया। प्राकृतिक आपदा विशेष राहत पैकेज के लाभार्थी शिवचरण ने मुख्यमंत्री से कहा कि उनके परिवार पर बड़ी विपदा आ गई थी। आपदा में उनका सब कुछ बर्बाद हो गया था। शिवचरण ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अगर प्रदेश सरकार ने आपदा के समय उनके परिवार की सहायता नहीं की होती तो आज उनका परिवार जीवित नहीं होता। विशेष राहत पैकेज के अन्य लाभार्थी बाल किशन ने कहा कि आपदा में मेरा मकान गिर गया था। प्रदेश सरकार ने राजस्व विभाग के माध्यम से राहत पैकेज के तहत तीन लाख रुपये की राशि प्रदान की है, जिस कारण मैंने मकान का काम आरम्भ कर दिया है। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री व प्रदेश सरकार का आभारी हूं। वहीं, विशेष राजस्व अदालत के तहत शीघ्र इंतकाल होने पर सुखदेव सिंह ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की मुहिम से काफी लोग लाभान्वित हुए हैं। मेरा इंतकाल भी काफी समय से लम्बित था। जसपाल सिंह ने सरकार गांव के द्वार कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि उनका इंतकाल भी तुरंत हो गया।

मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना की लाभार्थी समीक्षा भाटिया ने कहा कि मुझे अपना जीवन अंधकारमय लग रहा था। आपने मुख्यमंत्री बनने के बाद सुख आश्रय योजना लागू की, जिससे मुझे सुख का अहसास हो रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने मेरा दाखिला एलएलबी में करवाया और मुझे योजना के तहत सभी लाभ मिल रहे हैं। सुख आश्रय योजना का लाभ ले रहे अभिषेक ने बताया कि उनका दाखिला महिला एवं बाल विकास विभाग ने बी-फार्मा में करवा दिया है। योजना के आरम्भ होने से पहले हम अकेला व असहाय महसूस कर रहे थे। मेरी दो बहनें भी हैं, जिनमें से एक जीएनएम कर रही है। अब हम चिंतामुक्त जी रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुख आश्रय योजना के तहत वर्तमान राज्य सरकार 18 वर्ष तक के अनाथ बच्चों को 2500 रुपए प्रति माह तथा 27 वर्ष तक के बच्चों को 4 हजार रुपए पॉकेट मनी के रूप में दे रही है।

बारिश व बर्फबारी न होने से जैव विविधता प्रभावित, 26 जड़ी बूटियों पर खतरा

श्रीनगर, 28 जनवरी (देशबन्धु)। उत्तराखंड में इस वर्ष सर्दियों में अभी तक पहाड़ी इलाकों में एक दिन भी बारिश नहीं हुई है। इससे दिन के समय अन्य वर्षों की अपेक्षा गर्मी बढ़ी है। मौसम शुष्क हुआ है। इस कारण हिमालय की जैव विविधता बुरी तरह से प्रभावित हुई है। कम बर्फबारी के कारण इस वर्ष बुरांस का फूल भी फरवरी, मार्च के बजाय जनवरी माह में खिल गया है। साथ में 26 से अधिक हिमालयी रीजन में पाई जाने वाली जड़ी बूटियों के प्रजनन चक्र पर बुरी तरह प्रभाव पड़ने से इनका अस्तित्व भी संकट में आ गया है। उत्तराखंड में एक प्यारा सा बुरांस का फूल खिलता है। इस साल बुरांस वक्त से पहले ही जनवरी माह में ही खिल गया है। इसके पीछे की सबसे बड़ी वजह मौसम में बढ़ी गर्मी है। बारिश और कम बर्फबारी होने के कारण बुरांस का फूल भी वक्त से पहले फरवरी, मार्च के बजाय इस साल जनवरी में ही खिल गया है। वैज्ञानिक इससे चिंता में पड़ गए हैं। मात्र बुरांस ही इस गर्मी का शिकार नहीं हो रहा है। इसके अतिरिक्त भी 26 से अधिक जड़ी बूटियों के भी प्राण संकट में आ गए हैं। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केन्द्रीय विवि के उच्च शिखरीय पादप शोध संस्थान में डायरेक्टर डॉक्टर विजय कांत पुरोहित का कहना है कि इस वर्ष पिछले 6 माह से बारिश नहीं हुई है.इसके अतिरिक्त बर्फबारी भी कम हुई है। इस कारण मौसम में गर्मी बढ़ने के कारण बुरांस, फ्योंली जैसे फूल भी वक्त से पहले ही खिल गए हैं। इसके अतिरिक्त उच्च हिमालय में पाई जाने वाली जटामासी, कुटकी, चोरी, ब्रह्मकमल जैसी 26 से अधिक जड़ी बूटियों पर भी इसका प्रभाव पड़ा है। बर्फबारी ना होने के कारण इनके प्रजनन में असर पड़ा है।

सशक्त भू-कानून समेत कई मांगों को लेकर निकाली महारैली

हल्द्वानी, 28 जनवरी (देशबन्धु)। उत्तराखंड में मूल निवास कानून लागू करने और इसकी कट ऑफ डेट 26 जनवरी 1950 घोषित किए जाने और प्रदेश में सशक्त भू-कानून लागू किए जाने की मांग को लेकर हल्द्वानी में महारैली निकाली गई। उत्तराखंड मूल निवास स्वाभिमान महारैली में कुमाऊं भर से भारी संख्या में युवाओं समेत तमाम सामाजिक संगठनों के लोग बुद्ध पार्क में जुटे। मूल निवास, भू-कानून समन्वय संघर्ष समिति के तत्वावधान में आयोजित महारैली में सामाजिक और राजनीतिक संगठनों से अपना समर्थन दिया।

बुद्ध पार्क में प्रदर्शन के दौरान विभिन्न संगठन कार्यकर्ताओं ने कहा कि उत्तराखंड राज्य बनने के बाद भी स्थानीय लोगों को कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। उल्टा राज्य के मूल निवासियों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। साथ ही खुद के घर में ही नौकरों के लिए तरसना पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जल, जंगल और जमीन हमारी पूंजी हैं। उस पर बाहरी तत्व कब्जा कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हिमाचल की तर्ज पर प्रदेश में सशक्त भू-कानून लागू किया जाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि प्रदेश में काफी समय से भू-कानून की मांग की जाती रही है। नियमों की अनदेखी कर यहां औने-पौने दाम में जमीनों को खरीद कर उसमें होटल-रिजॉर्ट बनाए जाते रहे हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान युवाओं ने सशक्त भू-कानून और मूल निवास की मांग जोरशोर से उठाई थी। उत्तराखंड में मूल निवास कानून लागू करने और इसकी कट ऑफ डेट 26 जनवरी 1950 घोषित किए जाने और प्रदेश में सशक्त भू-कानून लागू किए जाने की मांग को लेकर देहरादून के बाद हल्द्वानी में महारैली का आयोजन किया गया है। जिसे लोगों का भारी समर्थन मिला है। महारैली को लेकर सुरक्षा की दृष्टि से भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई। इसके अलावा जुलूस प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने वाहनों के रूट को डायवर्ट भी किया।

यूथ आइकन है पीएम मोदी : जयराम

शिमला, 28 जनवरी (देशबन्धु)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने भाजपा मुख्यालय दीपकमाल चक्कर शिमला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात सुनी। भारतीय जनता पार्टी के नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा चलाए गए कार्यक्रम मन की बात एक ऐसा प्लैटफॉर्म है जहां पर पूरे देश के अलग-अलग क्षेत्र में काम करने वाले लोग जिन्हें एक्सपोज़र नहीं मिला, पहचान नहीं मिली। इस मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से एक बहुत बड़ा प्लैटफॉर्म प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उपलब्ध कराया है, जहाँ उनकी पहचान पूरे देश के साथ हुई।

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम जिस प्रकार से अब एक नियमित व्यवस्था के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण स्थान जो भारतीय जनता पार्टी के तक ही सीमित नहीं रह गया अपितु देश के हर नागरिक तक यह कार्यक्रम पहुँच गया और हर नागरिक मन की बात का इंतजार करते है कि महीने के अंतिम रविवार के दिन 11:00 बजे मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संबोधन के साथ हमको नई चीज़ की जानकारी देंगे और जानकारी के साथ-साथ नरेन्द्र मोदी का मार्गदर्शन को मिलेगा। उन्होने कहा कि जब से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने है और जैसे आज उन्होने कहा कि एक दशक होने वाला है 10 वर्ष का उनका यह मन की बात का नियमित कार्यक्रम लगातार बिना रुके, बिना टूटे, बिना बाधा के चल रहा है और जिस प्रकार से पूरे देश भर से ऐसे नए-नए हर क्षेत्र से इतनी महत्वपूर्ण जानकारी जो जानकारी शायद जीवन में सहजता और सरलता से हासिल करना कठिन हो वो जानकारियां चाहे वो सांस्कृतिक धरोवर की दृष्टि से है, चाहे पर्यटन की दृष्टि से है, चाहे वो अलग-अलग क्षेत्र में काम करने वाले ऐसे लोगों को जिन्होंने अपना जीवन खपा दिया, लेकिन उन्हें पहचान नहीं मिली। लेकिन एक मिशन के साथ वह काम करते रहे, उनको इस कार्यक्रम के माध्यम से एक बहुत बड़ा प्लैट्फॉर्म अपनी पहचान बनाने के लिए मिला है।

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि मुझे इस बात का उल्लेख करके प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हट करके काम करने वाले स्वभाव के व्यक्ति है। उन्होने कहा कि नया क्या किया जा? बेहतरीन क्या किया जा सकता है? इन सभी चीजों को ले कर वो हमेशा प्रयासरत रहते है। इसीलिए आज यह मन की बात का कार्यक्रम इतना महत्वपूर्ण बन गया है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि एक वक्त में महाभारत का एपिसोड, रामायण का एपिसोड देखने के लिए लोग निर्धारित स्थान पर पहुंचते थे। गांव में जब टेलीविज़न कम हुआ करते थे। परन्तु आज के युग में टेक्नोलॉजी के चलते वह परिस्थिति नहीं है, आज सभी जगह यह सारी चीजें उपलब्ध हैं। उन्होने कहा कि अब तो लोग मोबाइल पर भी देख रहे हैं, चलते हुए गाड़ी में भी सुन रहे हैं, लेकिन इसके बीच जिस प्रकार से आज ध्वनि है दूरदराज के इलाकों में जहाँ टेलीविज़न नहीं है, वहां रेडियो के माध्यम से और जहाँ टेलीविज़न है वहाँ टेलीविजन के माध्यम से।

अगर व्यक्ति एक स्थान पर नहीं है तो वो मोबाइल के माध्यम से इस कार्यक्रम का हिस्सा बन रहे और जयराम ठाकुर ने कहा कि मुझे इस बात की खुशी है कि खासतौर से जो हमारी यूथ यंग जेनरेशन है उन यंग जेनरेशन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक बहुत बड़ा मार्गदर्शन रहता है।

दूसरे दिन थमे रहे टैक्सियों के पहिए, वाहनों के लिए भटकते रहे यात्री

हल्द्वानी, 28 जनवरी (देशबन्धु)। कुमाऊंनी टैक्सी चालक अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। टैक्सी चालकों की हड़ताल से लोगों को आवाजाही में बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पूरे कुमाऊं में करीब 50 से 60 हजार टैक्सियों के पहिये थम गए हैं। टैक्सी चालकों ने ऑटोमेटेड वाहन फिटनेस सेंटर में वाहनों की फिटनेस को लेकर अवैध वसूली किए जाने का विरोध जताया है। टैक्सी चालकों ने 27 जनवरी से हड़ताल का ऐलान किया था।

टैक्सी महासंघ ने नैनीताल जिलाधिकारी और संभागीय परिवहन अधिकारी हल्द्वानी संभाग को पत्र लिखकर फिटनेस सेंटर की शिकायत की है। टैक्सी महासंघ यूनियन के पदाधिकारी मनोज भट्ट ने आरोप लगाया कि फिटनेस सेंटर में कोई भी मानक तय नहीं है, ना ही वाहन मालिक को इसके बारे में जानकारी दी जा रही है। फिटनेस सेंटर परिवहन विभाग से अधिकृत प्रदूषण केंद्रों से जारी प्रमाण पत्रों को अमान्य कर रहे हैं।

टैक्सी चालक महेश पांडे का कहना है कि फिटनेस सेंटर के द्वारा वाहन को पास करने के लिए वाहन स्वामियों से अवैध वसूली की जा रही है। इससे वाहन स्वामियों का आर्थिक शोषण हो रहा है। यही नहीं, निजी फिटनेस सेंटर के द्वारा वाहन के फिटनेस में जाने के दौरान फेल होने पर फिर फिटनेस शुल्क लिया जा रहा है। साथ ही जितनी बार भी वाहन फिटनेस सेंटर में प्रवेश कर रहे हैं, उतनी बार शुल्क लिया जा रहा है। जबकि पूर्व में परिवहन विभाग द्वारा एक ही बार फिटनेस शुल्क लिया जाता था। टैक्सी चालकों ने निजी फिटनेस सेंटर द्वारा उनका शोषण करना बताया है।

प्रादेशिकी

चोरों ने एक रात में तीन घरों में चोरी की घटना को दिया अंजाम

फर्रुखाबाद, 28 जनवरी (देशबन्धु)। एक ही रात में तीन घरों में हजारों की चोरी। सूचना पर कोतवाली पुलिस घटना स्थल पहुंची। कोतवाली क्षेत्र के गांव अताईपुर जदीद निवासी चंद्रशेखर पुत्र रामभरोसे के घर में बीती रात चोरों ने घुसकर कमरे का ताला तोड़ कर अंदर बक्से में रखे सोने के एक जोड़ी कुंडल तथा एक जोड़ी चांदी की तोड़ियां चोरी कर ले गए। चंद्रशेखर तथा उनकी पत्नी पुष्पा कायमगंज नगर में एक तम्बाकू के गोदाम में काम करते हैं सूचना पर पति पत्नी घर पहुंचे तथा इसकी जानकारी दी। आस पड़ोस के लोगों ने बताया कि डायल 112 पुलिस भी आयी थी। उन्होंने कहा कि सर्दी की वजह से चोरों ने घटना को अंजाम दिया है इससे पहले भी चोरी की कई घटनाएं हो चुकी है। आए दिन हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीण दहशत में हैं।

रामनगरी के 2.97 लाख से अधिक घरों तक नल से जल पहुंचाने की सारथी बनी सरकार

लखनऊ, 28 जनवरी (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में यूपी के हर घर तक नल से जल पहुंचाने में योगी सरकार शीर्ष पर है। सूबे के सभी जनपदों में इस दिशा में तेजी से काम भी किया जा रहा है। रामनगरी में भी योगी सरकार दो लाख 97 हजार से अधिक घरों में नल से जल पहुंचाने की सारथी बनी। स्वच्छ पानी से काफी हद तक बीमारियों पर अंकुश लगाया जा सकता है, इसी सोच पर कार्य करते हुए यहां 2203 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट स्वीकृत हो चुके हैं, इनमें से 1793 करोड़ रुपए खर्च कर अयोध्या के घर-घर तक योगी सरकार स्वच्छ जल भी मुहैया करा रही है। साथ ही शेष बचे घरों में भी स्वच्छ जल मुहैया कराने की तैयारी जोरों से चल रही है। यही नहीं, इन कार्यों के जरिए योगी सरकार की प्राथमिकता गांवों में युवाओं को स्किल ट्रेनिंग देकर स्वावलंबी बनाना भी है। योगी सरकार ने अयोध्या को दिव्य-भव्य व नव्य नगरी बना दिया है। प्राण-प्रतिष्ठा के उपरांत यहां पर्यटकों की आमद भी काफी अधिक हो गई है। इस भव्यता के लिए सीएम योगी ने सभी विभागों को लक्ष्य दिया था। पर्यटन हो या संस्कृति, विकास प्राधिकरण हो या नगर निगम, हर विभाग को टास्क देकर उन्हें सर्वोच्च परिणाम देने का निर्देश सीएम योगी की तरफ से दिया गया है। इसी क्रम में अयोध्या में नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से भी युद्ध स्तर पर कार्य किया गया। यहां 3,44,708 ग्रामीण घरों में से 2,97, 788 घरों तक कनेक्शन पहुंच गए हैं। अभी तक 2203 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट अयोध्या के विकास के लिए दिए गए हैं। इसमें से 1793 करोड़ रुपये के कार्य कर इस योजना को मूर्त रूप दिया गया है। महिलाएं खुद ही पानी की शुद्धता की जांच कर सकें। इसके लिए एफटीके (फील्ड टेस्ट किट) से उनकी मदद होगी। सिर्फ रामनगरी की ही बात करें तो अब तक यहां 5515 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। यह महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर पानी की क्वालिटी चेक कर रही हैं। योगी सरकार का उद्देश्य है कि इसके जरिए आमजन को किसी पर आश्रित न रहना पड़े, बल्कि प्रशिक्षित महिलाएं ही इसकी जांच कर मददगार साबित हों। वहीं योगी सरकार की तरफ से ही दो महिला प्लंबर को भी प्रशिक्षित कराया जा चुका है। योगी सरकार अयोध्या के गांवों को युवाओं को स्किल ट्रेनिंग भी दिला रही है। अब तक कुल 10322 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। 1589 प्लंबर, 1588 पंप ऑपरेटर, 1588 इलेक्ट्रिशियन, 1587 मोटर मैकेनिक, 1589 फिटर व 2381 राजमिस्त्री को स्किल ट्रेनिंग दी जा चुकी है। इसके साथ ही अन्य युवाओं को भी इससे जोड़कर स्वावलंबी बनाने और अपने ही जिले में रोजगार मुहैया कराने के संकल्प पर योगी सरकार तेजी से कदम बढ़ा रही है।

- अयोध्या में 55 सौ से अधिक महिलाओं को एफटीके प्रशिक्षित किया गया
- 2203 करोड़ के प्रोजेक्ट स्वीकृत, 1793 करोड़ रुपए खर्च हुए

योगी ने नीतीश कुमार को दी बधाई

लखनऊ। बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनने पर रविवार शाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुभकामनाएं दी हैं। सीएम योगी ने अपने एक्स एकाउंट पर बिहार में नवगठित सरकार को शुभकामनाएं देते हुए नीतीश कुमार और दोनों डिप्टी सीएम को भी बधाई दी है। सीएम योगी ने लिखा है, नीतीश कुमार को बिहार राज्य के मुख्यमंत्री और सम्राट चौधरी एवं विजय सिन्हा को उप मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। पूर्ण विश्वास है कि बिहार में बनी डबल इंजन की सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य में सेवा, सुशासन और विकास के उत्कृष्ट मानक स्थापित करेगी।

नेशनल स्कूल गेम्स प्रतियोगिता के लिए कपिल कान्त फील्ड ऑफिसर नियुक्त

मेरठ, 28 जनवरी (देशबन्धु)। बीपी इंटर कॉलेज के व्यायाम शिक्षक कपिल कान्त को स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इण्डिया की तरफ से 1 फरवरी से 4 फरवरी 2024 तक चलने वाली योगासन 14 वर्षीय बालक/बालिका 67वे नेशनल स्कूल गेम्स प्रतियोगिता जयपुर, राजस्थान में प्रतियोगिता के लिए फील्ड ऑफिसर नियुक्त किया गया है। इससे पूर्व भी 67वीं राष्ट्रीय स्कूल प्रतियोगिता के लिए 2 जनवरी 2024 से 8 जनवरी 2024 तक जयपुर में ही 17 वर्षीय बालिकाओं की कबड्डी प्रतियोगिता के लिए फील्ड आफिसर की भूमिका निभा चुके हैं। वर्तमान में कपिल कान्त बीपी इण्टर कॉलिज भराला में व्यायाम शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं साथ ही उत्तर प्रदेश विद्यालय प्रदेशीय हॉकी टीम के मुख्य चयनकर्ता एवं कोच भी हैं। यह सूचना पाकर विद्यालय का समस्त स्टॉफ, प्रबन्धक मूलचन्द गुप्ता व प्रधानाचार्य नगेन्द्र सिंह ने इस उपलब्धि पर कपिल कान्त को बधाई व शुभकामनाएं दी।

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार पर तेजी से काम कर रही सरकार : पाठक

मेरठ, 28 जनवरी (देशबन्धु)। प्रदेश के हर जनपद में अपना मेडिकल कालेज हो, इसके लिए सरकारी तेजी से काम कर रही है। स्वास्थ सेवाओं के बेहतर बनाकर हर वर्ग को बेहतर स्वास्थ सेवाओं से लाभान्वित करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ने लाला लाजपत राय स्मारक मेडिकल कालेज, मेरठ के स्थापना दिवस के अवसर पर दीक्षान्त समारोह एवं महाविद्यालय वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया के दौरान स्वास्थाओं सेवाओं को लेकर सरकार की मंशा जाहिर करते हुये ये शब्द कहे। मुख्य अतिथि शिरकत कर रहे प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, राज्य मंत्री ऊर्जा सोमेन्द्र तोमर, अजय मालिक, डा संजीव मिश्रा, निदेशक, बाल चिकित्सा अस्पताल एवं स्नातकोत्तर शिक्षण संस्थान, नोएडा प्रो डा ए के सिंह, आयुक्त सेल्वा कुमारी जे, सीडीओ नूपुर गोयल, प्रधानाचार्य डा आरसी गुप्ता, प्रमुख अधीक्षक डा धीरज राज, डा प्रीती सिन्हा एवं एकेडेमिक अवार्ड कमेटी इन्चार्ज डा गौरव गुप्ता ने आमंत्रित विशिष्टि अतिथियों के साथ मिलकर परंपरा के अनुसार दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात् दीक्षान्त समारोह के अन्तर्गत डा. गौरव गुप्ता एवं डा अन्शु टण्डन द्वारा एमबीबीएस के 154 छात्रों एवं स्नातकोत्तर परीक्षा में एमडीएमएस डिप्लोमा कुल 53 छात्रों परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों को प्रस्तुत किया गया, जिन्हें कुलपति महोदय द्वारा उपाधि प्रदान की गई।

- एलएलआरएम मेडिकल कालेज के दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए डिप्टी सीएम
- हर जनपद में मेडिकल कालेज बनाने की डिप्टी सीएम ने दिए संकेत

सार संक्षेप

एमपीएस ग्रुप में धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

मेरठ। मेरठ पब्लिक स्कूल समूह में 75 वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय की सभी शाखाओं के प्रधानाचार्यगणों ने ध्वजारोहण करके तिरंगे को सलामी दी और शांति व एकता के प्रतीक कबूतरों को उड़ाया। इस अवसर पर देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति के गीत गाए गए। गणतंत्र दिवस भारतीय संविधान को अपनाने का प्रतीक है जिसने हमें मौलिक अधिकार और कर्तव्य दिए हैं, इन्हीं अधिकारों से अवगत करवाते हुए एक नुक्कड़ नाटक एवं अन्य रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए । देश भक्ति से परिपूर्ण गीतों की श्रृंखला और राष्ट्रगान ने सभी के हृदय में उत्साह का संचार कर देशप्रेम के भाव में झूमने को बाद्धय कर दिया। प्रधानाचार्यगणों ने अपने संबोधन में स्वतंत्रता सेनानियों और भारतीय संविधान का निर्माण करने वाले महापुरुषों को नमन करते हुए समस्त प्रबंध समिति की ओर से गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी और संविधान में निहित मूल कर्तव्यों का पालन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की समाप्ति पर मिष्ठान वितरण किया गया।

झोलाछाप डॉक्टर के इलाज से किशोर की मौत

फर्रुखाबाद। जिले के कमालगंज थाना क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही से इलाज के दौरान 16 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। जिसकी परिजनों ने डॉक्टर के खिलाफ थाने में शिकायत की है। शिकायत पर पुलिस ने डॉक्टर को हिरासत में ले लिया है और क्लीनिक पर ताला डाल दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कमालगंज थानाक्षेत्र के गांव उगरापुर निवासी राम आसरे कठेरिया के 16 वर्षीय बेटे शिवा को शनिवार दोपहर नहाने के बाद अचानक चक्कर आने लगे। बेटे को तबियत खराब देख परिजन उसको जरारी स्थित एक क्लीनिक ले गए। जहां अंकित वर्मा ने ठीक करने का आश्वासन देकर इलाज शुरु कराया। परिजनों ने आरोप लगाते हुए बताया कि डॉक्टर ने 15 से 20 गुलूकोज की बोतलें चढ़ा दी। हालत में सुधार होने की जगह किशोर की हालत बिगड़ने लगी। इस पर डॉक्टर ने दूसरे अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। वहीं, देर रात ही किशोर की मौत हो गई। डॉक्टर की लापरवाही से किशोर की मौत पर पिता ने डॉक्टर के खिलाफ थाने में शिकायत की। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर डॉक्टर को हिरासत में लेकर क्लीनिक पर ताला डाल दिया।

संस्कार भारती साधारण सभा की बैठक आयोजित

फर्रुखाबाद। कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती की साधारण सभा बैठक का आयोजन किया गया बैठक में गत कार्यवाही की पुष्टि,एक भारत श्रेष्ठ भारत यात्रा की समीक्षा और आगामी कार्यक्रम भरतमुनि स्मृति दिवस को धूमधाम के साथ मनाएं जाने पर विचार विमर्श किया गया। रविवार को नगर के वृंदावन गली स्थित भरतमुनि स्मृति दिवस कार्यक्रम की संयोजक प्रीति तिवारी के निवास पर आयोजित बैठक का शुभारंभ भगवान नटराज का आवाह्न कर संस्था के ध्येय गीत से हुआ।

डिप्टी जेलर बनीं प्रियंका को किया सम्मानित

मवाना, 28 जनवरी (देशबन्धु)। हस्तिनापुर विधानसभा के ग्राम मीवा निवासी प्रियंका का यूपीएससी में 61 वीं रैंक प्राप्त कर डिप्टी जेलर पद पर चयन होने पर क्षेत्र में खुशी की लहर है। रविवार को मीवा पहुंच कर सपा नेता किशोर टांक ने समर्थकों सहित प्रियंका को बाबा साहब की प्रतिमा देकर सम्मान किया। किशोर टांक ने कहा कि प्रियंका ने अपने समाज के साथ ही क्षेत्र का भी नाम रोशन किया है। जल्दी ही प्रियंका को परिवार सहित सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिलाकर सम्मानित किया जाएगा। उनके साथ राष्ट्रीय महासचिव महिला सभा इशरत जहां, मुकेश यादव, संदीप जाटव, मनोज बंसल व डा.आदेश वर्मा आदि मौजूद रहे।

- मीवा गांव की रहने वाली हैं प्रियंका
- यूपीएससी में हसिल की 61वीं रैंक

नगर पालिका के तालाब पर अवैध निर्माण, टीम ने रोका

मवाना, 28 जनवरी (देशबन्धु)। नगर पालिका के सभी सातों तालाबों की भूमि नगर के बीचोबीच होने के कारण जमीन बेशकीमती हो गई है। बेशकीमती जमीन पर चारों ओर बसी घनी आबादी अवैध निर्माण कर कब्जा कर रही है। रविवार को भी मोहल्ला मुन्नालाल तालाब पर अवैध निर्माण को पालिका की टीम ने मौके पर जाकर रूकवाया। तालाबों पर अवैध कब्जा रोकने के लिए नगर पालिका ने सात में से तीन तालाबों के सौन्दर्यीकरण की योजना तैयार की है। सौन्दर्यीकरण होने के बाद पालिका के तालाबों पर कब्जा किये जाने का ममाला थम जायेगा। मवाना नगर में पालिका की आबादी के बीच कुल सात तालाब है। इनमें तीन तालाब ढिकौली कालोनी में, हस्तिनापुर रोड पर पक्का तालाब, एक तालाब मकदूमपुर रोड, एक तालाब फ्लावदा रोड पर और एक तालाब भैंसा रोड पर स्थित हैं। नगर पालिका के रिकार्ड के अनुसार सातों तालाब घनी आबादी के बीचोबीच में होने के कारण तालाब की भूमि बेशकीमती हो गई है। बेशकीमती भूमि के चारों ओर घनी आबादी होने के बाद तालाबों के चारों ओर से अवैध कब्जे होने की घटनाएं बढ़ती जा रही है। रविवार को नगर पालिका परिषद मवाना को सूचना मिली कि मोहल्ला मुन्नालाल जोहड़ पर कुछ लोग अतिक्रमण कर अवैध कब्जा कर रहे हैं। अवैध कब्जा करने के बाद उस पर पक्का निर्माण कराने की तैयारी है। अवैध कब्जे की शिकायत मिलने पर पालिका अध्यक्ष अखिल कुमार कौशिक ने तत्काल पालिका के कर अधीक्षक व वर्क सुपरवाइजर साजिद को उकत अवैध अतिक्रमण को रूकवाये के आदेश आदेश दिये। पालिका कर्मचारियों ने तत्काल मौके पर पहुंच कर अवैध अतिक्रमणकर्ताओं द्वारा कराए जा रहे अतिक्रमण को रुकवाया और रिपोर्ट तैयार कर अधिशासी अधिकारी को दी। टीम में पालिका के कर अधीक्षक अनिल कुमार के साथ पालिका के वर्क सुपरवाइजर मोहम्मद साजिद व कर्मचारी दीपक शामिल रहे। नगर पालिका के कर्मियों ने बताया कि अनके द्वारा अवैध कब्जा करने की रिपोर्ट उच्च अफसरों को दी जाती है लेकिन सक्षम अफसर उनकी रिपोर्ट पर कार्रवाई नहीं करते। रिपोर्ट फाइलों में दबकर रह जाती है। इस कारण कुछ दिनों बाद अवैध कब्जा करने वाले सक्रिय हो जाते है। यही कारण है कि पालिका के तालाब सिकुड़ने लगे हैं। अवैध कब्जा करने वाले कूड़ा डालकर भराव करते है, बाद में उस पर मिट्टी डालकर उस तालाब की भूमि को अपनी भूमि में मिला लेते हैं।

अवैध कब्जा रोकने को बनाई सौन्दर्यीकरण की योजना

मवाना नगर पालिका सीमा में वर्तमान समय में सात तालाब है। इन सात में से तीन तालाबों पर कब्जा रोकने के लिए उनके सौन्दर्यीकरण की योजना बनाई गई है ताकि तालाबों पर अवैध कब्जे नहीं हो सके। इस सम्बंध में नगर पालिका चेयरमैन अखिल कौशिक ने बताया कि ढिकौली कालोनी के तीन में दो तालाबों पर जल्द कार्य शुरू हो जायेंगे। ढिकौली कालोनी के एक तालाब पर 1.31 करोड़ और दूसरे तालाब पर 2.04 करोड़ रुपये से सौन्दयीकरण का कार्य शुरू किया जायेगा। एक तालबाके किनारे पर दुकान बनाकर बाजार बनेगा ताकि ग्रामीण अपना रोजमर्रा का सामान वहीं खरीद सके। तीसरा तालाब फ्लावदा रोड का है, जिसके सौन्दर्यीकरण की योजना पर एक करोड़ रुपये खर्च होगा। उन्होंने बताया कि उसमें भरा पानी निकाला जा रहा है। उसमें जाने वाले पानी को अस्थायी रूप से रोका जायेगा। बाद में उस तालाब का सौन्दर्यीकरण होगा। इस तालाब में पानी भरने की जलभराव वाली परेशानी से करीब हजारों लोगों को फायदा होगा। चेयरमैन के अनुसार बाकी तालाबों पर भी जल्द योजना बनाकर सौन्दर्यीकरण का कार्य कराया जाएगा।

सुभारती विवि परिसर में बिखरेगा युवा महोत्सव का बसंती रंग

मेरठ, 28 जनवरी (देशबन्धु)। भारतीय विश्वविद्यालय संघ की ओर से सेन्ट्रल जोन के अन्तर विश्वविद्यालय युवा महोत्सव 2023-24 के आयोजन हेतु स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय का चयन किया गया है। सुभारती विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा.जी.के.थपलियाल ने बताया कि यह गौरव का विषय है कि 30 जनवरी से लेकर 3 फरवरी तक पांच दिवसीय युवा महोत्सव में सौ से अधिक विश्वविद्यालयों के करीब एक हजार छात्र-छात्राएं हिस्सा लेने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि युवा विद्यार्थियों की विभिन्न प्रतिभाओं का संपूर्ण विकास हो, उनमें स्वस्थ प्रतियोगिता की भावना जन्म ले, उन्हें अभिव्यक्ति का एक मंच मिले इन्हीं कुछ उद्देश्यों को लेकर विगत कई वर्षों से भारतीय विश्वविद्यालय संघ जोनल तथा अखिल भारतीय स्तर पर अन्तर्विश्वविद्यालय युवा उत्सव' का आयोजन करता आया है। इस वर्ष के आयोजन की जिम्मेदारी स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय को मिली है। सुभारती विश्वविद्यालय की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ.शल्या राज ने कहा कि सदा से सुभारती विश्वविद्यालय का ये प्रयास रहा है कि युवा विद्यार्थियों में राष्ट्र की सांस्कृतिक विविधता और धरोहर के प्रति सम्मान का भाव जागृत हो। विद्यार्थी शैक्षिक दृष्टि से तो सफल हो ही साथ ही नैतिक रूप से सबल तथा स्वयं को भलीभांति अभिव्यक्त कर पाने में भी पूर्णत सक्षम हो। उन्होंने कहा सुभारती परफॉर्मिंग आर्ट विभागाध्यक्षा एवं युवा महोत्सव की संयोजक डॉ.भावना ग्रोवर ने कि इस दिन पूरे सुभारती परिसर में विभिन्न विश्वविद्यालयी टीमों का ढोल नगाड़ों के साथ निकलने वाला सांस्कृतिक झलकियां दिखाता एक जुलूस अत्यन्त दर्शनीय होगा।

- नृत्य, संगीत, साहित्य, रंगमंच, एवं ललित कला के क्षेत्र में अपना हुनर दिखाने जुटेंगी सैंकड़ों प्रतिभाएं

जिला सैनिक बंधु की मासिक बैठक 31 को

मेरठ, 28 जनवरी (देशबन्धु)। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कैप्टन आईएन राकेश शुक्ला अप्रा ने बताया कि पूर्व सैनिकों एवं शहीद व दिवंगत सैनिकों की पत्नियों तथा उनके आश्रितों की समस्याओं के निराकरण हेतु जिला सैनिक बन्धु की जनवरी 2024 की मासिक बैठक डीएम की अध्यक्षता मे 31 जनवरी को दोपहर 12.30 बजे जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय के मेरठ मीटिंग हाल में आयोजित की जायेगी । उन्होने जिला सैनिक परिषद कार्यकारिणी मेरठ व जिला सैनिक बन्धु मेरठ के पदेन व गैर सरकारी सदस्यों से उक्त बैठक में भाग लेने का आवाह्न किया। उन्होंने जनपद मेरठ के पूर्व सैनिकों, शहीद व दिवंगत सैनिकों की पत्नियों तथा उनके आश्रितों को सूचित करते हुए बताया कि अपनी समस्याओं के समाधान के लिये प्रार्थना पत्र कार्यालय की मेल पर या कार्यालय में जमा कराएं।

तक्षशिला पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

मेरठ, 28 जनवरी (देशबन्धु)। कंकरखेड़ा स्थित तक्षशिला पब्लिक स्कूल मे 75 वां गणतंत्र दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सुन्दर और मोहक प्रस्तुति विद्यार्थियों द्वारा दी गई। सर्वप्रथम विद्यालय के चेयरमैन डा.ओमपाल सिंह जी तथा प्रधानाचार्य डा. प्रवीन कुमार पथरा ने तिरंगा झंडा फहराया गया। विद्यार्थियों के द्वारा देशभक्ति के नारे लगाए गये जिससे पूरा वातावरण जोश और उत्साह से भर गया। तत्पश्चात कविता और भाषण द्वारा विद्यार्थियों ने सभी को देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत कर दिया। विद्यार्थियों ने रचनात्मक कार्यो जैसे पोस्टर बनाना, नारे लिखना, कविता लेखन, भाषण, गीत आदि गतिविधियों में भाग लिया। सभी रचनाओं में देशभक्ति की भावना कूट-कूट कर भरी थी। विद्यार्थियों ने तिरंगे का सम्मान करते हुए सैल्यूट किया तथा देशभक्ति से भरे गीत, कविता, भाषण, अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यालय के चेयरमैन डा. ओमपाल सिंह ने बच्चों को 26 जनवरी का महत्व बताते हुए देश के प्रति प्रत्येक नागरिक के कर्त्तव्यों के संबंध में बच्चों को समझाया तथा सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाईयां दीं। विद्यालय के प्रधानाचार्य डा प्रवीन कुमार पथरा ने देश के विकास में संविधान के महत्व को समझाया तथा सभी को गणतंत्र दिवस व बसंत पंचमी की शुभकामनाएं दीं।

गिटारघर बन चुका रामनगरी में लैंडमार्क

■ ओम प्रकाश सिंह

अयोध्या, 28 जनवरी (देशबन्धु)। गिटार घर, सुनने में कुछ अटपटा लग सकता है लेकिन देखने में शानदार। यह गिटार घर अब रामनगरी अयोध्या के रामनगर मुहल्ले का लैंडमार्क बन चुका है। राममंदिर उद्घाटन के दिन ही इसका भी लोकार्पण म्यूजिक बैंड चेकमार्क के दीवानों ने किया था। गिटार घर बनवाने का जुनून, म्यूजिक बैंड के कर्ताधर्ता कुशल बत्रा को दो साल पहले चढ़ा था।

समस्या पैसे और घर वालों के समर्थन की थी। बत्रा ने घरवालों को समझाया कि अगर इसे बनवाया जाए तो अपने शहर का जाना माना भवन हो जायेगा और मुहल्ले का लैंडमार्क भी। घर के फ्रंट को गिटार की शक्ल देने में लगभग तीन लाख रुपए खर्च हुए हैं। कुशल बत्रा और उनकी टीम ने दो साल की कड़ी मेहनत के बाद धनराशि जुटा अपने सपने को साकार कर दिया। कठिनाइयों को याद करते हुए कुशल बत्रा कहते हैं कि अयोध्या का विकास तो हो रहा है पर संगीत को ले कर लोगों में अभी भी कहीं न कहीं सकारात्मक सोच का विकास नही हुआ है। कई जगह लोग संगीत को गवैया, नचनियां का शब्द देने लगते हैं हालाकि पिछले कुछ सालों में ये सोच कुछ हद तक बदली है। हमारी पूरी टीम प्रयास कर रही। जैसे हमारा प्रसिद्ध शो शाम शानदार जो पिछले 6 साल से गुसार घाट पर होता है। पब्लिक के बीच हम गाना बजाना करते हैं। अपने सारे स्टूडेंट्स को ले कर जाते हैं ताकि लोगों में संगीत को ले कर रुचि बढ़े। उनकी सोच खुले, उन्हें ये समझ आए के आप संगीत में अपना अब कैरियर बना सकते हैं।

म्यूजिक बैंड का ग्रुप लगभग 15 लोगों का है। ग्रुप में विदेशी वाद्ययंत्र ज्यादा है जैसे गिटार, पियानो, ड्रम, जेम्बे, दरबुका, बेस, उकुलेले इत्यादि। शाम शानदार के बारे में आज जब सोचता हूं, या जो मैं कर रहा हूं उसे देखता हूं तो यकीन नही होता। ये वो ही है जहां कुछ साल पहले तक लोग आते थे। दूर से खड़े हो कर देखते थे और गलतियां/बुराई निकाल कर चले जाते थे। आज शाम शानदार के लिए लोग इंतजार करते हैं कि कब होगा तो वे जाएं गुप्तार घाट हमें देखने सुनने। ये मेरे लिए बहुत बहुत बहुत बड़ी बात है। इसकी कल्पना मैने नही की थी। हम सब म्यूजिशियन के लिए पब्लिक के बीच और थोड़ा सा शहर से हट कर करने के मकसद थे। हमारा म्यूजिशियन का खुद का मिलना भी इसी बहाने हो जायेगा जो आज की व्यस्त जिंदगी में साथ में बैठ कर अभ्यास हो जाएगा।

अयोध्या की ज्यादातर जनता संगीत और संगीत से जुड़े लोगों को बुरी नजरों से देखती थी। मैंने खुद भी यह अपने लिए कभी सुना था। मेरे घरवालों को कहा गया ये आपका लड़का क्या संगीत वंगीत कर रहा है। इसमें कुछ नही रखा। गवईया बनेगा। बाजा बजाता है। इससे पैसे नहीं आते, बस नाम खराब होता है।

- ओम प्रकाश सिंह
- गुप्तार घाट पर शाम शानदार का आयोजन कर प्रसिद्धि बटोर रहा है म्यूजिक बैंड चेकमार्क

मवाना के कृषक इंटर कॉलेज में लगा रोजगार मेला

मेरठ, 28 जनवरी (देशबन्धु)। उप्र कौशल विकास मिशन, क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय तथा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मेरठ के संयुक्त तत्वावधान में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना डीडीयू-जीकेवाई के अन्तर्गत रविवार को कृषक इंटर कालेज, मवाना में विकास खण्ड स्तरीय रोजगार मेला लगा। मेले का उद्घाटन डा. सोमेन्द्र तोमर, राज्यमंत्री ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा विभाग ने किया। उन्होंने युवाओं को आत्मनिर्भरता के लिए सतत् प्रयासरत रहने की सीख दी। इस दौरान निजी क्षेत्र की 14 कम्पनियों ने कंज्यूमर केयर, सेल्स एग्जीक्यूटीव, जीओ पॉइन्ट मैनेजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फिटर, हेल्थ सेक्टर, इंश्यूरेंस बैंकिग सेक्टर, मशीन ऑपरेटर, डाटा इंट्री ऑपरेटर, ट्रेनी ऑपरेटर आदि सेक्टर के 411 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लेने के बाद इनमें से दूसरे चरण के लिए 204 अभ्यर्थियों को चयनित किया गया जिनमे से 35 को मौके पर नियुक्ति पत्र दिए गए।

पद्म विभूषण से सम्मानित चिरंजीवी से मिलने पहुंचे संदीप रेड्डी और श्रीकांत ओडेला

मुंबई। भारत के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान 'पद्म विभूषण' से सम्मानित चिरंजीवी से मिलने फिल्म निर्माता संदीप रेड्डी वांगा और निर्देशक श्रीकांत ओडेला उनके घर पहुंचे। स्टार के घर पर हुई मुलाकात की एक तस्वीर एक्स पर वायरल हो रही है। दोनों फिल्म निर्माता दिग्गज अभिनेता को इस उपलब्धि के लिए बधाई देने के लिए घर पर पहुंचे। तस्वीर में तीनों बातचीत करते नजर आ रहे हैं। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर स्टार को यह सम्मान दिया गया। देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित होने के एक दिन बाद, उन्होंने एक वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया, और कहा कि उन्होंने इतना 'बहुत कम' किया है और फिर भी, उन्हें 'इतनी मान्यता' दी गई है।

एक नए शोध में खुलासा

कोविड-19 संपर्क का पता लगाने वाला सिस्टम एसटीआई के लिए फायदेमंद

वेलिंगटन, 28 जनवरी (एजेंसियां)। एक शोध से यह बात सामने आई है कि कोविड-19 की पहचान के लिए उपयोग किए गए सिस्टम की तरह ही यौन संचारित संक्रमण (एसटीआई) के लिए भी प्रणाली तैयार करने से बेहतर परिणाम सामने आ सकते हैं और क्लैमाइडिया, गोनोरिया और सिफलिस सहित एसटीआई के परिणामों में भी सुधार देखा जा सकता है। न्यूजीलैंड में ओटागो विश्वविद्यालय के सार्वजनिक स्वास्थ्य रजिस्ट्रार डॉ. कैट्रिओना मरे के अनुसार, कई मरीज अपने संपर्कों को स्वयं बताना पसंद करते हैं और उन्हें अच्छी जानकारी और समर्थन के साथ ऐसा करने में मदद की जरूरत होती है।

क्लैमाइडिया, गोनोरिया और सिफलिस सहित एसटीआई के परिणामों में भी सुधार

मरे ने कहा कि शोध से संकेत मिलता है कि एसटीआई संपर्क अनुरेखण, जिसे पार्टनर नोटिफिकेशन भी कहा जाता है, अक्सर अधूरा होता है और यह प्रक्रिया अपर्याप्त संसाधन वाली होती है।

न्यूजीलैंड मेडिकल जर्नल में प्रकाशित पेपर में उन्होंने कहा कि एक केंद्रीकृत प्रणाली एसटीआई की अधिसूचना के लिए अधिक सुसंगत और व्यापक दृष्टिकोण को सक्षम करेगी और पहले से ही बढ़े हुए चिकित्सकों पर कुछ बोझ कम करेगी।

मरे ने कहा कि हमें एसटीआई की उच्च और असमान दरों को कम करने और यौन संपर्क के माध्यम से फैलने वाले नए या उभरते संक्रमणों पर तेजी से प्रतिक्रिया करने की अनुमति देने के लिए अधिक संसाधनों की जरूरत है। हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर 'नेशनल कांटेक्ट ट्रेसिंग सर्विस' स्थापित की गई तो विश्वास और गोपनीयता को लेकर चिंताएं बनी रहेंगी। उन्होंने स्थानीय क्षेत्र के ज्ञान के महत्व और समलैंगिक, उभयलिंगी और पुरुषों के साथ यौन संबंध रखने वाले अन्य पुरुषों और स्वदेशी लोगों के लिए सांस्कृतिक सुरक्षा की जरूरत पर भी जोर दिया।उच्च स्तर का विश्वास स्पष्ट रूप से सफल भागीदार अधिसूचना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और कुछ आबादी के लिए इसे विश्वसनीय स्थानीय प्रदाताओं के जरिए सर्वोत्तम रूप से प्राप्त किया जा सकता है, जिन्हें केंद्रीय विशेषज्ञता द्वारा जरूरत के मुताबिक समर्थित किया जा सकता है।

मरे ने कहा कि हालांकि उद्देश्य सरल है, एसटीआई के लिए भागीदार अधिसूचना को सफलतापूर्वक लागू करना मुश्किल हो सकता है, खासकर ऐसे मामलों में जहां ऐसी जटिलताएं हैं जिनके लिए सांस्कृतिक, चिकित्सा और कानूनी विशेषज्ञता की जरूरत हो सकती है। रोगी की सुरक्षा हमेशा प्राथमिकता होती है और हिंसा का खतरा होने पर संपर्कों को सूचित नहीं किया जाता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में एसटीआई सेवाओं की कमी है और एक नेशनल एसटीआई कांटेक्ट ट्रेसिंग वर्कफोर्स सीधे मामलों और संपर्कों को या स्थानीय चिकित्सकों का समर्थन करके लगातार विशेषज्ञ टेलीहेल्थ सेवा प्रदान कर सकता है।

उन्होंने कहा कि हम एक केंद्रीकृत एसटीआई संपर्क ट्रेसिंग सर्विस की स्थापना के जरिए सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त कर सकते हैं, जो स्थानीय चिकित्सकों के लिए प्रशिक्षण और सहायता भी प्रदान करता है।

जापान मून मिशन का लैंडर उल्टा होने के चलते बिजली उत्पन्न करने में विफल

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। जापान ने चंद्रमा पर सफलतापूर्वक लैंडिंग की। वह रूस, अमेरिका, चीन और भारत के बाद चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतरने वाला पांचवां देश बन गया है। 2.7 मीटर का स्मार्ट लैंडर फॉर इन्वेस्टिगेटिंग मून (एसएलआईएम) 20 जनवरी को सुबह लगभग 10:20 बजे ईएसटी (8.50 बजे आईएसटी) पर चंद्रमा की सतह पर उतरा। उसने 6 सितम्बर को शक्तिशाली एक्स-रे स्पेस टेलिस्कोप एक्सआरआईएसएम के साथ चंद्रमा पर अपनी यात्रा शुरू की थी। एसएलआईएम शिओली क्रेटर की ढलान पर उतरा, जो 300 मीटर चौड़ा प्रभाव वाला क्षेत्र है।

जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जेएएक्सए) के अनुसार, एसएलआईएम ने प्लान के मुताबिक टारगेट के 100 मीटर के भीतर लैंडिंग की। जेएएक्सए के मिशन अधिकारियों ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि लैंडर उल्टा पड़ा हुआ है और वह बिजली उत्पन्न नहीं कर सकता। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में जब चंद्रमा अपने दिन के समय में प्रवेश करेगा तो काम फिर से शुरू होगा।एजेंसी ने एक बयान में कहा कि बिजली उत्पन्न के दौरान हासिल किए गए डेटा के विश्लेषण से पुष्टि हुई कि एसएलआईएम चंद्रमा की सतह पर ओरिजिनल टारगेट लैंडिंग साइट से लगभग 55 मीटर पूर्व में पहुंच गया था। इसके अलावा, जेएएक्सए ने कहा कि लैंडिंग के बाद अंतरिक्ष यान के साथ कम्युनिकेशन स्थापित हो गया है। हालांकि, सौर सेल वर्तमान में बिजली पैदा नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि डेटा के विश्लेषण से पता चला है कि एसएलआईएम के सौर सेल वर्तमान में पश्चिम की ओर हैं, जिससे बिजली उत्पादन की संभावना है और इस प्रकार एसएलआईएम का इस्तेमाल हो सकता है, सूरज की रोशनी में सुधार होने पर। जेएएक्सए ने कहा कि लैंडिंग साइट के ढलान वाले इलाके पर झुकने से बचने की रणनीति के तहत एसएलआईएम, जिसे जापानी में

'मून स्नाइपर' के रूप में भी जाना जाता है, को अपनी तरफ उतरना था। हालांकि, जमीन से लगभग 150 फीट ऊपर, एसएलआईएम के दो मुख्य इंजनों में से एक विफल हो गया। सॉफ्ट लैंडिंग एक पेचीदा मुद्दा रहा है। इसमें रफ और फाइन ब्रेकिंग सहित जटिल अभ्यासों की एक श्रृंखला शामिल है। जापान पहले भी दो चंद्र लैंडिंग प्रयासों में विफल रहा है। जेएएक्सए का ओमोटेनाशी लैंडर से संपर्क टूट गया और नवंबर में लैंडिंग का प्रयास विफल हो गया, जबकि जापानी स्टार्टअप आईस्पेस का हकुतो-आर मिशन 1 लैंडर अप्रैल में उस समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया जब वह चंद्रमा की सतह पर उतरने का प्रयास कर रहा था। अंतरिक्ष यान को चंद्रमा की सतह पर क्रेटर/पत्थरों का पता लगाने में मदद करने के लिए, यह एक नेविगेशन कैमरे से लैस था। चंद्रमा की सतह पर उतरते समय, 'विजन-बेस्ड नेविगेशन' ने इसे चंद्रमा की मौजूदा सैटेलाइट फोटोज के साथ अपने कैमरे की इमेज का मिलान कर सटीक स्थान खोजने में सक्षम बनाया। कार्गो अनुसंधान मिशन अलग-अलग प्रकार के वैज्ञानिक पेलोड भी ले जाता है, जिसमें एक विश्लेषण कैमरा और चंद्र रोवर्स एलईवी-1 और एलईवी-2 की एक जोड़ी शामिल है, जिसके बारे में जेएएक्सए ने कहा कि लैंडिंग से ठीक पहले सफलतापूर्वक अलग हो गए।

राहत फतेह अली खान ने की शख्स की जमकर पिटाई, वीडियो वायरल होने पर दी सफाई

मुंबई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। 'बोल हल्के हल्के', 'मैं जहां रहूं', 'तेरी ओर' और 'दिल तो बच्चा है' जैसे गानों के लिए मशहूर पाकिस्तानी प्लेबैक सिंगर राहत फतेह अली खान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपने एक चेले को बुरी तरह पीटते नजर आ रहे है। इस वीडियो पर सफाई देते हुए सिंगर ने कहा कि यह एक शिक्षक और शिष्य के बीच का निजी मामला है।

एक्स पर अपलोड किए गए वीडियो में सिंगर को एक व्यक्ति को जूते से बेरहमी से पीटते हुए

दिखाया गया है। दावा किया जा रहा है कि यह उनका शिष्य है। वह उससे बोतल के बारे में पूछते है और थप्पड़-चप्पल से जमकर पिटाई करते है। वह उनसे दया की गुहार लगाता है और कहता है 'मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता।'

पिटाई करने का वीडियो वायरल होने के बाद सिंगर ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर सफाई पेश करते हुए एक वीडियो जारी किया।

उन्होंने वीडियो में कहा कि यह शिक्षक और शिष्य के बीच का निजी मामला है। वह मेरे बच्चे जैसा है। जब कोई शिष्य कुछ अच्छा करता है तो मैं उस पर प्यार बरसाता हूं। यदि वह कोई अपराध करता है तो उसे मैं दंडित करता हूं।

सिंगर ने कहा कि घटना के बाद उन्होंने उस व्यक्ति से माफी मांगी है, जिस व्यक्ति की पिटाई की गई थी। साथ ही बताया कि उसने एक बोतल खो दी है।

वीडियो में पिटते दिख रहे शख्स ने कहा कि उसके पीछे कोई गलत इरादा नहीं था। वह मेरे पिता समान हैं। वह हमसे बहुत प्यार करते है, जो आदमी इस वीडियो को फैला रहा है वह मेरे उस्ताद को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है।

गर्भनिरोधक 'सहेली' का निर्माण करने वाले वैज्ञानिक का निधन

लखनऊ, 28 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के पहले मौखिक गर्भनिरोधक 'सहेली' की खोज करने वाले केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान (सीडीआरआई) के पूर्व निदेशक डॉ. नित्यानंद का लंबी बीमारी के बाद एसजीपीजीआईएमएस शनिवार को लखनऊ में निधन हो गया। वह 99 वर्ष के थे। पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित, डॉ. नित्यानंद के दो बेटे नीरज नित्यानंद और डॉ. नवीन नित्यानंद और बेटी डॉ. सोनिया नित्यानंद हैं, जो किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) की कुलपति हैं। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को होगा। एक चिकित्सा रसायनज्ञ, डॉ. नित्यानंद 1951 में इसकी स्थापना के बाद से सीडीआरआई के साथ थे और 1974 से 1984 तक इसके निदेशक के रूप में कार्य किया। उन्होंने 400 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए और 130 से अधिक पेटेंट प्राप्त किए और 100 पीएचडी छात्रों की देखरेख

की।

डॉ. सोनिया नित्यानंद ने कहा कि दुनिया के पहले और एकमात्र गैर-स्टेरायडल, गैर-हार्मोनल मौखिक, सप्ताह में एक बार मौखिक गर्भनिरोधक, 'सेंटक्रोमन' उर्फ 'सहेली' के पीछे मेरे पिता का दिमाग था। इसे 2016 से भारत के राष्ट्रीय परिवार नियोजन कार्यक्रम में शामिल किया गया है। यह सुरक्षित होने के साथ गर्भनिरोधक के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी दवा थी। अब भी यह दुनिया का एकमात्र गैर-स्टेरायडल गैर-हार्मोनल गर्भनिरोधक है, जो बहुत गर्व की बात है कि इसे भारत में और लखनऊ में विकसित किया गया। 'सहेली' की शुरुआत 1986 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने की थी।

सीडीआरआई के प्रवक्ता, वरिष्ठ वैज्ञानिक संजीव यादव ने कहा कि सीडीआरआई में उनका प्रवास, पहले एक वैज्ञानिक के रूप में, फिर औषधीय रसायन विज्ञान प्रभाग के प्रमुख (1963-1974) और बाद में एक निदेशक (1974-1984) के रूप में संस्थान के उभरते वैज्ञानिकों को आकार देने और उनका पोषण करने में बहुत महत्वपूर्ण रहा है।

डॉ. नित्यानंद लगभग चार दशकों तक भारत सरकार की विभिन्न दवा नीति-निर्धारण निकायों से जुड़े रहे और कई वैज्ञानिक निकायों और संस्थानों के सलाहकार और परामर्शदाता रहे हैं।

अपने पहले लाइव परफॉर्मेंस के लिए तैयार हैं अभिनेत्री

परिणीति चोपड़ा

मुंबई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा अपने पहले लाइव परफॉर्मेंस के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपने गायन का अभ्यास करते हुए एक झलक शेयर की। परिणीति ने रविवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह हेडफोन और माइक के साथ नजर आ रही हैं।कई क्षणों में, उन्हें गाते हुए भी दिखाया गया है। क्लिप के बैकग्राउंड में नुसरत फतेह अली खान की धुन 'सांसों की माला' बज रही है।कैप्शन के लिए, अभिनेत्री ने लिखा कि मेरी आत्मा से मंच तक बहुत जल्द। 25 जनवरी को परिणीति ने संगीत की दुनिया में कदम रखने की घोषणा की, जिसके लिए अभिनेत्री ने कहा कि वह एक नया अध्याय शुरू करने और इस संगीत यात्रा के लिए भाग्यशाली और धन्य महसूस करती हैं। उन्होंने अपने गाने 'माना के हम' का एक वीडियो भी शेयर किया, जिसे उन्होंने मूल रूप से 2017 की रोमांटिक फिल्म 'मेरी प्यारी बिंदू' में गाया था, जिसमें उन्होंने आयुष्मान खुराना के साथ अभिनय किया था।

गूगल का लेटेस्ट एआई ल्यूमियर इमेज से बन सकता है 5 सेकंड का वीडियो

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। गूगल ने ल्यूमियर नाम से एक नया वीडियो जेनरेशन एआई मॉडल पेश किया है जो स्पेस-टाइम-यू-नेट यानी एसटीयूनेट नामक एक नए प्रसार मॉडल का उपयोग करता है। ल्यूमियर छोटे फ्रेम्स को एक साथ रखने के बजाय एक प्रोसेस में 5-सेकंड का वीडियो बनाता है। यह टेक्नोलॉजी यह पता लगाती है कि वीडियो (स्पेस) में चीजें कहां हैं और वे एक साथ कैसे चलती और बदलती हैं (समय)। गूगल के शोधकर्ताओं ने पेपर में कहा कि हम एक स्पेस-टाइम यू-नेट आर्किटेक्चर पेश करते हैं जो मॉडल में सिंगल पास के जरिए एक ही बार में वीडियो की पूरी टेम्पोरल ड्यूरेशन उत्पन्न करता है। डिज़ाइन कंटेंट क्रिएशन टास्क और वीडियो एडिटिंग एप्लीकेशन की एक वाइड रेंज की सुविधा प्रदान करता है, जिसमें इमेज-टू-वीडियो, वीडियो इनपेंटिंग और स्टाइलिश जनरेशन शामिल है।

ल्यूमियर टेक्स्ट-टू-वीडियो जनरेशन कर सकता है, इमेज को वीडियो में परिवर्तित कर सकता है। इमेज का उपयोग कर कई स्टाइल में वीडियो तैयार कर सकता है। टेक्स्ट-बेस्ड प्रांप्ट का उपयोग कर लगातार वीडियो एडिट कर सकता है और इमेज के विशिष्ट क्षेत्रों को एनिमेट कर

सिनेमोग्राफ बना सकता है।

गूगल शोधकर्ताओं ने कहा कि एआई मॉडल पांच-सेकंड लंबे 1024 गुना 1024 पिक्सेल वीडियो आउटपुट करता है, जिसे वे 'कम-रिज़ॉल्यूशन' के रूप में वर्णित करते हैं। ल्यूमियर स्टेबल वीडियो डिफ्यूजन के 25 फ्रेम की तुलना में 80 फ्रेम भी उत्पन्न करता है।

पेपर के लेखकों ने कहा कि हमारी टेक्नोलॉजी के साथ फेक या हार्मफुल कंटेंट बनाने के लिए दुरुपयोग का जोखिम है, और हमारा मानना है कि सुरक्षित और निष्पक्ष उपयोग सुनिश्चित करने के लिए टूल्स डेवलप करना और लागू करना महत्वपूर्ण है।

करीब एक हजार मरीजों ने अस्थमा के साथ जीने की सिखी कला

जयपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में रविवार को अस्थमा के प्रति जागरुकता कार्यक्रम में लगभग एक हजार अस्थमा मरीजों ने अस्थमा के साथ जीने की कला सिखी और एक सुर में बढ़ते प्रदूषण स्तर को कम करने की भगवान से प्रार्थना की। अस्थमा के इन मरीजों ने बिरला सभागार में आयोजित इस अनोखे कार्यक्रम 'आई लव क्लीन एयर' में भाग लिया और इस दौरान वरिष्ठ श्वास रोग विशेषज्ञ डॉ. वीरेंद्र सिंह, डॉ. शितू सिंह और डॉ. निष्ठा सिंह ने इन्हें अस्थमा के साथ जीने की कला सिखाई। कार्यक्रम में प्रार्थना की गई कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डबल्यूएचओ) ने अधिकतम प्रदूषण स्तर 10 यूजी निश्चित कर रखी है लेकिन भारत में यह स्तर नौ गुना ज्यादा यानी 90यूजी तक है। अब इसे भगवान ही ठीक कर सकते हैं। इसी तरह सभी मरीजों ने जनता, सरकार और वैज्ञानिकों से भी अस्थमा की रोकथाम में उनके द्वारा किए जाने वाले प्रयासों के लिए प्रार्थना एवं अपील की।

कार्यक्रम के आयोजक राजस्थान अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि हम रोज एक किलो भोजन, तीन लीटर पानी और 13 किलो हवा लेते हैं। भोजन ने एक छोटा सा कंकर आने, थोड़ा भी गंदा पानी पीने में आ जाए तो परेशान हो जाते हैं लेकिन चौबीस घंटे दूषित हवा लेते हैं, लेकिन इसकी कोई चिंता नहीं करते जो बहुत हानिकारक है। इसके लिए हमने अस्थमा मरीजों के साथ मिलकर जनता, सरकार, वैज्ञानिकों और भगवान से अस्थमा को बढ़ाने वाले कारकों को खत्म करने की प्रार्थना की। इस दौरान सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. रविंद्र सिंह राव ने हृदय से जुड़ी रोचक जानकारियां साझा की।

डॉ. शितू सिंह ने कहा कि दूषित हवा से अस्थमा होने पर दुनिया में सबसे ज्यादा मरीजों की मौत भारत में होती है। जागरूकता की कमी के कारण, देश में अस्थमा के चार में से सिर्फ एक ही मरीज को अपने अस्थमा होने की जानकारी है। विश्व में अस्थमा से होने वाली मौतों में से 43 प्रतिशत मौत सिर्फ भारत में होती है। उन्होंने कहा कि लोग अभी भी अस्थमा की जांच कराने से कतराते हैं और इसके शुरुआती लक्षण दिखाई देने पर इसे छिपाते हैं जबकि इसकी जांच कराकर इस रोग के होने पर इसके प्रति बरती जाने वाली सावधानियों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि इसलिए इन मरीजों के साथ इस अनोखे कार्यक्रम का आयोजन किया गया ताकि लोग अस्थमा के प्रति जागरुक हो सके।

उन्होंने बताया कि अस्थमा की प्रवृत्ति कभी हट नहीं सकती, ऐसे में इसके प्रति जागरुक रहने एवं अस्थमा के साथ जीने की कला सिखने की जरुरत है। डॉ. निष्ठा सिंह ने बताया कि इस वर्कशॉप में मरीजों को अस्थमा के साथ सावधानियां और जीवनशैली अपनाने के बारे में जानकारी दी गई। मरीजों को खुद से शपथ दिलाई गई की कि वे पेड़ लगाएंगे, इलेक्ट्रिक वाहन खरीदेंगे और धूम्रपान बंद कर देंगे। मरीजों ने जनता से एलपीजी का उपयोग करने और धूम्रपान बंद करने, सरकार से एलपीजी और ग्रीन एनर्जी के लिए सब्सिडी प्रदान करने, वैज्ञानिकों से फसल जलाने की जगह तकनीक विकसित करने और भगवान से पीएम2.5 के स्तर को कम करने की प्रार्थना की।

- **मरीजों को खुद से शपथ दिलाई गई**
- **पेड़ लगाएंगे, इलेक्ट्रिक वाहन खरीदेंगे और धूम्रपान बंद करेंगे**

नवरत्न गढ़ में पुरातात्विक खुदाई से सामने आया 16वीं-17वीं सदी का भव्य इतिहास

रांची, 28 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के गुमला जिला अंतर्गत सिसई प्रखंड में स्थित नवरत्न गढ़ में चल रही पुरातात्विक खुदाई में अद्भुत स्थापत्य

- **रानी महल, कमल सरोवर, रानी लुकईर मठ जगन्नाथ, सुभद्रा बलभद्र मंदिर, राज दरबार, तहखाना संत्री पोस्ट आदि सर्वेक्षण**

वाले भूमिगत महलों की संरचनाएं मिल रही हैं। यहां अब तक प्राप्त हुए अति प्राचीन अवशेषों से 16वीं-17वीं शताब्दी के कालखंड का ऐसा इतिहास सामने आ रहा है, जो वक्त के थपेड़ों के साथ जमींदोज हो गया था। बीते हफ्ते यहां जमीन के नीचे एक खुफिया दरवाजा मिला है। अभी दरवाजे का आधा हिस्सा नजर आया है। संभावना जताई जा रही है कि यह दरवाजा किसी सुरंग का हिस्सा रहा होगा। भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण विभाग यहां खुदाई के परिणामों से बेहद उत्साहित है।

नवरत्नगढ़ को वर्ष 2009 में ही राष्ट्रीय पुरातात्विक धरोहर घोषित किया जा चुका है और अब यह स्थान स्थानीय पर्यटकों, पुरातत्वविदों एवं इतिहासकारों के लिए कौतूहल और जिज्ञासा का केंद्र बन गया है। पिछले साल पीएम मोदी के 'मन की बात' की 100वीं कड़ी के प्रसारण के मौके पर यहां स्पेशल लाइट एंड साउंड शो का आयोजन किया गया था। पिछले साल भी भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण विभाग की खुदाई के दौरान यहां प्राचीन भूमिगत महल की संरचना प्राप्त

हुई थी। जमीन के अंदर बनाया गया यह महल लगभग साढ़े पांच सौ से छह सौ साल पुराना हो सकता है। महल और उसके पास-पास कई महत्वपूर्ण अति प्राचीन अवशेष मिले हैं। विभाग इनका अध्ययन करा रहा है।

उत्तर मध्यकाल में नवरत्नगढ़ नागवंशी राजाओं की राजधानी था। अब तक मिले अभिलेख और प्रमाण के अनुसार नवरत्न गढ़ छोटानागपुर (वर्तमान झारखंड) में सबसे लंबे समय तक शासन करनेवाले नागवंश के 45वें राजा दुर्जन शाल के शासनकाल में बसा था। इसे डोईसागढ़ नगर के रूप में भी जाना जाता था। सन 1571 में यहां किले का निर्माण कराया था। कहा जाता है कि यह किला 9 मंजिला बनाया गया था, इसलिए इस जगह को नवरत्न गढ़ भी कहा जाता है। जमीन पर इस किले के ध्वंस शेष वर्षों से मौजूद है। अब हाल की पुरातात्विक खुदाई के बाद पहली बार यह पता चला है कि राजा ने जमीन के अंदर भी भव्य महल बनवा रखा था। माना जा रहा है कि मुगल शासकों के हमलों से बचाव के लिए इसका निर्माण कराया गया था। इस भूमिगत महल में एक सुरंगनुमा खुफिया रास्ता भी मिला है, जिसकी खुदाई जारी है। भूमिगत महल की संरचना के आधार पर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि यहां हीरे-जवाहरात का खजाना रखने की भी कोई गुप्त जगह रही होगी।

नवरत्न गढ़ का निर्माण कराने वाले राजा दुर्जन शाल को इतिहास में हीरे के पारखी के रूप में जाना जाता रहा है और इस संबंध में कई कहानियां भी सुनायी जाती रही हैं। इनमें से एक कहानी यह भी है कि ग्वालियर के तत्कालीन शासक इब्राहिम खान ने लगान नहीं चुकाने के कारण दुर्जन शाल को बंदी बना लिया था, लेकिन हीरे का पारखी होने के कारण 12 साल के बाद उन्हें रिहा कर दिया। यहां जारी पुरातात्विक खुदाई और सर्वेक्षण का दायरा बहुत बड़ा है।

देशबन्धु

अर्थ जगत

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

भारती एयरटेल	3.52 प्रतिशत
एनटीपीसी	3.04 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	2.56 प्रतिशत
टाटा स्टील	2.40 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	2.38 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

इंडसइंड बैंक	3.24 प्रतिशत
एचडीएफ़सी बैंक	1.08 प्रतिशत
कोटक बैंक	0.66 प्रतिशत
एसबीआई	0.10 प्रतिशत
रिलायंस	0.01 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2600-2700
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	3590-3690
चीनी एम	4150-4250
मिल डिलीवरी	3470-3570
गुड़	4550-4650

दाल-दलहन

चना	5500-5650
दाल चना	6550-6650
मसूर काली	7350-7450
उड़द दाल	10000-10100
मूंग दाल	9700-9800
अरहर दाल	11500-11600

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

सस्ता व सुस्त पैसा बैंकिंग प्रणाली से जा रहा बाहर और रिटर्न का कर रहा पीछा

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय आम तौर पर बचतकर्ता रहे हैं और व्यक्तिगत बैलेंस शीट पर कर्ज आम तौर पर आवास ऋण, वाहन ऋण या क्रेडिट कार्ड तक ही सीमित रहा है। पीजीआईएम इंडिया म्यूचुअल फंड के सीआईओ-विकल्प अनिरुद्ध नाहा ने कहा, हाल ही में आरबीआई ने असुरक्षित व्यक्तिगत ऋण की वृद्धि पर सावधानी बरती है, लेकिन बचत के प्रतिशत के रूप में, व्यक्तिगत बैलेंस शीट पर ऋण आरामदायक है।

भारत एक युवा आबादी है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2,000 डॉलर का आंकड़ा पार कर लगभग 2,200 डॉलर पर पहुंच गया है। विश्व स्तर पर, एक युवा आबादी और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2,000 डॉलर से अधिक बढ़ने से विवेकाधीन खपत में वृद्धि में हॉकी स्टिक पैटर्न की शुरुआत हुई है। चाहे वह यात्रा, पर्यटन, होटल, शराब, आभूषण, व्यक्तिगत सौंदर्य, इलेक्ट्रॉनिक्स, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं, रियल एस्टेट, दो और चार पहिया वाहन आदि हों, ये सभी क्षेत्र लंबी अवधि में अच्छा प्रदर्शन करते हैं। नोट में कहा गया है कि भारत इस दशक में संभवत: सबसे बड़ा मध्यम वर्ग पैदा करेगा, इससे उपभोग विषय को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। वित्तीयकरण की यात्रा म्यूचुअल फंड उद्योग एयूएम और लगभग 2 बिलियन डॉलर की मासिक एसआईपी संख्या में वृद्धि में सबसे अच्छी तरह से परिलक्षित होती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सस्ते और निष्क्रिय पैसे के बैंकिंग प्रणाली से बाहर जाने और एमएफ (ऋण, हाइब्रिड या इक्विटी), पीएमएस, एआईएफ या यहां तक कि प्रत्यक्ष इक्विटी के माध्यम से रिटर्न का पीछा करने का स्पष्ट संकेत है। यह उन कंपनियों की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला पर सकारात्मक रूप से प्रतिबिंबित करेगा, जो इस वित्तीयकरण की कहानी में भाग लेती हैं, चाहे रेटिंग एजेंसियां, परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियां, एक्सचेंज, धन प्रबंधन प्लेटफॉर्म या बैंक-एंड एनेबलर्स हों।

इसमें कहा गया है, हमारा मानना है कि वित्तीयकरण की यह प्रवृत्ति अगले दशक में संरचनात्मक रूप से सामने आ सकती है। भारतीय इक्विटी म्यूचुअल फंड का एयूएम पिछले 10 वर्षों में 28 प्रतिशत सीएजीआर से बढ़ा है। डिजिटलीकरण और प्रौद्योगिकी, यह प्रवृत्ति सबसे अधिक विघटनकारी हो सकती है। पारंपरिक वितरण चैनलों को चुनौती मिल रही है। हमारा मानना है कि अच्छे उत्पादों और सेवाओं वाली छोटी और मिडकैप कंपनियां अच्छा प्रदर्शन कर सकती हैं। कम लागत और इंटरनेट उपलब्धता, आधार सीडिंग, यूपीआई बैकबोन और अब ओएनडीसी के आकार लेने के साथ, विभिन्न उत्पादों और सेवाओं के लिए बाजार खुल जाएंगे। देश गैर-सूचीबद्ध क्षेत्र में बहुत दिलचस्प प्रौद्योगिकी-आधारित व्यवसायों का भंडार है, और वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक संख्या में यूनिकॉर्न, वैज्ञानिक और टेक्नोक्रेट्स में से एक है। नोट में कहा गया है कि उपरोक्त सक्षमकर्ताओं और संभावित विकास के संयोजन से, बहुत दिलचस्प छोटी और मिडकैप कंपनियां उभरकर सामने आएंगी और संभावित रूप से एक दशक में बड़ी कैप बन जाएंगी। कॉर्पोरेट भारत स्वच्छ बैलेंस शीट और बढ़ती क्षमता उपयोग पर बैठा है। यह विभिन्न क्षेत्रों के प्रमोटरों और कॉरपोरेट्स को क्षमता स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। कैपेक्स इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटो और ऑटो सहायक, बिजली, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं, फार्मा, सीमेंट, रसायन, कपड़ा आदि में हो रहा है। दिलचस्प बात यह है कि इस बार कैपेक्स को मापा जाता है और बड़े पैमाने पर आंतरिक नकदी प्रवाह के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है।

जेनरेटिव एआई हमारे परिचालन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है : नेटफ्लिक्स

सैन फ्रांसिस्को, 28 जनवरी (एजेंसियां)। नेटफ्लिक्स ने जेनरेटिव एआई पर खतरा जताते हुए कहा है कि ऐसी टेक्नोलॉजी उनके संचालन और अन्य कंपनियों के साथ प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) के साथ दायर अपनी वार्षिक रिपोर्ट में, स्ट्रीमिंग जायंट ने कहा कि जेनेरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के डेवलपमेंट और उपयोग सहित नए टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट्स तेजी से विकसित हो रहे हैं। कंपनी ने कहा, अगर हमारे प्रतिस्पर्धियों को ऐसी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर लाभ मिलता है, तो प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करने की हमारी क्षमता और हमारे संचालन के परिणामों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। नेटफ्लिक्स ने आगे कहा कि नई और उभरती टेक्नोलॉजी का उपयोग या अपनाने से इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी दावों के प्रति हमारा जोखिम बढ़ सकता है, और एआई-जनरेटेड मेटेरियल के लिए कॉपीराइट और अन्य इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी प्रोटेक्शन की उपलब्धता अनिश्चित है।

जेनेरिक एआई-निर्मित एंटरटेनमेंट के लिए अभी शुरुआती दिन है, लेकिन चीजें तेजी से बदल सकती हैं। हाल ही में वॉल स्ट्रीट जर्नल के एक आर्टिकल में कहा गया है कि व्यापक रूप से उपलब्ध एआई टूल्स स्टोरी, करेक्टर आर्क और डायलॉग का सुझाव दे सकते हैं। कुछ प्रॉम्प्ट दिए जाने पर चैटजीपीटी एक बेसिक स्क्रिप्ट भी लिख सकता है। 2022 की फिल्म एवरीथिंग एवरीव्हेयर ऑल एट वन्स% को बनाने में जेनरेटिव एआई का इस्तेमाल किया गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पहले से ही जेनरेटिव एआई सिस्टम मौजूद हैं जो वीडियो बना सकते हैं। एआई का उपयोग डेटा-ड्राइवन प्रेडिक्शन प्रदान करने के लिए भी किया जा रहा है कि असामान्य कहानियां दर्शकों को कैसे प्रभावित करेंगी।

अमेरिका का कर्ज आश्चर्यजनक रूप से 34 खरब डॉलर तक पहुंचा

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। यूएसडेब्टक्लॉक के अनुसार, अमेरिका की बढ़ती ऋण संरचना इस समय 34 खरब डॉलर तक पहुंच गई है। यह बात क्रिप्टोस्लेट की रिपोर्ट में कही गई। हेरिटेज एंड कॉम4प्रोस्पेरिटी के अर्थशास्त्री ई.जे. एंटोनी के अनुसार, संघीय ऋण पर इस तीव्र वृद्धि के साथ-साथ वार्षिक ब्याज भी बढ़ रहा है, जो 1 खरब डॉलर से अधिक है और 2030 की चौथी तिमाही तक 3 खरब डॉलर की सीमा को पार करने का अनुमान है। क्रिप्टोस्लेट ने बताया, इस मुद्दे को और अधिक जटिल बनाते हुए अमेरिका संरचनात्मक घाटे से जूझ रहा है। जैसा कि विश?लेषक जो कंसोर्टी ने संकेत दिया है, संघीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का -6.460 प्रतिशत चिंताजनक है। यह दर्शाता है कि सरकारी व्यय उसके राजस्व से काफी अधिक है, जबकि कोविड-19 के कारण घाटा -15 प्रतिशत के चरम पर था तब से यह घटकर -6.4 प्रतिशत हो गया है, जो सरकार के वित्तीय स्वास्थ्य की झलक पेश करता है। क्रिप्टोस्लेट की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रीय ऋण में केवल तीन वर्षों में 6.7 खरब डॉलर की आश्चर्यजनक वृद्धि देखी गई है, जो दिसंबर 2020 में 27.3 खरब डॉलर से बढ़कर 34 खरब डॉलर पर पहुंच गया है। यह उछाल देश के वित्तीय स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा करता है। बैंक ऑफ अमेरिका (बोफा) के शोध के अनुसार, ऋण और सकल घरेलू उत्पाद का अनुपात लगभग 100 प्रतिशत है।

हौथी हमलों के बाद स्वेज नहर के माध्यम से माल ढुलाई आधी हुई

लंदन, 28 जनवरी (एजेंसियां)। यमन के हौथी विद्रोहियों ने जब से लाल सागर में मालवाहक जहाजों पर हमले शुरू किए हैं, उसके बाद से स्वेज नहर से माल ढुलाई लगभग आधी हो गई है।

स्काई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, प्रमुख शिपिंग लेन एशिया-प्रशांत क्षेत्र और पश्चिमी बाजारों में उत्पादकों को जोड़ती है और लंबे, वैकल्पिक रास्तों के कारण देरी और लागत में वृद्धि हुई है।

स्काई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यूनाइटेड नेशन कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड एंड डेवलपमेंट (यूएनसीटीएडी) ने कहा कि पिछले दो महीनों में नहर का उपयोग करने वाले जहाजों की संख्या में 39 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिससे माल ढुलाई टन भार में 45 प्रतिशत की गिरावट आई है।

एजेंसी के व्यापार लॉजिस्टिक्स प्रमुख जैन हॉफमन ने कहा कि तीन प्रमुख वैश्विक व्यापार मार्ग बाधित हो गए हैं रूस का यूक्रेन पर हमला करने के बाद काला सागर का मार्ग, सूखे के कारण कम जल स्तर के चलते पनामा कनाल और अब सुएज कनाल।

उन्होंने कहा, हम बहुत चिंतित हैं। हम देरी, उच्च लागत, उच्च ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन देख रहे हैं। प्रदूषण बढ़ रहा है क्योंकि जहाज लंबे रास्ते चुन रहे हैं और चक्कर की भरपाई के लिए तेजी से यात्रा भी कर रहे हैं।

स्वेज नहर वैश्विक व्यापार का 12-15 प्रतिशत और कंटेनर यातायात का 25-30 प्रतिशत संभालती है। दिसंबर की शुरुआत से लेकर 19 जनवरी तक के सप्ताह में नहर के माध्यम से कंटेनर शिपमेंट में 82 प्रतिशत की गिरावट आई है। जैन हॉफमन ने आगे कहा कि खाद्य कीमतों पर असर पड़ सकता है। यूक्रेन में युद्ध के बाद देखी गई लगभग आधी वृद्धि उच्च परिवहन लागत के कारण हुई, हालांकि विकसित देशों में उपभोक्ताओं को इसका असर देखने में कुछ समय लग सकता है।

सार संक्षेप

मध्यम आय वाले परिवार सुरक्षित रहते हुए बढ़ा सकते हैं अपना पैसा

नई दिल्ली। मध्यम आय वाले परिवारों के पास अपनी मेहनत की कमाई को बैंकों, डाकघरों और वित्तीय कंपनियों द्वारा पेश की जा रही निवेश योजनाओं में लगाने के लिए कई विकल्प हैं। इनमें सरकार द्वारा समर्थित बिना जोखिम वाली योजनाओं से लेकर गारंटीशुदा रिटर्न की पेशकश करने वाली योजनाओं से लेकर उच्च रिटर्न का वादा करने वाली मध्यम-जोखिम और उच्च-जोखिम वाली योजनाएं शामिल हैं। उत्तरार्द्ध में जोखिम का एक तत्व होता है, क्योंकि वे शेयर बाजार से जुड़े होते हैं और इसलिए इसके उतार-चढ़ाव की संभावना होती है। मध्यम आय वाले निवेशक जो सुरक्षित खेलना चाहते हैं और जोखिम से बचना चाहते हैं, वे निम्नलिखित योजनाओं में निवेश कर सकते हैं जो गारंटीशुदा रिटर्न प्रदान करती हैं। सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) यह प्रति वर्ष न्यूनतम 100 रुपये के निवेश के साथ सबसे लोकप्रिय दीर्घकालिक निवेश उत्पाद है। यह योजना प्रति वर्ष 7.10 प्रतिशत के रिटर्न की गारंटी देती है, जो पूरी तरह से कर-मुक्त है। पीपीएफ योजनाएं आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत कर बचत के लिए भी पात्र हैं। हालांकि, इस योजना में 15 वर्ष की लॉक-इन अवधि है। डाकघर की बचत योजनाएं सरकार समर्थित हैं और इस प्रकार गारंटीशुदा रिटर्न प्रदान करती हैं। इनमें चक्रवृद्धि ब्याज दर पर रिटर्न देने का लाभ है, जो साधारण ब्याज देने वाली अन्य बैंक बचत योजनाओं की तुलना में बहुत अधिक है। वे आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक कर लाभ भी प्रदान करते हैं।

कंटेंट मॉडरेशन टीम के लिए 100 कर्मचारियों को नियुक्त करेगा मस्क का एक्स

सैन फ्रांसिस्को। एलन मस्क द्वारा संचालित एक्स कथित तौर पर ऑस्टिन, टेक्सस में एक नए ट्रस्ट और सेफ्टी ऑफिस के लिए 100 फुल-टाइम कर्मचारियों को नियुक्त कर रहा है। मस्क ने कंपनी का अधिग्रहण करने के बाद ग्लोबल लेवल पर ट्रस्ट और सेफ्टी टीमों को भंग कर दिया था। टीम कथित तौर पर चाइल्ड सेक्सुअल एक्सप्लाइटेशन मॉडरेशन (सीएसईएम) से संबंधित कंटेंट पर फोकस करेगी। एक्स सीईओ लिंडा याकारिनो सीएसईएम के एक्स के संचालन के संबंध में 31 जनवरी को सीनेट न्यायपालिका समिति के समक्ष पेश होने वाली हैं। रिपोर्ट के अनुसार, एक्स टीम अन्य मॉडरेशन प्रवर्तन में भी मदद करेगी, जैसे हेट स्पीच को प्रतिबंधित करना। कंपनी ने ऐसे रोल्स के लिए जॉब लिस्टिंग पोस्ट की है और कहा है कि मॉडरेटर स्पैम और धोखाधड़ी जैसे मुद्दों की जांच करेंगे और कस्टमर सपोर्ट प्रदान करेंगे। कंपनी ने अपने लेटेस्ट ब्लॉग पोस्ट में कहा, एक्स में, हम चाइल्ड सेक्सुअल एक्सप्लाइटेशन (सीएसई) के लिए जीरो टॉलरेंस रखते हैं और हम एक्स को उन एक्टर्स के लिए अमानवीय बनाने के लिए दृढ़ हैं जो नाबालिगों का शोषण करना चाहते हैं। 2023 में, हमने स्पष्ट कर दिया कि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता सीएसई को ऑनलाइन निपटाना है।

फेड रिजर्व के फैसले पर रहेगी बाजार की नजर

मुंबई 28 जनवरी (एजेंसियां)। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर बैंकिंग और टेक कंपनियों में हुई भारी बिकवाली के दबाव में बीते सप्ताह एक प्रतिशत से अधिक लुढ़के शेयर बाजार की अगले सप्ताह अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में ब्याज दरों को लेकर होने वाले फैसले पर नजर रहेगी।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 982.56 अंक अर्थात 1.4 प्रतिशत का गोता लगाकर सप्ताहांत पर 70700.67 अंक रह गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 269.8 अंक यानी 1.25 प्रतिशत की गिरावट लेकर 21352.60 अंक पर आ गया। समीक्षाधीन सप्ताह में दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों पर भी बिकवाली का दबाव रहा। इससे बीएसई का मिडकैप 458.48 अंक अर्थात 1.2 प्रतिशत लुढ़ककर 37746.29 अंक और स्मॉलकैप 76.95 अंक यानी 0.2 प्रतिशत उतरकर 44363.74 अंक रह गया।

विश्लेषकों के अनुसार, वैश्विक बाजार के मिश्रित रुझान के बीच आईटी और बैंकिंग शेयरों में भारी बिकवाली से बाजार में गिरावट देखी गई। भारत के पीएमआई मजबूत आंकड़ों के बावजूद बाजार को तेजी के लिए संघर्ष करना पड़ा। यह गिरावट यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) के आसन्न दर निर्णयों के बारे में आशंकाओं के कारण थी।

अगले सप्ताह 30-31 जनवरी को फेड रिजर्व की होने वाली नीतिगत बैठक में ब्याज की मौजूदा दरों को

यथावत बनाए रखने की संभावना से अमेरिकी बांड यील्ड में तेजी और बाजार में एफआईआई की बिकवाली हो सकती है। हालांकि अमेरिका में जारी मज़बूत पीएमआई आंकड़ों के बीच सभी की निगाहें अमेरिकी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और बेरोजगारी के आंकड़ों पर हैं, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था और संभावित नीतिगत दरों पर होने वाले निर्णय को प्रभावित कर सकते हैं। विशेष रूप से विकास और वित्तीय तरलता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पीबीओसी की आरक्षित अनुपात में 0.5 प्रतिशत की कटौती ने बीते सप्ताह घरेलू बाजार को अल्पकालिक समर्थन किया। हालांकि निवेशक चीन की व्यापक प्रोत्साहन योजनाओं पर अतिरिक्त विवरण की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

वित्तीय सलाह देने वाली कंपनी जीओजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने बताया कि बीते सप्ताह ऊंचे भाव, कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों और मध्य-पश्चिम में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण बाजार बढ़त बनाए रखने में असमर्थ रहा। साथ ही मासिक वायदा सौदा निपटान का भी बाजार पर असर रहा। अगले सप्ताह प्रमुख देशों के नीतिगत दरों पर निर्णय जैसे वैश्विक कारकों पर बाजार की नजर रहेगी।

बीते सप्ताह 22 जनवरी को रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर महाराष्ट्र सरकार के अवकाश की घोषणा और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय अवकाश के कारण बाजार में तीन दिन ही कारोबार हुआ। इन तीन दिनों में एक दिन तेजी और दो दिन गिरावट रही।

विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई और रिलायंस समेत 25 दिग्गज कंपनियों के शेयरों के छह प्रतिशत से अधिक तक लुढ़कने से मंगलवार को सेंसेक्स 1053.10 अंक का गोता लगाकर एक महीने के निचले स्तर 70,370.55 अंक पर आ गया। इसी तरह निफ्टी 333 अंक लुढ़ककर 21,238.80 अंक पर रहा। चीन की सरकार के बाजार को समर्थन देने के लिए नई पेशकश किए जाने की उम्मीद से विश्व बाजार में आई तेजी के बीच स्थानीय स्तर पर दूरसंचार, धातु, तेल एवं गैस और कमोडिटीज समेत 19 समूहों में हुई लिवाली की बदौलत बुधवार को सेंसेक्स 689.76 अंक की तेजी लेकर 71,060.31 अंक और निफ्टी 215.15 अंक उछलकर 21,453.95 अंक हो गया।

भारतीय शेयर बाजारों में नहीं हो सकती 2023 की पुनरावृत्ति

मुंबई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। बाजार ने कैलेंडर वर्ष 2023 में शानदार प्रदर्शन किया। क्या वे 2024 में अपना प्रदर्शन दोहरा सकते हैं? असंभव लगता है। हमारे पास कई असंभव चीजें हैं, भू-राजनीतिक समाचार, अनिश्चितता और निश्चित रूप से अप्रैल-मई 2024 में होने वाले आम चुनाव। चिंताओं के सागर में दो सकारात्मक तथ्य यह है कि वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में हम ज्यादातर मामलों में कहीं बेहतर हैं और यहीं उम्मीद की किरण है। क्या यह आशा की किरण एक और कठिन वर्ष के लिए पर्याप्त है? बहुत स्पष्ट रूप से नहीं। उतार-चढ़ाव के साथ अच्छा वर्ष और वैश्विक स्तर पर अधिकांश देशों की तुलना में बेहतर रहने की संभावना है। लेकिन एक बेहतरीन साल, इसकी संभावना बहुत कम है।

आइए सामने आने वाली कुछ घटनाओं पर नजर डालें। ऐसा लगता है कि रूस-यूक्रेन संघर्ष कभी न खत्म होने वाला है। सभी को उम्मीद थी कि यह छोटा होगा और लोग अनुमान लगा रहे थे कि यह झड़प से कुछ अधिक होगा। यह 23 महीने हो चुका है और 24 फरवरी, 2022 को दो साल पूरे कर लेगा।

इसके खत्म होने से पहले ही, हमारे सामने इजराइल-हमास संघर्ष है, जो लगभग चार महीने से जारी है। कैलेंडर वर्ष 2024 की शुरुआत से, हमारे सामने हौथी मुद्दा बड़ा होता जा रहा है और इसके बढ़ने की संभावना है। इसमें पहले से ही संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, ईरान और इज़राइल सहित अन्य देश शामिल हैं। कितना अधिक और किस कीमत पर यह फिलहाल बहस का विषय है। इसका पहले से ही व्यापार और शिपिंग पर असर पड़ा है और माल ढुलाई दरों में वृद्धि हुई है, इससे शिपिंग और संसाधनों की उपलब्धता प्रभावित हो रही है। यह कहां और कब समाप्त होगा अज्ञात है। इसमें वर्तमान में मुट्ठी भर देशों की तुलना में कई अधिक देशों को शामिल करने की क्षमता है।

अमेरिका बढ़ती मुद्रास्फीति और बढ़ी हुई ब्याज दरों का अनुभव कर रहा है और यह 2023 के अधिकांश भाग के लिए हुआ।

अधिकांश खाद्य तेलों में टिकाव

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में अधिकांश खाद्य तेलों में टिकाव रहा वहीं अरहर दाल 500 रुपये प्रति क्विंटल गिर गई।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का फरवरी वायदा सप्ताहांत पर 65 रिंगिट उबलकर 4020 रिंगिट प्रति टन हो गया। वहीं, फरवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.31 सेंट की गिरावट के साथ 46.60 सेंट प्रति पौंड बोला गया। सप्ताहांत पर सूरजमुखी तेल की 72 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट को छोड़कर शेष खाद्य तेलों में टिकाव रहा। इस दौरान सरसों तेल, मूंगफली तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

दाल-दलहन : बीते सप्ताह दाल-दलहन के बाजार में अरहर दाल में 500 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट को छोड़कर अन्य दालों में टिकाव रहा। चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल और उड़द दाल के भाव पड़े रहे।

सप्ताहांत पर चना 5550-5650, दाल चना 6550-6650, मसूर काली 7350-7450, मूंग दाल 9700-9800, उड़द दाल 10000-10100, अरहर दाल 11500-11600 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाज : अनाज मंडी में स्थिरता रही। इस दौरान चावल और गेहूं के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे स्थिर रहे।

लगातार चमक रहा है धन व तरल संपत्ति का पुराना सूचक सोना

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। सोने में निवेश को मुद्रास्फीति के खिलाफ एक विश्वसनीय बचाव माना जाता है, क्योंकि जब वस्तुओं की कीमतें बढ़ती हैं तो पैसे का मूल्य घट जाता है, जबकि लंबे समय में सोने का मूल्य बढ़ता है, इसलिए किसी व्यक्ति को संपत्ति की मूल्य की रक्षा करने में मदद मिलती है। सोने के साथ एक और फायदा यह है कि यह एक अत्यधिक तरल संपत्ति है, जिसे रियल एस्टेट के विपरीत, आवश्यकता पड़ने पर धन जुटाने के लिए आसानी से बाजार में बेचा जा सकता है।

सोना खरीदने से निवेश पोर्टफोलियो में विविधता लाने और किसी व्यक्ति या परिवार के लिए समग्र वित्तीय जोखिम को कम करने में भी मदद मिल सकती है, क्योंकि जब बाजार अस्थिर हो जाता है, तो कीमती धातु की कीमत स्टॉक और बॉन्ड जैसी अन्य परिसंपत्तियों की कीमतों में उतार-चढ़ाव से सीधे जुड़ी नहीं होती है। हालांकि, जबकि सोने का मूल्य लंबे समय में बढ़ता है, इसकी कीमत में कई कारकों के कारण अल्पावधि में उतार-चढ़ाव होता है। वैश्विक स्तर पर सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सीधा असर घरेलू बाजार में सोने की कीमत पर पड़ता है क्योंकि

चीन के बाद भारत दुनिया में सोने का दूसरा सबसे बड़ा आयातक है। भौतिक आपूर्ति के अलावा, स्थानीय बाजारों में बाजार की भावनाएं भी वैश्विक बाजार से संकेत लेती हैं, जिससे कीमतों में भिन्नता बढ़ जाती है। आरबीआई सहित विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने कुल भंडार के एक घटक के रूप में बड़ी मात्रा में सोना खरीदते हैं। वे संतुलन बनाए रखने के लिए कीमती धातु भी बेचते हैं, जिसका बाजार मूल्य पर प्रभाव पड़ता है।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर भी भारत में सोने की कीमत पर असर डालती है। जब रुपया मजबूत होता है, तो सोने की कीमत गिर जाती है और इसके विपरीत जब भारतीय मुद्रा कमजोर होती है, तो कीमत बढ़ जाती है। मुद्रास्फीति और आर्थिक अनिश्चितता के कारण सोने की मांग बढ़ गई है क्योंकि इसे एक सुरक्षित निवेश निवेश माना जाता है, जिससे सोने की कीमतें बढ़ जाती हैं।

कम ब्याज दरें बांड और बैंक एफडी की तुलना में निवेशकों के लिए सोने को अधिक आकर्षक बनाती हैं और बढ़ती मांग के परिणामस्वरूप कीमती धातु की कीमत बढ़ जाती हैं। इसके विपरीत, उच्च ब्याज दरें इन वित्तीय परिसंपत्तियों को अच्छे निवेश में बदल देती हैं, जिससे सोने की मांग कम हो जाती है और कीमतें कम हो जाती हैं। आयात प्रतिबंध और सीमा शुल्क से संबंधित सरकारी नीतियां भी भारतीय बाजार में सोने की कीमत को प्रभावित करती हैं। त्योहारी और शादी के मौसम में मांग बढ़ने पर सोने की कीमतें भी आम तौर पर बढ़ जाती हैं। इज़राइल-हमास युद्ध जैसी भू-राजनीतिक अनिश्चितता भी सोने की कीमतों पर असर डालती है। अल्पावधि में सोने की कीमतों को प्रभावित करने वाले इन कारकों को एक अच्छा सौदा पाने के लिए सबसे उपयुक्त समय पर कीमती धातु में निवेश करने के लिए ध्यान में रखा जाना चाहिए।

खेल जगत

रिदम और उज्जवल ने जीता 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक

काहिरा 28 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के रिदम सांगवान और उज्वल मलिक ने आईएसएसएफ विश्व कप 2024 में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। शनिवार को यहां खेले गये मुकाबले में भारतीय निशानेबाजी टीम ने आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में अर्मेनियाई जोड़ी एल्मिरा करापेटियन और बेनिक खलघटयान को 17-7 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं कजाकिस्तान की इरिना यूनुसमेतोवा और वेलेरी राखिमजान ने इटली की चियारा जियानकामिली-फेडेरिको निलो मालदिनी की जोड़ी को 16-8 से हराकर कांस्य पदक जीता। क्वालीफिकेशन राउंड में भारतीय जोड़ी ने 580 का स्कोर बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि करापेटियन-खलघटयान 581 अंकों के साथ 24 निशानेबाज़ों के बीच में शीर्ष पर रहे।

इंग्लैंड की भारत 28 रन से हराया

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

■ इंग्लैंड के स्पिनर हार्टले के गेंद से भारत दूसरी की पारी में 202 पर ढेर

■ मैन ऑफ द' मैच ऑली पोप ने खेली 196 रन की यादगार पारी

नई दिल्ली, 28 जनवरी (देशबन्धु)। पहली पारी में 190 रन से पिछड़ने के बाद मैन ऑफ द' मैच ओली पॉप की दूसरी पारी में 196 रन की बेहतरीन पारी की बदौलत दूसरी पारी में 420 रन बना गजब की वापसी करने वाली इंग्लैंड ने बाएं हाथ के स्पिनर टॉम हार्टले (7/62) के गेंद से %सत्ते' की बदौलत रविवार को चौथे दिन भारत की दूसरी पारी 202 रन पर समेट हैदराबाद में पांच टेस्ट मैचों की क्रिकेट सीरीज के पहला बेहद रोमांचक टेस्ट 28 रन से जीत लिया। इंग्लैंड ने भारत से पहला टेस्ट एक दिन के बाकी रहते जीत सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली। अपने कोच ब्रेंडन मैकलम की शुरू से ही दे दनादन बल्लेबाजी की %बैजबॉल' शैली से बल्लेबाजी करने वाले ओली पॉप का दोहरा शतक पूरा न कर पाने का मलाल इंग्लैंड की रोमांचक जीत से दूर हो गया। इंग्लैंड की चीफ कोच मैकुलम की %बेजबॉल'शैली से खेल कर 19 टेस्ट मैचों में यह 14 वीं जीत है।

कप्तान रोहित शर्मा (रोहित शर्मा (39 रन, 58 गेंद, सात चौके) की अपने नौजवान सलामी जोड़ीदार यशस्वी जायसवाल (15 रन, 35 गेंद, 2 चौके) की पहले विकेट की 42 तथा रविचंद्रन अश्विन (28 रन, 84 गेंद, दो चौके) और के एस भरत (28 रन, 59 गेंद, तीन चौके) की आठवें विकेट की 57 रन की भागीदारी को छोड़ कर दूसरी पारी में भारत की बल्लेबाजी खासतौर पर अपने टेस्ट करियर का आगाज करने वाले हार्टले की स्पिन के सामने ताश के पत्तों की तरह ढह गई। इससे पूर्व इंग्लैंड की पहली पारी के 246 रन के जवाब में भारत ने अपनी पहली पारी में 436 रन बनाए थे। इंग्लैंड के मध्यक्रम के बल्लेबाज ऑली पॉप के चीफ कोच ब्रेंडन मैकलम शुरू से ही दे दनादन कर %बेजबॉल' शैली का अनुसरण भले ही मात्र चार रन से भारत के खिलाफ अपना दोहरा टेस्ट शतक पूरा करने से चूके लेकिन उनकी पारी ने सभी का दिल जीत लिया। ऑली पॉप ने मेजबान टीम के सबसे कामयाब तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह (4/41) की ऑफ कटर को रिवर्स स्कूप करने की कोशिश में चूक आखिरी बल्लेबाज के रूप में आउट होने से पहले उनकी 278 गेंदों में 21 चौकों की मदद से 196 रन की बेशकीमती पारी से इंग्लैंड ने भारत से पहली पारी में 190 रन से पिछड़ने के बाद रविवार को चौथे दिन लंच से अपनी दूसरी पारी में 420 रन का मजबूत स्कोर बनाया। इंग्लैंड ने भारत के सामने जीत के लिए दूसरी पारी में 231 रन बनाने का लक्ष्य रखा।

रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने भारत की दूसरी पारी का सकारात्मक अंदाज में आगाज कर पहले विकेट की 42 रन जोड़े। रोहित खुद लंच और चायकाल के बीच अपने टेस्ट करियर का आगाज करने वाले इंग्लैंड के सबसे कामयाब गेंदबाज बाएं हाथ के स्पिनर टॉम हार्टले की गेंद पर एलबीडब्ल्यू का तीसरा शिकार बनने से पहले केएल राहुल के साथ 21 रन की भागीदारी की बदौलत भारत ने जीत के लिए 231 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चायकाल तक 29 ओवर में तीन विकेट पर 95 रन बनाए। चायकाल के समय केएल राहुल 41 गेंद खेल कर तीन चौकों की मदद से 21 और बाएं हाथ के अक्षर पटेल 38 गेंद खेल कर तीन चौकों की मदद से 17 रन बनाकर खेल रहे थे।बाएं हाथ के स्पिनर हार्टले ने अपनी पांचवें ओवर की चौथी गेंद पर पहले यशस्वी को और फिर अंतिम गेंद पर शुभमन गिल (0) को सिली पॉइंट पर ऑली पॉप के हाथों कैच कराया और भारत ने अच्छे आगाज के बाद 42 रन के स्कोर पर दो विकेट खो दिए। भारत के कप्तान रोहित ने हार्टले के सातवें ओवर में उनकी तेजी से स्पिन होती गेंद को खेलने से चूके और गेंद उनके पैड पर पड़ी और अंपायर ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट घोषित किया और इस रोहित ने रिव्यू लिया लेकिन बेकार गया। भारत ने अपना तीसरा विकेट 63 रन पर खो दिया। चायकाल के बाद अक्षर पटेल (17 रन, 42 गेंद, 3 चौके) चायकाल के तुरंत बाद पहले और हार्टले के 11 वें ओवर की पांचवीं गेंद को आधे अधूरे मन से ड्राइव करने की कोशिश में उन्हें ही वापस कैच थमा बैठे और भारत ने चौथा विकेट 95 रन पर खो दिया। भारत हार्टले के 12 वें ओवर की नीची रहती गेंद बाए के चौके से 31.4 ओवर में सौ रन के पार पहुंचा। केएल राहुल (22 रन,48 गेंद, तीन चौके) चायकाल के बाद अपने स्कोर में मात्र एक रन जोड़ ऑफ स्पिनर जो रूट की तेजी से स्पिन हो भीतर आती गेंद को खेलने से चूके और गेंद उनके गेंद अंपायर ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट घोषित किया और इस पर राहुल ने रिव्यू लिया लेकिन बेकार गया और भारत ने पारी के 33 वें रूट के 11 वें ओवर में अपना पांचवां विकेट मात्र 107 रन पर खो दिया। जडेजा (2) ने जो रूट की गेंद को ड्राइव कर तेज रन के लिए दौड़े लेकिन कप्तान बेन स्टोक्स ने गिरने के बावजूद मिडऑन से तेज थ्रो से विकेट बिखेर कर उन्हें रनआउट कर दिया और भारत ने 39वें ओवर में छठा विकेट 119 रन पर खो दिया। श्रेयस अय्यर(13 रन , 31 गेंद, एक चौका) ने बाएं हाथ के स्पिनर जैक लीच की ऑफ स्टंप पर गिर कर तेजी से बाहर निकलती गेंद को पुश किया और रूट ने पहली स्लिप में कैच कर पैवेलियन लौटा दिया और भारत ने सातवां विकेट भी 119 रन पर खो दिया। बाएं हाथ के स्पिनर टॉम हार्टले ने पहले विकेटकीपर बल्लेबाज केएस भरत को मिडल और ऑफ स्टंप पर पिच हो सीधी रही गेंद पर बोल्ड कर उनकी और रविचंद्रन अश्विन की आठवें विकेट की 57 रन की भागीदारी को तोड़ भारत का स्कोर आठ विकेट पर 176 कर दिया और उन्होंने अपने अगले ओवर में फ्लाइट से अश्विन (28 रन, 84 गेंद, दो चौके) को छका विकेटकीपर फॉक्स के हाथों स्टंप करा भारत का स्कोर नौ विकेट पर 177 रन कर उसकी हार निश्चित कर दी। हार्टले ने मोहम्मद सिराज (12 रन, 20 गेंद, एक चौका) को विकेटकीपर बेन स्टोक्स के हाथों स्टंप करा भारत की दूसरी पारी 69.2 ओवर में 202 पर समेट कर उनकी व जसप्रीत बुमराह (अविजित 6 रन, 18 गेंद) की आखिरी विकेट की भागीदारी तोड़ इंग्लैंड को रोमांचक जीत दिला दी।

सिनर ने मेदवेदेव को हराकर जीता ऑस्ट्रेलियन ओपन

मेलबर्न,28 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपने पहले ग्रैंड स्लैम खिताब के लिए दानिल मेदवेदेव को हराने के बाद जानिक सिनर कोर्ट में गिर गए। 22 वर्षीय चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने दो सेट से पिछड़ने के बाद मेदवेदेव के खिलाफ 3-6, 3-6, 6-4, 6-4, 6-3 से जीत दर्ज की और ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपनी पहली बड़ी ट्रॉफी जीती। रॉड लेवर एरिना के अंदर मेदवेदेव की जबरदस्त शुरुआत के बाद सिनर ने तीन घंटे, 44 मिनट की जीत हासिल की, जो अपने प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ उनकी लगातार चौथी टूर-स्तरीय जीत थी।

अपनी जीत के साथ, सिनर 1976 में एड्रियानो पनाटा के बाद स्लैम जीतने वाले पहले इतालवी व्यक्ति और इतिहास में तीसरे इतालवी व्यक्ति बन गए। वर्ल्ड नंबर 4, जिसने फाइनल के रास्ते में सिर्फ एक सेट गंवाया, ने सेमीफाइनल में 10 बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच की 33 मैचों की जीत की लय को समाप्त कर दिया और मेदवेदेव को हराने के बाद अब अपने पिछले 21 टूर-स्तरीय मैचों में से 20 जीते हैं। 22 वर्षीय खिलाड़ी ने मेदवेदेव को हराने के बाद शीर्ष 5 विरोधियों के खिलाफ अपने पिछले 11 मैचों में से 10 जीते हैं।

सिनर ने कहा, मुझे बहुत गर्व है,यह एक बहुत ही कठिन मैच था। उन्होंने वास्तव में अच्छी शुरुआत की, उन्होंने मुझे कोर्ट के चारों ओर घुमाया। मैं अपना गेम प्लान नहीं कर सका लेकिन तीसरे सेट में किसी तरह मैं छोटे अवसरों की तलाश में था, जिसका मैंने उपयोग किया। मैच बदल गया और मैं वास्तव में खुश हूं कि मैंने इसे कैसे ठीक किया। अभी बहुत सारी भावनाएं हैं। मुझे बैठना होगा और इसे संसाधित करना होगा लेकिन एक अविश्वसनीय भावना। वर्ल्ड नंबर 4 मैच प्वाइंट के बाद फर्श पर गिर गया। वह भावुक दिखाई दे रहे थे और कोच सिमोन वाग्नोज़ी और डैरेन काहिल को गले लगाने के लिए अपने बॉक्स में चढ़ गए। सिनर ने ट्रॉफी समारोह के दौरान कहा, 卐मेरी टीम को धन्यवाद। हर कोई जो बॉक्स में है और घर से देख रहा है, जो मेरे साथ काम करता है। हम हर दिन बेहतर होने की कोशिश कर रहे हैं और टूर्नामेंट के दौरान भी, मजबूत होने और स्थिति को थोड़ा बेहतर समझने की कोशिश कर रहे हैं। यह उतना आसान नहीं है जितना मैं हूं। अभी भी थोड़ा छोटा हूं लेकिन मैं सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं।

यह मेदवेदेव के लिए भाग्य का एक क्रूर मोड़ था, जो चैंपियनशिप मैच तक पहुंचने के लिए दो सेटों से पिछड़ने के बाद दो बार वापस आए, लेकिन एक प्रेरित सिनर को ट्रॉफी के साथ वैसा ही करने से रोकने में असमर्थ रहे। अब ग्रैंड स्लैम फाइनल में 1-5 से पीछे, मेदवेदेव ने कई प्रमुख एकल खिताब जीतने वाले छठे सक्रिय खिलाड़ी बनने का मौका और पेपरस्टोन एटीपी रैंकिंग में कार्लोस अल्काराज को पछाड़कर नंबर 2 पर पहुंचने का मौका गंवा दिया।

सिनर ओपन युग में ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में दो सेट से पिछड़ने के बाद ट्रॉफी उठाने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। दूसरे राफेल नडाल थे, जिन्होंने 2022 में मेदवेदेव को हराया था।

हमारे डिफेंडर खेल को बेहतर ढंग से नियंत्रित कर सकते थे : पुनेरी पलटन

पटना, 28 जनवरी (एजेंसियां)। प्रो कबड्डी लीग सीजन 10 में पुनेरी पल्टन और पटना पाइरेट्स के बीच रोमांचक मुकाबला 32-32 से बराबरी पर रहा। पुणे की टीम ने खेल के अधिकांश समय बढ़त बनाए रखी, लेकिन पाइरेट्स ने अंतिम दस मिनट में वापसी की और अंत में खेल को बराबरी पर लाने में सफल रहे।

खेल के बारे में बात करते हुए पुनेरी पलटन के कप्तान असलम इनामदार ने कहा, हमारी गलतियों के कारण ही मैच टाई पर समाप्त हुआ। मुझे लगा कि रक्षक अपने प्रदर्शन को बेहतर तरीके से नियंत्रित कर सकते थे। हमें कड़ी मेहनत करनी होगी और अपनी गलतियों को सुधारना होगा। हमारे आगामी मैच बहुत महत्वपूर्ण हैं। मैच की आखिरी रेड शुरू होने से पहले पाइरेट्स एक अंक से आगे चल रहे थे। कप्तान ने अंतिम रेड से पहले टीम के भीतर हुई बातचीत के बारे में बताया, मुझे पता था कि मंजीत आखिरी रेड पर बोनस अंक के लिए जाएगा। मैंने अपनी टीम के सभी सदस्यों से कहा कि हमें उसे बोनस अंक नहीं लेने देना चाहिए। डिफेंडर इससे पहले कि वह बोनस अंक सुरक्षित कर पाता, उसने उसे छू लिया और इससे हमें कम से कम टाई पर समझौता करने में मदद मिली।

पुनेरी पलटन के लिए मोहम्मदरेज़ा शादलूई चियानेह ने मैच में कुछ महत्वपूर्ण टच पॉइंट हासिल किए। जब उनसे उनकी रेडिंग क्षमताओं के बारे में पूछा गया, तो कप्तान ने कहा, शादलूई एक शक्तिशाली रेडर है। डिफेंडर्स यह नहीं समझते हैं कि शादलूई किस तरह से रेड करते हैं। इसलिए हमने उन्हें मैच के बाद के हिस्से में कुछ रेड के लिए भेजा, लेकिन मैच के अंत में उसे पकड़ लिया गया। फिर हमने एक महत्वपूर्ण टैकल किया और मैच टाई कराने में सफल रहे।

पुनेरी पल्टन अपने अगले मैच में मंगलवार को तेलुगु टाइटंस से भिड़ेगी। अपने अगले मैच के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, टाइटंस पर निश्चित रूप से कोई दबाव नहीं होगा क्योंकि वे प्लेऑफ़ की दौड़ से बाहर हो गए हैं। हालांकि, हम उसी तरह खेलना जारी रखेंगे जिस तरह से हम इस सीजन में खेल रहे हैं। हम इस पर ध्यान देंगे। अपनी गलतियां कम करें और हम इस प्रतियोगिता में किसी भी टीम को हल्के में नहीं ले सकते।

भारतीय महिला हॉकी टीम प्रो लीग मैचों के लिए भुवनेश्वर पहुंची

भुवनेश्वर (ओडिशा), 28 जनवरी (एजेंसियां)। इस साल के बाद में होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहने के बाद, भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 के पहले क्लस्टर के दौरान कुछ गौरव बचाने की कोशिश करेगी, जो तीन फरवरी को कलिंगा स्टेडियम में शुरू होगा। कलिंगा स्टेडियम और राउरकेला में इस क्लस्टर में अपने अभियान की शुरुआत करने के लिए भारतीय टीम रविवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में बीजू पटनायक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची। लंबे समय से संरक्षक सविता कप्तान के रूप में टीम का नेतृत्व करना जारी रखेंगी, जबकि फारवर्ड वंदना कटारिया, जो चोट से उबरने के बाद टीम में लौटी हैं, उनके डिप्टी के रूप में काम करेंगी। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 (महिला) राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में जाने से पहले, 3 से 9 फरवरी तक भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में होने वाली है, जहां लीग 12 से 18 फरवरी तक आयोजित की जाएगी। भारत के अलावा, चार और राष्ट्रीय टीमें चीन, अमेरिका, नीदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया - एफआईएच प्रो लीग 2023/24 के इस चरण में भाग लेंगी, एक बार भुवनेश्वर में और एक बार राउरकेला में एक-दूसरे का सामना करेंगी। भारत अपने पहले मैच में 3 फरवरी को मौजूदा एशियाई खेलों के चैंपियन चीन से भिड़ेगा, उसके बाद 4 फरवरी को नीदरलैंड्स से भिड़ेगा। 7 फरवरी को उनका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा और इसके बाद वे अपना आखिरी मैच 9 फरवरी में अमेरिका के खिलाफ भुवनेश्वर में खेलेंगे।

सार संक्षेप

चोटें, आईपीएल का दबाव और उम्रदराज़ खिलाड़ी से परेशान बीसीसीआई

नई दिल्ली। आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 से पहले अपने अंतिम टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में टीम इंडिया ने बेंगलुरु में डबल सुपर ओवर तक खिंचे रोमांचक मैच में अफगानिस्तान को हराकर मजबूत स्थिति हासिल की। टी20 सीरीज में अफगानिस्तान के खिलाफ 3-0 की जीत ने न केवल भारत की शक्ति का प्रदर्शन किया, बल्कि टीम प्रबंधन के सामने आगामी टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों के चयन के लिए कई चुनौती सामने ला दी है। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का नौवां संस्करण 1 से 29 जून 2024 तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। आखिरी बार 2012 में वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप खेला गया था। हालाँकि, टीम ने महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं और अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जाने जाने वाले खिलाड़ियों की नई पीढ़ी का स्वागत किया है, जैसा कि आईपीएल में देखा गया है।

टीम इंडिया को विराट और रोहित से आगे की योजना बनाने की जरूरत

नई दिल्ली। यह कोई रहस्य नहीं है कि भारतीय क्रिकेट बदलाव के दौर से गुजर रहा है या यह देखने की राह पर है कि उनकी टीम का भविष्य कैसा होगा। हालांकि भारतीय टीम के लिए मुख्य सवालों में से एक यह है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के बाद कौन? यह जोड़ी कुछ और समय के लिए आसपास रह सकती है, जैसा कि जनवरी में अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए उनके कॉल-अप का सुझाव दिया गया है। लेकिन देर-सवेर, युवा पीढ़ी इस जोड़ी से कमान संभालेगी और टीम को आगे ले जाएगी। भारतीय क्रिकेट में प्रतिभा की गहराई को देखते हुए यह कोई जटिल काम नहीं होना चाहिए, लेकिन एक बार जब रोहित और विराट खेल छोड़ देंगे, तो यह एक खालीपन पैदा करेगा जो पहले कभी नहीं देखा गया, जिसे सभी प्रारूपों में भरना बहुत मुश्किल होगा। भारतीय क्रिकेट के थिंक टैंक को रोहित और विराट से परे जीवन के लिए खुद को अच्छी तरह से स्थापित करने के लिए अगले दो या तीन वर्षों के लिए बहुत अच्छी योजना बनानी होगी। उन्हें युवाओं को लगातार मौके देने होंगे ताकि वे बड़े टूर्नामेंट में खेलने के दबाव को झेलने और मौके का सामना करने के लिए मानसिक रूप से तैयार रहें। भारतीय क्रिकेट में बदलाव के लिए सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक संचार होगा। यदि जानकार शक्तियां मिश्रण में खिलाड़ियों के साथ संचार बनाए रखती हैं, उन्हें भविष्य में दिए जाने वाले समय और अवसरों के बारे में स्पष्टता देती हैं और साथ ही परिणामों की परवाह किए बिना अविश्वसनीय समर्थन देती हैं, तो भारतीय टीम का विकास हो सकता है।

एफआईएच हॉकी5एस महिला विश्वकप के फाइनल में भारत को हरा नीदरलैंड बना चैंपियन

मस्कट, 28 जनवरी (एजेंसियां)। नीदरलैंड की महिला टीम ने एफआईएच हॉकी5एस महिला विश्व कप 2024 के फाइनल में भारतीय महिला टीम को हराकर चैंपियनशिप जीत ली है। शनिवार को यहां खेले गये फाइनल में मुकाबले में भारतीय महिला हॉकी टीम को नीदरलैंड से 2-7 से हार का सामना करना पड़ा। मैंच की शुरुआत में नीदरलैंड की जेनेके वान डी वेने ने एक लंबा शॉट खेलते हुए गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई और इसके कुछ ही देर बाद बेन्टे वान डेर वेल्ट ने एक और गोल दागकर नीदरलैंड की बढ़त दोगुनी दिया। नीदरलैंड के खिलाड़ियों द्वारा किये गये चार और गोल की बदौलत पहले हॉफ में स्कोर 6-0 रहा।

नीदरलैंड के लिए जेनेके वान डी वेने ने दूसरे और 14वें मिनट में, बेन्टे वान डेर वेल्ट ने चौथे और आठवें मिनट में, लाना कालसे ने 11वें, 27वें और सोशा बेनिंगा ने 13वें ने गोल किए। दूसरे हाफ में ज्योति छत्री ने गोलकर भारत का खाता खोला। इसके बाद रुतुजा दादासो पिसल ने 23वें मिनट में गोलकर स्कोर 6-2 कर दिया। वहीं भारत की ओर से ज्योति छत्री ने 20 वें मिनट में और रुतुजा दादासो पिसल ने 23वें मिनट में गोल किये। नीदरलैंड की लाना कालसे ने 27वें मिनट में एक और गोलकर मैच 7-2 स्कोर के साथ समाप्त कर दिया।

निचले क्रम में बल्लेबाजी कर सकने वाले गेंदबाजों की भारत की खोज जारी रहनी चाहिए

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। वनडे विश्व कप 2023 में भारत का गेंदबाजी आक्रमण टूर्नामेंट के लिए वरदान साबित हुआ। मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह की तिकड़ी। साथ ही रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव की स्पिन विशेषज्ञता भारतीय गेंदबाजी लाइन-अप को काफी मजबूत करती है।

इस गेंदबाजी इकाई की ताकत को प्रदर्शित करने वाले असाधारण प्रदर्शन के साथ भारत ने वनडे वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को 199 रनों के मामूली स्कोर पर समेट दिया, पाकिस्तान को 191 रनों पर रोक दिया और श्रीलंका को स्कोरबोर्ड पर केवल 55 रन ही बनाने दिए। जबकि, इस खतरनाक गेंदबाजी इकाई के आगे इंग्लैंड 129 रन पर ढेर हो गई और दक्षिण अफ्रीका को 83 रन से बड़ी हार का सामना करना पड़ा।

आठ में से छह मैचों में विपक्षी टीम आलआउट हो गई, जो इन असाधारण गेंदबाजों की अथक भावना और कौशल को दर्शाती है। हालांकि, भारत की गेंदबाजी की जीत के उत्साह के बीच, एक कड़वी सच्चाई बनी रही, जो है निचले क्रम की कमजोरी। बल्ले से इरादे की कमी के कारण भारतीय गेंदबाजों को एक बड़ा झटका लगा, खासकर घरेलू और उपमहाद्वीप की परिस्थितियों में।

आंकड़ों के अनुसार - पिछले चार बल्लेबाजों ने अपने टी20 करियर में कुल मिलाकर 113 पारियों में 34 चौके और चार छक्के लगाए। पिछली श्रृंखला में वेस्टइंडीज द्वारा इस कमजोरी को बेरहमी से उजागर किया गया था, जहां भारत जो जीत की ओर बढ़ रहा था, उस समय लड़खड़ा गया जब यह सबसे ज्यादा मायने रखता था। 1983 में भारत की पहली क्रिकेट विश्व कप जीत की पुरानी यादों पर नजर डालने से एक अलग युग का पता चलता है। उस समय के गेंदबाज मुख्य रूप से ऑलराउंडर थे, जो विकेट लेने वाले बनने के बजाय रन बनाने पर नियंत्रण रखने पर ध्यान केंद्रित करते थे। कप्तान कपिल देव इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। घरेलू धरती पर 2011 विश्व कप के तेजी से आगे बढ़ने और गतिशीलता बदल गई थी। इसके विपरीत, 2023 की भारतीय टीम ने छोटे-छोटे खिलाड़ियों के बजाय विशेषज्ञों को अपनाया और गति पर अधिक जोर दिया। हालांकि, इस बदलाव ने निचले क्रम में एक गंभीर कमजोरी को उजागर किया, खासकर नंबर 8 और उससे आगे। अगस्त 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ एक टी20 मुकाबले में, भारत ने खुद को आरामदायक स्थिति में पाया, पांच ओवरों में केवल 37 रन चाहिए थे और छह विकेट शेष थे।

वेस्टइंडीज की एहतिहासिक जीत, ऑस्ट्रेलिया को आठ रन से हराया

■ वेस्टइंडीज ने करीब 27 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच जीता

ब्रिस्बेन 28 जनवरी (एजेंसियां)। शमार जोसेफ सात विकेट की घातक गेंदबाजी की बदौलत वेस्टइंडीज ने दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन रविवार को रोमांचक मुकाबले में एहतिहासिक जीत दर्ज करते हुए ऑस्ट्रेलिया को आठ रनों से हरा दिया है। और इसी के साथ में वेस्टइंडीज ने सीरीज 1-1 से बराबर कर ली हैं। वेस्टइंडीज के लिए यह जीत बहुत बड़ी है। वर्ष 2003 के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम को किसी मुकाबले में हराया है। वेस्टइंडीज ने करीब 27 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच जीता है।

ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में शुरुआती खराब रही और स्मिथ को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। कैमरून ग्रीन ने 42 रन बनाकर आउट हुये। ग्रीन और स्मिथ के बीच 127 गेंद में 71 रन की साझेदारी हुई। इन दोनों के अलावा ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे बड़ा स्कोर मिचेल स्टार्क 21 रन बनाकर आउट हुये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में सबसे ज्यादा रन स्टीव स्मिथ नाबाद 91 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 216 रनों की जरूरत थी लेकिन पूरी टीम 207 रन पर ही ढेर हो गयी।

वेस्टइंडीज के लिए शमर जोसेफ ने शानदार गेंदबाजी करते हुए दूसरी पारी में सात विकेट लिये। अल्जारी जोसेफ को दो विकेट मिले। जस्टिन ग्रीव्स ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

कल दिन का खेल खत्म होने के समय सलामी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ नाबाद 33 रन के साथ कैमरन ग्रीन नाबाद नौ रन क्रीज पर थे। आक्रामक अंदाज से मैच को अपने पक्ष में करने के लिये आस्ट्रेलिया चौथे दिन की शुरुआत कैरिबियाई गेंदबाजों पर प्रहार के साथ कर सकता है हालांकि केमार रोच,अल्जारी जोसेफ,शमार जोसेफ और जस्टिन ग्रीव्स के सामने लक्ष्य के लिये जरुरी 156 रन बनाने आसान नहीं होंगे।

पहली पारी में 22 रन की अहम बढ़त के बाद वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में पहला विकेट जल्द गंवाने के बावजूद ठीक कर खेलेने का प्रयास किया। कप्तान क्रेग ब्रैथवेट 16 रन, कर्क मकेंजी 41 रन और ऐलेक एथनेज 35 रन, जस्टिन ग्रीव्स 33 रन और केवम हॉज 29 रन को की मदद से वेस्टइंडीज 193 के स्कार पर ऑलआउट हो गई थी। वेस्टइंडीज की दूसरी पारी को सीमित करने में हेजलवुड तीन विकेट और लायन तीन विकेट की भूमिका अहम रही वहीं कैमरन ग्रीन और मिचेल स्टार्क ने भी एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

पहली पारी में जॉशुआ डासिल्वा 79 रन, केवम हॉज, 71 रन और केविन सिंक्लेयर के 50 रनों की अर्धशतकीय पारी की बदौलत वेस्टइंडीज ने 311 रन बनाये थे। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया अपनी पहली पारी में उस्मान ख्वाजा 75रन, एलेक्स कैरी 65 रन और कप्तान पैट कमिंस के नाबाद 64 रनों की मदद से 289 का स्कोर खड़ा किया था।

वेस्टइंडीज की ओर से अल्ज़ारी जोसेफ ने चार विकेट लिये। केमार रोच को तीन विकेट मिले। शमार जोसेफ और केविन सिंक्लेयर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया था।